@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 17 जुलाई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 247 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

उत्तराखंड के स्कूलों में रोज पढ़े जाएंगे गीता के श्लोक

● प्रार्थना सभा में अर्थ के साथ होगा गीतापाठ, 17 हजार स्कूलों पर फैसला लागू

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड राज्य के सभी स्कूलों में अब सुबह की प्रार्थना सभा में श्रीमद् भागवत गीता के श्लोक पढ़ाए जाएंगे। राज्य माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ मुकुल कुमार सती ने इसे लेकर आदेश जारी किया है। आदेश के बाद मंगलवार से ही नियम प्रदेश भर के लगभग 17 हजार सरकारी स्कूलों पर लागू हो गया है। शिक्षा निदेशक डॉ सती ने बताया कि हर दिन स्कूल में गीता के श्लोकों का केवल उच्चारण नहीं होगा, बल्कि उनका अर्थ भी समझाया जाएगा। इसका मकसद स्कूली बच्चों को प्राचीन भारतीय परंपराओं से अवगत कराना है। इससे बच्चों का पर्सनैलिटी डेवलपमेंट होने के साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ेगी। जारी आदेश में लिखा गया है कि हर दिन एक मूल्य आधारित श्लोक प्रार्थना सभा में बोला जाएगा और

सूचना पट पर अर्थ सहित लिखा भी जाएगा। टीचर्स भी समय-समय पर श्लोकों की व्याख्या करते हुए बच्चों को सैद्धांतिक जानकारी देंगे। दरअसल नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम में प्राचीन विषयों को शामिल करने का निर्देश है। इसमें 70 फीसदी पाठ्यक्रम केंद्र द्वारा तय किया जाएगा, वहीं 30 फीसदी राज्य तय करेगा। इसी नीति के तहत गीता को शामिल किया गया है।

'क्रूरता और सहिष्णुता' का मिश्रण था अकबर का शासन

● एनसीईआरटी की 8वीं की किताब ने खोला मुगलों का पन्ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने 8वीं क्लास की सोशल साइंस की किताब में कई सारे बदलाव किए हैं। इस किताब में दिल्ली सल्तनत और मुगल काल के दौरान 'धार्मिक असहिष्णुता' के कई उदाहरण बताए गए हैं। यह किताब छात्रों को मुख्य रूप से दिल्ली सल्तनत और मुगल काल के बारे में बताती है। इसमें बाबर को एक क्रूर और निर्दयी विजेता बताया गया है, जिसने नरसंहार किए। वहीं अकबर के शासन काल को क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण बताया गया है। जबकि, औरंगजेब के बारे में बताया गया है कि उसने मंदिरों और

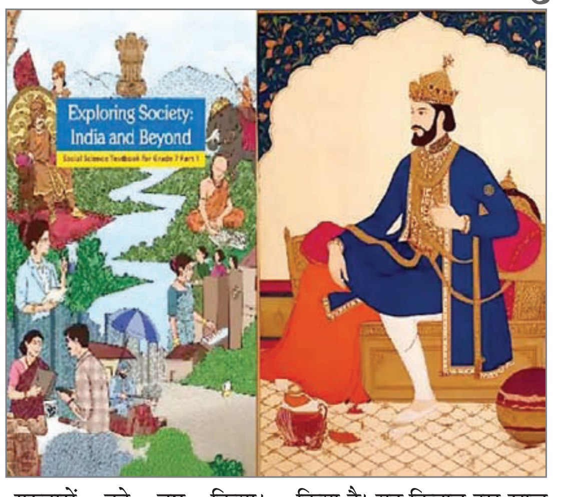

गुरुद्वारों को नष्ट किया। एनसीईआरटी ने 8वीं के लिए सामाजिक विज्ञान की किताब एक्सप्लोरिंग सोसाइटी इंडियन एंड बियॉन्ड का भाग 1 जारी किया है। यह किताब इस साल के शैक्षणिक सत्र में इस्तेमाल की जाएगी। यह किताब नई एनसीईआरटी की किताबों में पहली है, जो छात्रों को दिल्ली सल्तनत और मुगल काल के बारे में बताती है। पहले 7वीं में छात्रों को 13वीं से 18वीं शताब्दी के बीच के इतिहास के बारे में बताया जाता था। लेकिन, एनसीईआरटी ने कहा है कि भारतीय इतिहास का यह दौर, जिसमें दिल्ली सल्तनत, मुगल और मराठा शामिल हैं, अब केवल 8वीं क्लास में ही पढ़ाया जाएगा। किताब के अध्याय रिशेपिंग इंडियाज पॉलिटिकल मैप में 13वीं से 17वीं शताब्दी तक के भारतीय इतिहास को शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली सल्तनत का उदय और पतन, विजयनगर साम्राज्य, मुगल और उनका प्रतिरोध और सिखों का उदय शामिल है।

साक्ष्यों के आधार पर इतिहास को पेश किया

एनसीईआरटी की पुरानी 7वीं क्लास की किताब में इन बातों का जिक्र नहीं था। उस किताब में छात्रों को इतिहास के इसी दौर के बारे में बताया गया था। एनसीईआरटी ने एक बयान में कहा है कि ये घटनाएं... (और कई अन्य) हुईं और उन्होंने भारतीय इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी। उन्हें शामिल करने का कारण नोट ऑन सम डार्कर पीरियड इन हिस्ट्री में बताया गया है। इतिहास का जो विवरण दिया गया है, वह इतिहास को साफ-सुथरा नहीं करता है, बल्कि संतुलित और पूरी तरह से साक्ष्यों पर आधारित है। नोट ऑन सम डार्कर पीरियड इन हिस्ट्री के अलावा, एक अध्याय में एक चेतावनी भी डाली गई है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आज किसी को भी अतीत की घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। जोर इतिहास के प्रति एक ईमानदार दृष्टिकोण पर है, ताकि इससे बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सबक सीखा जा सके।

योगी कब तक रहेंगे...

● छांगुर बाबा के गुर्गों ने दी हिंदुओं को धमकी!

पोल खुलने पर बोला हमला, पुलिस जांच शुरू

बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में धर्मांतरण के आरोपों से घिरे छांगुर बाबा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनके पूर्व मुंशी

हरजीत कश्यप ने आरोप लगाया है कि बाबा के समर्थकों ने उन्हें लखनऊ में दिए गए बयान को वापस लेने के लिए जान से मारने की धमकी दी और उन पर हमला किया। इस मामले में कोतवाली उतरौला में 3 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हरजीत कश्यप का कहना है कि मीडिया में दिए गए उनके बयान से बौखलाकर यह हमला किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरजीत कश्यप पुत्र शिव मंगल निवासी ग्राम रसूलाबाद, थाना गैंडास बुजुर्ग ने 3 जुलाई को लखनऊ में विश्व हिंदू परिषद के माध्यम से मीडिया को एक बयान दिया था। इसमें उन्होंने मधपुर गांव निवासी जलालुद्दीन शाह उर्फ छांगुर पीर पर जबरन धर्म परिवर्तन कराने और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

दिल्ली विधान सभा एक आधुनिक, काग़ज़ रहित और प्रौद्योगिकी-संचालित भविष्य की ओर अग्रसर है: विजेंद्र गुप्ता

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 16 जुलाई। दिल्ली विधान सभा के माननीय अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा सदन में जारी नवीनीकरण और आधुनिकीकरण कार्यों की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक में बताया गया कि 27 जुलाई 2025 तक संपूर्ण विधानसभा सदन का नवीनीकरण और सौर ऊर्जा संयंत्र का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इस बैठक में धर्मेन्द्र कुमार, मुख्य सचिव (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार); बिपुल पाठक, अपर मुख्य सचिव (वित्त विभाग); अपर मुख्य सचिव (लोक निर्माण विभाग); प्रमुख सचिव (गृह विभाग); प्रमुख सचिव (सेवाएं विभाग); प्रमुख सचिव (कला, संस्कृति और भाषा विभाग); प्रमुख सचिव (सामान्य प्रशासन विभाग);तथा प्रमुख सचिव (कानून, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग) उपस्थित थे। बैठक के दौरान, माननीय अध्यक्ष को नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (NeVA) परियोजना की प्रगति के साथ-साथ विधानसभा परिसर में चल रहे अन्य आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण कार्यों की जानकारी दी गई। लोक निर्माण विभाग

(पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों ने सूचित किया कि संपूर्ण नवीनीकरण और सौर ऊर्जा संयंत्र का कार्य 27 जुलाई 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। ये सभी प्रयास आगामी मानसून सत्र की तैयारियों के अंतर्गत किए जा रहे हैं, जो जुलाई के अंत या अगस्त की शुरुआत में आयोजित होने की संभावना है। गुप्ता को बताया गया कि विधानसभा के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने हेतु व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं और हृद्धङ्क परियोजना तेज़ी से आगे बढ़ रही है। इस पहल का उद्देश्य विधानसभा को पूरी तरह डिजिटल एवं काग़ज़ रहित बनाना है। प्रमुख विकास कार्यों के अंतर्गत, दिल्ली विधानसभा में डिजिटल कॉन्फ्रेंस एवं नेटवर्किंग सिस्टम स्थापित किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता, दक्षता और काग़ज़ रहित विधायी कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रणाली में स्मार्ट डेलीगेट यूनिट्स होंगी, जिनमें माइक्रोफोन, मतदान पैनल, ऋह्वद्वष्ठ/हृस्त्रष्ट एक्सेस और बहुभाषी अनुवाद सुविधा शामिल होगी। सदस्यों को रीयल टाइम में कार्यसूचियों और दस्तावेज़ों की उपलब्धता हेतु आईपैड प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, एचडी कैमरे युक्त एक स्वचालित ऑडियो-विज़ुअल सिस्टम, केंद्रीकृत नियंत्रण, और एक सुरक्षित, तेज़ नेटवर्किंग सिस्टम भी स्थापित किया जा रहा है।

शेष पृष्ठ 3 पर

महाराष्ट्र में एमवीए विधायकों ने किया अनूठा विरोध-प्रदर्शन

● असेंबली के बाहर बनियान पहन और गमछे लपेटकर पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा कैंटीन कर्मचारी की पिटाई मामले में सियासत अपने चरम पर है। इसका नजरा आज (बुधवार को) उस वक्त देखने को मिला जब विपक्षी दलों के गठबंधन महा विकास आघाडी के विधायकों ने अनूठे अंदाज में विरोध-प्रदर्शन किया। दरअसल, महाराष्ट्र विधान भवन के बाहर विपक्षी महा विकास आघाड़ी के विधायकों ने 'बनियान-गमछा' प्रदर्शन किया।

इस दौरान बनियान और कपड़ों के ऊपर गमछे पहने विधायकों ने सत्तारूढ़ गठबंधन के 'गुंडा राज' के खिलाफ जमकर नारे लगाए। गमछे लपेटे विधायक जोर-जोर से नारे लगा रहे थे कि राज्य में गुंडा राज चल रहा है।

विदेशी तकनीक पर भरोसा नहीं, स्वदेशी ताकत जरूरी

● ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान

कहा-कल के हथियारों से आज का युद्ध नहीं जीता जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने हाल के संघर्षों में ड्रोन की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि ये छोटे-छोटे हथियार जंग में पासा पलट सकते हैं। मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया है कि हमारे भूभाग और हमारी जरूरतों के लिए निर्मित स्वदेशी मानवरहित हवाई प्रणालियां और सी-यूएएस

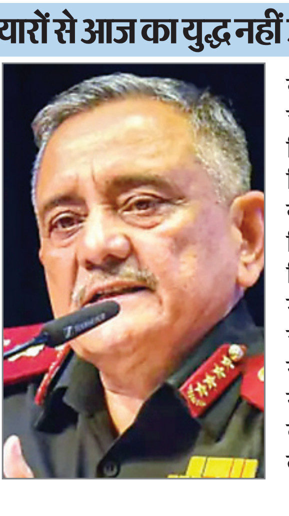

क्यों महत्वपूर्ण हैं। सीडीएस ने चेतावनी दी कि अगर हम जरूरी मिशनों के लिए विदेशी तकनीक पर निर्भर रहेंगे,तो हमारी तैयारियां कमज़ोर पड़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी तकनीक खुद विकसित करनी होगी ताकि जंग के मैदान में कोई कमी न रहे। उन्होंने जोर देकर कहा, कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीती जा सकती। हमें आने वाले कल की तकनीक से आज की जंग लड़नी होगी।

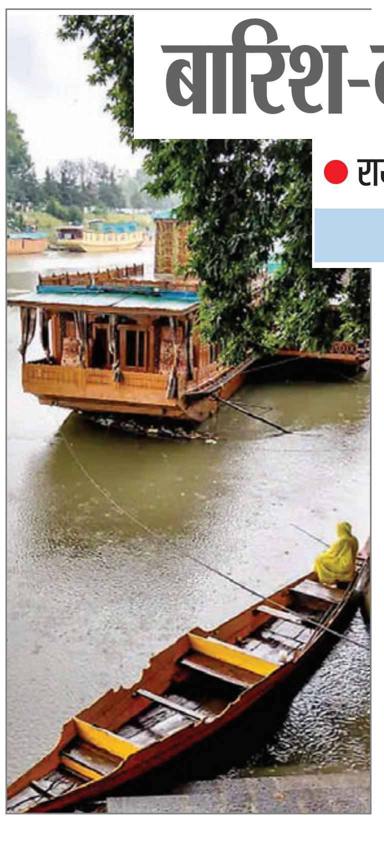

बारिश-बाढ़ से बिगड़े एमपी-राजस्थान के हालात

● राजस्थान में 2 दिन में 18 लोगों की चली गई जान ● एमपी के मंडला-डिडोरी में नर्मदा ने दिखाया रौद्र रूप

बिहार में बाढ़ के हालात, मुंगेर और गयाजी में पुल बहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में दो दिन से भारी बारिश जारी है। इससे जुड़ी घटनाओं में 18 लोगों की मौत हुई है। जयपुर, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिले के कई निचले इलाकों में 4-5 फीट तक पानी भर गया है। बूंदी में मेज नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। कई गांवों का मुख्यालय से संपर्क कट गया है। बिहार में तेज बारिश से बाढ़ के हालात हैं। मुंगेर और गयाजी में पुल बह गया है। औरंगाबाद में अटल बिगहा गांव में 500 घर डूब गए हैं। मध्य प्रदेश में तेज बारिश का दौर मंगलवार को भी जारी रहा। ग्वालियर, भोपाल, इंदौर समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश

हुई। उत्तर प्रदेश में तेज बारिश जारी है। हाथरस में आधे घंटे में 6 इंच पानी बरसा। राज्य की ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़ की स्थिति है। वाराणसी में भी गंगा उफान पर है। 84 घाट पूरी तरह से डूबे हुए हैं। ललितपुर के माताटीला बांध के 18 गेट और गोविंद सागर बांध के 8 गेट खोले गए हैं। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश जारी है। हिमाचल की 200 और उत्तराखंड की 58 सड़कें लैंडस्लाइड के चलते बंद हो गई हैं। आज भी दोनों राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। एमपी के मंडला में सुबह से तेज बारिश हो रही है। पानी की निकासी नहीं होने की वजह से सुभाष वार्ड की सड़क पर करीब तीन फीट तक पानी भर गया। एमपी के बैतूल जिले के सारणी में सतपुड़ा बांध के 5 गेट 2 फीट तक खोले गए हैं। इन गेटों को सुबह 10.45 बजे खोला गया।

जम्मू-कश्मीर को मिले पूर्ण राज्य का दर्जा, लाएं कानून

● खरगे-राहुल ने पीएम को लिखी चिट्ठी

श्रीनगर (एजेंसी)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह

किया कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संसद के आगामी मॉनसून सत्र में विधेयक लाया जाए। उन्होंने यह मांग भी उठाई कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत शामिल करने के लिए भी विधेयक लाए। संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर के लोग लगातार पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। यह मांग वैध भी है और उनके संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर आधारित है। उनका कहना था कि अतीत में केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिए जाने के उदाहरण रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जागरूकता, निगरानी और कार्रवाई पर दिया विशेष ज़ोर

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 16 जुलाई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आजडेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठकआयोजित की गई। दिल्ली सचिवालय में मौजूद इस बैठक मेंमुख्यमंत्री ने आला अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मच्छरों कीउत्पत्ति पर चालान काटने से पहले दो बार चेतावनी दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग(धुआं छोड़ना) को तय समय से पहले शुरू कर दी जाए, ताकिकीट जनित रोगों का फैलाव पहले से ही रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन रोगों को लेकर आगामी दो माह बेहदमहत्वपूर्ण हैं, इसलिए पहले से ही तैयारी जरूरी है। इसके लिएजागरुकता, निगरानी व कार्रवाई जरूरी है। इस बैठक में दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड व दिल्लीसरकार के स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कीट जनित बीमारियों का प्रकोप अभीदिल्ली में फैला नहीं है, इसके

बावजूद हमें सतर्क और एक्शन मेंआ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी व कर्मचारी मच्छरोंके प्रजनन को रोकने के लिए सारे उपाय करें और इस अभियान मेंलोगों को भी शामिल करें। इसके लिए सभी प्रकार के प्रचारमाध्यमों का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों, पार्कों, खुले स्थानों, अस्पतालों आदि में मच्छरों की उत्पत्ति रोकने केविशेष प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन घरों या स्थानों में मच्छर की उत्पत्तिपाई जाती है, वहां चालान काटने से पहले दो बार चेतावनी दीजाए, ताकि लोग जागरुक हो जाए और मच्छरों से बचाव केउपाय खुद ही तलाशें। बैठक में अफसरों ने बताया कि मच्छरों काप्रजनन रोकने के लिए सितंबर माह में फॉगिंग की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही फॉगिंग अभियान शुरू किया जाए, ताकि मच्छरों का प्रकोप रुके और लोगों का विश्वास बढ़े किसरकार व शासन डेंगू व अन्य बीमारियों की रोकथाम में गंभीरतासे जुटा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इन बीमारियों कीरोकथाम के लिए दवाओं या मशीनरी आदि की कमी नहीं रहनीजाए, अगर कुछ समस्या आए तो सीधे हमें सूचित करें।

शेष पृष्ठ 3 पर

बिहार चुनाव से पहले बेंगलुरु में कांग्रेस ने खेला बड़ा दांव

● ओबीसी मीट में 50 फीसदी आरक्षण सीमा तोड़ने का संकल्प

बेंगलुरु (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग को रिझाने के लिए शिक्षा, नौकरियों और अन्य क्षेत्रों में आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को तोड़ने का संकल्प लिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस की ओबीसी परिषद की बैठक में इसका ऐलान किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओबीसी सलाहकार परिषद की दो दिवसीय बैठक बेंगलुरु में आयोजित की गई थी। आज बैठक का दूसरा और आखिरी दिन है। कांग्रेस द्वारा गठित ओबीसी सलाहकार परिषद को देश भर में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर रणनीति बनाने का काम सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने

परिषद से राष्ट्रव्यापी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक जाति जनगणना पूरी करने के लिए मौजूदा सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति बनाने का आग्रह करते हुए यह कहा।

संक्षिप्त समाचार

स्पेन में गर्मी से दो महीनों में 1 हजार से ज्यादा मौतें हुईं, पिछले साल के मुकाबले 10 गुना अधिक

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में गर्मी के कारण मई 16 से जुलाई 13 तक करीब 1,180 लोगों की मौत हो चुकी है। ये पिछले साल इसी समय में हुई 114 मौतों से 10 गुना अधिक है। मरने वालों में ज्यादातर 65 साल से ज्यादा उम्र के थे, जिनमें आधी से ज्यादा महिलाएं थी। स्पेन का गैलिसिया, ला रियोजा, अस्टुरियस और कैंटाब्रिया जैसे उत्तरी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां आमतौर पर गर्मी कम रहती थी, लेकिन हाल के वर्षों में तापमान में भारी वृद्धि देखी गई है। इस दौरान तापमान अक्सर 40 डिग्री सेल्सियस (104 डिग्री फारेनहाइट) से ऊपर रहा। इस अवधि में 76 रेड अलर्ट जारी किए गए, जबकि पिछले साल कोई अलर्ट नहीं था। पिछले साल स्पेन में गर्मी से 2,191 लोगों की मौत हुई थी। हाल ही में 9 जुलाई को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप के 12 शहरों में 2 जुलाई तक 10 दिनों की भीषण गर्मी में लगभग 2,300 लोगों की मौत हुई।

पनामा में 6.2 तीव्रता का भूकंप

पनामा , एजेंसी। पनामा के प्रशांत तट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे लेकर जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने या नुकसान की सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप दोपहर के समय पुंटा बुरीका से लगभग 130 मील (210 किलोमीटर) दक्षिण में, कोस्टा रिका की सीमा के पास पनामा के चिरिकी प्रांत में 10 किलोमीटर (6 मील) की प्रारंभिक गहराई पर आया। इसके चलते पश्चिमी पनामा के चिरिकी और आसपास के इलाकों में झटके महसूस किए गए। वहीं स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल भूकंप के कारण सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

कनेक्टिकट में प्रेमिका के हत्यारे को 65 साल की जेल

न्यू हेवन , एजेंसी। कनेक्टिकट के एक व्यक्ति को सोमवार को 2019 में अपनी प्रेमिका की पीट-पीटकर हत्या करने के जुर्म में 65 साल की जेल की सजा सुनाई गई। उस समय उनकी 14 महीने की बेटी भी गायब हो गई थी, जो अब तक नहीं मिली है। 48 साल के जोस मोरालेस को अप्रैल में कोर्ट ने क्रिस्टीन होलोवे की हत्या और सबूतों से छेड़छाड़ करने का दोषी पाया था। क्रिस्टीन की हत्या उनके घर पर हुई थी, जो न्यू हेवन शहर से लगभग 16 किलोमीटर दूर एन्सोनिया नामक जगह पर है। हत्या के समय क्रिस्टीन की बेटी वैनेसा सिर्फ 14 महीने की थी। परिवार वाले उसे अब भी ढूंढ रहे हैं। पुलिस ने 2019 में कहा था कि मोरालेस लड़की के लापता होने के मामले में संदिग्ध है, लेकिन उस पर कभी इसका आरोप नहीं लगाया गया। सुनवाई के दौरान क्रिस्टीन होलोवे के कई रिश्तेदारों ने अपनी भावनाएं जाहिर कीं।

न्यूयॉर्क के मेयर पद की दौड़ में बने रहेंगे क्युमो

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्र्यू क्युमो ने कहा है कि वे अब एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में न्यूयॉर्क शहर के मेयर का चुनाव लड़ेंगे। वे डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रगतिशील नेता जोहरान ममदानी के खिलाफ मैदान में हैं, जिनसे उन्हें पिछले महीने प्राइमरी चुनाव में हार मिली थी। एक वीडियो में क्युमो ने कहा कि ममदानी के पास सिर्फ आकर्षक नारे हैं, लेकिन असली समाधान नहीं। उन्होंने कहा, हमारे शहर को बचाने की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। जून के प्राइमरी में सिर्फ 13प्रतिशत लोगों ने वोट दिया था। असली चुनाव तो नवंबर में है, और मैं उसे जीतने के लिए मैदान में हूं। अब नवंबर के आम चुनाव में क्युमो अकेले नहीं हैं। मौजूदा मेयर एरिक एडम्स भी स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ रहे हैं। वहीं, कर्टिस स्लीवा, जो 1970 के दशक में गार्जियन एंजेल्स नाम की सुरक्षा गश्त शुरू करने वाले थे, रिपब्लिकन पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं।

मेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इससे अमेरिका-मेक्सिको का 2019 के टमाटर समझौता खत्म हो जाएगा, जिसके तहत मेक्सिको से टमाटर बिना टैरिफ के आते थे। अमेरिकी व्यापार विभाग ने कहा कि स्थानीय किसानों के दबाव के कारण यह कदम उठाया गया, जो मेक्सिको के बढ़ते दबदबे से परेशान हैं। मेक्सिको अमेरिका में खपत होने वाले 70प्रतिशत टमाटरों की आपूर्ति करता है। हालांकि, मेक्सिको में टमाटर उगाने वाली या आयात पर निर्भर अमेरिकी कंपनियों ने चेतावनी दी है कि इससे किराने की दुकानों में कीमतें बढ़ेंगी और सप्लाई चेन प्रभावित होगी। वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक को इस सिलसिले में कई पत्र भेजे गए और बातचीत की अपील की। व्यापारिक समूहों ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां 50,000 श्रमिकों को रोजगार देती हैं और मेक्सिको से टमाटरों को देश को 8.3 बिलियन डॉलर का मुनाफा होता हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 17प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका में टमाटर की खुदरा कीमतें 8.5प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। यह शुल्क राष्ट्रपति ट्रम्प के मेक्सिको और यूरोपीय संघ से आयात पर 30प्रतिशत आधार शुल्क से अलग है, जिसकी घोषणा हाल ही में की गई थी।

यूट्यूबर का दावा- फ्रांस की फर्स्ट लेडी पहले पुरुष थीं: ब्रिगिट मैक्रों ने मानहानि का मुकदमा किया

पेरिस, एजेंसी। 2021 में अमंडाइन रॉय और नताशा रे नामक दोनों महिलाओं ने एक यूट्यूब पर पोस्ट किए गए वीडियो में ब्रिगिट के जीन-मिशेल ट्रोगन्यू नामक पुरूष होने का दावा किया था। जीन-मिशेल ट्रोगन्यू ब्रिगिट के भाई है, जिनकी शक्ल आपस में काफी हद तक मिलती है। ब्रिजिट ने इन दोनों महिलाओं के खिलाफ पहले निचली अदालत में मुकदमा किया था। निचली अदालत ने 2024 में दोनों महिलाओं पर करीब 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था, जिसमें 7 लाख रुपए ब्रिजिट को और 5 लाख रुपए उनके भाई को देने की बात कही गई थी।

बाद में पेरिस की अदालत ने उन दोनों के खिलाफ सुनाई गई सजा को माफ कर दिया था। सोशल मीडिया पर मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट को लेकर कई तरह की बातें होती रहती है। मई में इनके बीच झड़प का एक वीडियो वायरल हुआ था।

ब्रिजिट ने मैक्रों को धकेला, सोशल पर वायरल हुआ था वीडियो : मैक्रों 25 मई को वियतनाम दौरे पर पहुंचे थे। इसी दौरान हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनकी पत्नी ने उनका मुंह पकड़कर धकेल दिया था। एसोसिएटेड प्रेस ने इस वीडियो को रिकॉर्ड किया। घटना तब की है, जब दोनों विमान

से उतरने की तैयारी कर रहे थे। वीडियो में दिखा कि जैसे ही मैक्रों के प्लेन का दरवाजा खुला, ब्रिगिट मैक्रों का मुंह पकड़कर धकेल देती हैं। मैक्रों इस दौरान कुछ पल के लिए चौंकते हैं, फिर जल्दी से अपने आपको संभालते हुए बाहर के लोगों की तरफ हाथ हिलाते हैं। इसके बाद ब्रिगिट भी पति के साथ बाहर आती हैं। वह मैक्रों के साथ प्लेन की सीढ़ियां से नीचे उतरती हैं। इस दौरान मैक्रों अपना हाथ उनकी तरफ बढ़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह इसे अनदेखा कर देती हैं।

मैक्रों से 24 साल बड़ी हैं ब्रिजिट : राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी के उम्र के अंतर को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बातें होती रहती हैं। बता दें, ब्रिजिट मैक्रों से 24 साल बड़ी हैं। साल 1992 में जब इमैनुएल मैक्रों 15 साल के थे, उनकी मुलाकात ब्रिगिट ट्रोन्यू से हुई थी। ब्रिगिट तब 39 साल की थीं और उत्तरी फ्रांस के अमिएंस में ला प्रोविडेंस हाई स्कूल में फ्रेंच और ड्रामा की टीचर थीं। इमैनुएल उस स्कूल में पढ़ते थे। ब्रिगिट की बेटी मैक्रों की क्लासमेट थी। दोनों अच्छे दोस्त थे और अक्सर साथ दिखाई देते थे। ऐसे में कई लोग दोनों को गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड समझते थे। लेकिन मैक्रों को उनकी क्लासमेट नहीं बल्कि उसकी टीचर मां पसंद थीं। इमैनुएल स्कूल के ड्रामा क्लब में शामिल हुए, जहां ब्रिगिट ड्रामा सिखाती थीं। दोनों ने एक साथ एक नाटक पर काम किया, जिसमें इमैनुएल ने स्क्रिप्ट लिखने में मदद की। यहीं से उनकी नजदीकी शुरू हुई।

पिता ने स्कूल छुड़वाया, फिर भी प्यार बरकरार रहा : इमैनुएल ने बाद में बताया कि उन्हें तब ही ब्रिगिट से प्यार हो गया था। इमैनुएल और ब्रिगिट के बीच बढ़ती नजदीकी की चर्चा स्कूल में हो गई। इमैनुएल के माता-पिता इस रिश्ते के खिलाफ थे। उन्होंने इमैनुएल को पेरिस भेज दिया ताकि वह ब्रिगिट से दूर रहें। उन्होंने ब्रिगिट को धमकी भी दी कि जबतक उनका बेटा बालिग नहीं हो जाता, तब तक वह उनसे दूर रहे। मैक्रों ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उसी समय मैंने ठान लिया था कि मुझे सफल होना है। मैं अपने माता-पिता को साबित करना चाहता था कि मैंने अपनी टीचर से प्यार करके कोई गलती नहीं की थी।

पेरिस में पढ़ाई के दौरान इमैनुएल ने ब्रिगिट से संपर्क बनाए रखा। उन्होंने पत्र लिखे और फोन पर बात की। इमैनुएल ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा- मैंने ब्रिगिट से कहा था कि मैं किसी भी हाल में उनसे शादी करूंगा।

मैक्रों से मुलाकात के 14 साल बाद पति को तलाक दिया : ब्रिगिट के पति एक बैंकर आंद्रे-लुई औजिए थे। ब्रिगिट ने 2006 में अपने पति से तलाक ले लिया। इसके एक साल बाद 2007 में दोनों ने फ्रांस के तटीय शहर ले टौके में शादी की। उस वक्त इमैनुएल की उम्र 29 साल और ब्रिगिट 54 की थीं। इमैनुएल ने अपने शादी के भाषण में ब्रिगिट के बच्चों को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें स्वीकार किया।

इमैनुएल ने कभी अपने बच्चों की इच्छा नहीं जताई, और वह ब्रिगिट के बच्चों और उनके पोते-पोतियों के साथ पारिवारिक जीवन जीते हैं। शादी के बाद, ब्रिगिट ने इमैनुएल के करियर में अहम भूमिका निभाई। वह उनकी सलाहकार रही हैं और उनके राजनीतिक अभियानों में सक्रिय रहीं। ब्रिगिट ने अपनी टीचिंग जॉब छोड़ दी और फ्रांस की प्रथम महिला के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं।

भारत और पाकिस्तान में एक सप्ताह में शुरू हो जाता परमाणु युद्ध, डोनाल्ड ट्रंप ने किया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रोकने का क्रेडिट ले रहे हैं। अब उन्होंने दावा किया है कि दोनों मुल्कों के बीच परमाणु युद्ध छिड़ने वाला था। खास बात है कि भारत लगातार इस दावे को खारिज करता रहा है कि संघर्ष विराम में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका थी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भी कार्रवाई की थी।

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा, हम युद्ध रुकवाने में काफी सफल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान को देख लें... जिस तरह से चल रहा था, वैसे भारत और पाकिस्तान में एक और सप्ताह में परमाणु युद्ध छिड़ जाता। वो बहुत बुरी तरह से चल रहा था। हमने उसे व्यापार की मदद से सुलझाया। मैंने कहा कि जब तक आप इसका समाधान नहीं करेंगे, तब तक हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे। और उन्होंने ऐसा किया...।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने इस तरह का दावा किया हो। पहले भी वह कई मौकों पर कहते रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में उन्होंने भूमिका निभाई है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी इस तरह का दावा कर चुके हैं। बीते सप्ताह उन्होंने कहा था, राष्ट्रपति महोदय, मैं यहां एक सूची पर नजर दौड़ा रहा हूं... घरेलू स्तर पर हासिल की गई इन सभी उपलब्धियों (की सूची) पर... हमने आपके नेतृत्व में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया और उसे समाप्त करवाया।

सितंबर में ब्रिटेन दौरे पर जाएंगे ट्रंप, दूसरी बार राजकीय यात्रा पर जाने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सितंबर में ब्रिटेन का राजकीय दौरा करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का यह दौरा 17 से 19 सितंबर के बीच होगा। गौरतलब है कि ट्रंप की यह ब्रिटेन की दूसरी राजकीय यात्रा होगी और ऐसा करने वाले ट्रंप अमेरिका के पहले राष्ट्रपति हैं। ट्रंप के ब्रिटेन दौरे पर किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला विंडसर कैसल में ट्रंप का स्वागत करेंगे। ब्रिटेन दौरे पर ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप भी साथ रहेंगी। विंडसर कैसल ने सोमवार को ट्रंप के दौरे की पुष्टि की। किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को दो बार ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर जाने का नहीं मिला मौका किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को अभी तक ब्रिटेन की दूसरी राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। ट्रंप ने इससे पहले साल 2019 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ब्रिटेन की राजकीय यात्रा की थी और उस वक्त ब्रिटेन की दिवंगत महारानी क्वीन एलिजाबेथ ने उनका स्वागत किया था। अब वे दूसरी बार सितंबर में ब्रिटेन की राजकीय यात्रा करने वाले हैं। किंग चार्ल्स की ओर से ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्रंप को ब्रिटेन दौरे पर आने का आमंत्रण दिया था। यह आमंत्रण उस वक्त दिया गया, जब कीर स्टार्मर ने बीती फरवरी में व्हाइट हाउस का दौरा किया था।

यूलिया स्विरीडेंको बनीं यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री निवर्तमान पीएम को रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूलिया स्विरीडेंको को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। वहीं लंबे समय से इस पद पर रहे निवर्तमान पीएम डेनिस शम्हाल को नया रक्षा मंत्री बनाया गया है। वहीं निवर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तेम उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का नया राजदूत बनाया जा सकता है। स्विरीडेंको इससे पहले यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री पद पर तैनात थीं। हालांकि अभी नई नियुक्तियों को यूक्रेनी संसद की मंजूरी जरूरी होगी। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही जिस तरह से पूरी संसद राष्ट्रपति जेलेंस्की के पीछे लामबंद है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि नई नियुक्तियों को मंजूरी मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

अमेरिका के साथ खनिज समझौते से आई चर्चा में

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक बयान जारी कर कहा कि स्विरीडेंको (39 वर्षीय) एक अर्थशास्त्री हैं, जो अब सरकार का नेतृत्व करेंगी और इसके कामकाज में बदलाव करेंगी। वहीं शम्हाल का अनुभव यूक्रेन के रक्षामंत्री के तौर पर बेहद मूल्यवान है। यही वो क्षेत्र है, जहां देश के सबसे ज्यादा संसाधन लगे हैं और सबसे बड़ी जिम्मेदारी केंद्रित है। स्विरीडेंको ने इस साल अमेरिका के साथ खनिज समझौता करने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद स्विरीडेंको की खूब चर्चा हुई थी।

यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को

उबारने पर फोकस प्रधानमंत्री पद के लिए नाम का एलान होने पर यूलिया स्विरीडेंको ने एक बयान जारी कर कहा कि यूक्रेन बेहद अहम दौर से गुजर रहा है और फिलहाल उनकी प्राथमिकता युद्धग्रस्त यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को बेहतर करना है, साथ ही घरेलू समर्थन कार्यक्रमों को विस्तार देना और हथियारों के उत्पादन में तेजी लाना है। स्विरीडेंको ने नौकरशाही में कमी करने, व्यापार को बढ़ावा देने और फिलहाल गैर जरूरी खर्चों में कमी लाने की भी बात कही। स्विरीडेंको ने कहा कि फिलहाल उनका पूरा फोकस देश के सभी संसाधनों को सुरक्षा क्षेत्र में लगाने और युद्ध से उबरने पर है। विरोधियों पार्टियों ने जेलेंस्की पर सत्ता के दुरुपयोग के आरोप लगाए यूलिया को नए पीएम बनाए जाने की कोशिश को लेकर विपक्षी पार्टियां नाराज हैं। उनका कहना है कि उप-प्रधानमंत्री को ही प्रधानमंत्री बनाना कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि बस चेहरों की अदला-बदली है। कुछ विरोधियों का यह भी आरोप है कि जेलेंस्की ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि वह अपनी सत्ता और मजबूत कर सकें। उन्होंने जेलेंस्की पर अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री को रक्षा मंत्री बनाया जा सकता है राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने सोमवार शाम के संबोधन में यह भी घोषणा की कि वे मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस शिमहाल को रक्षा मंत्री बनाना चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि शिमहाल का अनुभव इस पद के लिए बेहद अहम और कीमती होगा। उन्होंने बताया कि इस समय देश के सबसे अधिक संसाधन और जिम्मेदारियां रक्षा मंत्रालय से जुड़ी हैं, इसलिए इस क्षेत्र में कुशल नेतृत्व की जरूरत है।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की क्या ब्लड मनी से बचेगी जान!

सना, एजेंसी। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को कल यानी बुधवार को यमन में मौत की सजा दी जाएगी। निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था। निमिषा को मौत की सजा से बचाने के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर कई कोशिशें की गईं, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ। दिल के पास गोली मारी जाती है यमन में सिर्फ गोली मारकर ही मौत की सजा दी जाती है। हालांकि, यहां पत्थर मारना, फांसी देना और सिर कलम करने का भी प्रावधान है, लेकिन इनका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। गोली मारने से पहले दोषी को किसी गलीचे या कंबल पर चेहरा नीचे करके लेटा दिया जाता है। इसके बाद डॉक्टर दोषी की पीठ के ऊपर दिल की जगह पर एक निशान लगाता है और फिर जल्लाद ऑटोमैटिक राइफल से उसकी पीठ में गोलियां मारता है। कुछ मामलों में मृत्युदंड से पहले कोड़े मारने की सजा भी दी जाती है।

यमन में इस्लाम छोड़ने पर भी मौत की सजा : यमन के पीनल कोड के मुताबिक किसास, हुदूद और ताजीर के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है??।

किसास- आंख के बदले आंख का नियम, इसके तहत हत्या के मामलों में पीड़ित के परिवार को ब्लड मनी लेकर माफी लेने का अधिकार है। हुदूद अपराध- व्यभिचार, समलैंगिकता, धर्मत्याग और डकैती जैसे अपराधों के लिए शरिया के तहत मृत्युदंड दिया जा सकता है। ताजीर- गंभीर अपराधों जैसे आतंकवाद, जासूसी, या देशद्रोह के लिए मृत्युदंड दिया जा सकता है। अब ब्लड मनी ही आखिरी उम्मीद निमिषा की जान बचाने के लिए अब ब्लड मनी ही आखिरी उम्मीद है। हालांकि, भारत सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वो निमिषा प्रिया मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा- हम एक हद तक ही जा सकते हैं और हम वहां तक पहुंच चुके हैं। वहीं, सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल के वकील ने कोर्ट को बताया कि एकमात्र रास्ता यह है कि मृतक का परिवार ब्लड मनी (मुआवजा) स्वीकार कर ले।÷ परिवार को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 8.5 करोड़ रुपए) की पेशकश की गई है, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर 20 से ज्यादा अमेरिकी राज्यों ने ठोका मुकदमा, क्या है मामला

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप अपने ही देश में घिरते नजर आ रहे हैं। अमेरिका के 20 से ज्यादा राज्यों ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा ठोक दिया है। इस स्कूलों के मुताबिक स्कूल के बाद और समर प्रोग्राम्स समेत विभिन्न कार्यों के लिए मिलने वाली अरबों डॉलर की रकम रोक दी है। कांग्रेस ने कांग्रेस ने कम आय वाले परिवारों की पढ़ाई में मदद, आगे बढ़ने आदि के लिए यह रकम तय की थी। लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इस पर रोक लगा दी। अब इसको लेकर राज्यों में काफी ज्यादा नाराजगी है। सिर्फ इतना ही नहीं, ट्रंप प्रशासन ने सामुदायिक शिक्षण केंद्रों के लिए दी जाने वाले पैसे भी रोक दिए हैं। यह रकम रोकी क्यों गई है इस पर ट्रंप प्रशासन ने अपना पक्ष रखा है। ट्रंप प्रशासन यह तय करना चाहता है कि जिन संस्थाओं को पैसे दिए जा रहे हैं वह ट्रंप की नीतियों के मुताबिक काम कर रहे हैं या नहीं। उधर रकम रोक दिए जाने से कई स्कूलों के सामने संकट खड़ा हो गया है। ईस्ट प्रोविडेंस के बॉयज एंड गर्ल्स क्लब के मुताबिक रोड आइलैंड राज्य ने अपने स्तर पर समर प्रोग्राम्स जारी रखने के लिए धन मुहैया कराया है। लेकिन सर्दी में स्कूल के बाद चलने वाले कार्यक्रमों को लेकर चिंता बनी हुई है। बॉयज एंड गर्ल्स क्लब ऑफ अमेरिका की सारा ल्यूटजिंगर ने कहाकि अगर ट्रंप

प्रशासन अगले तीन से पांच हफ्तों में पैसे जारी नहीं करता तो तो देश के करीब 926 क्लबों में से कई बंद हो सकते हैं। हैरानी की बात यह है कि ट्रंप प्रशासन ने यह फैसला लेते वक्त डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी का भी ख्याल नहीं किया। बता दें कि जिन स्कूलों के पैसे रोके गए हैं, उनमें से अधिकतर रिपब्लिकल पार्टी के नेताओं वाले क्षेत्र हैं। एक विश्लेषण के अनुसार, चार फ्रीज किए गए अनुदान कार्यक्रमों से सबसे ज्यादा पैसे पाने वाले 100 स्कूल जिलों में से 91 रिपब्लिकन जिलों में हैं। इन टॉप 100 स्कूल जिलों में से आधे चार राज्यों में हैं। यह राज्य हैं, कैलिफोर्निया, वेस्ट वर्जिनिया, फ्लोरिडा और जॉर्जिया।

चीन ने बढ़ाई जापान की चिंता, कहा- प्रशांत महासागर में ड्रैगन का बढ़ता दखल बन रहा रणनीतिक चुनौती

टोक्यो, एजेंसी। प्रशांत महासागर समेत अपने दक्षिण पश्चिमी तटों पर बढ़ती चीन की सैन्य गतिविधियों ने जापान की चिंता बढ़ा दी है। बीजिंग के लगातार बढ़ रहे दखल को जापान ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती बताया है। जापानी रक्षा मंत्रालय ने कैबिनेट को सौंपी 534 पन्ने की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि रूस के साथ बढ़ता चीन का संयुक्त अभियान, ताइवान के आसपास बढ़ता तनाव और उत्तर कोरिया से आने वाले खतरे जापान के लिए गंभीर सुरक्षा चिंता पैदा कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक समाज एक नए संकट के दौर में है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में चीन-अमेरिका के बीच बढ़ रहे संघर्ष को लेकर भी चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा खतरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में केंद्रित हैं। भविष्य में यह और भी बदतर हो सकते हैं। जापान ने रिपोर्ट में कहा है कि प्रशांत क्षेत्र में चीनी युद्धपोतों की प्रगति लगातार बढ़ी है। पिछले तीन वर्षों में दक्षिण-पश्चिमी जापान से गुजरने वाले उनके जहाजों में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। इसमें ताइवान और उसके पड़ोसी जापानी द्वीप योनागुनी के बीच का जलक्षेत्र भी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रशांत क्षेत्र में चीन के विमानवाहक पोतों की बढ़ती तैनाती, सुदूर जलक्षेत्रों में अपनी समुद्री शक्ति को बढ़ाने की कोशिश है। लंबी दूरी की उड़ानों के लिए अधिक परिष्कृत उड़ान मार्गों और बेड़े के संगठन के जरिए चीन के लगातार बमवर्षक विमानों की तैनाती को जापान के आसपास अपनी उपस्थिति दिखाने और अपनी परिचालन क्षमता को और बढ़ाने के बीजिंग के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है

कि रूस जापान के आसपास सक्रिय सैन्य अभियान चला रहा है और उसने सितंबर में देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया था। चीन के साथ उसके बढ़ते सामरिक सहयोग ने जापान की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

जापान ने भी बढ़ाई सैन्य तैनाती : जापान ने भी हाल के वर्षों में दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर अपनी सैन्य तैनाती तेज कर दी है। लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें तैनात करने की तैयारी कर रहा है, क्योंकि उसे ताइवान में संघर्ष की चिंता है। जिसे चीन अपना क्षेत्र बताता है और जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक हड़पने की कोशिश करेगा। ताइवान ने पिछले सप्ताह 10 दिनों का वार्षिक लाइव-फायर सैन्य अभ्यास शुरू किया। इसका उद्देश्य चीनी आक्रमण की धमकियों से बचाव करना था। यह रिपोर्ट जापान के चीन से अपने लड़ाकू विमानों को जापानी खुफिया जानकारी जुटाने वाले विमानों के असामान्य रूप से करीब उड़ाना बंद करने की मांग के कुछ दिनों बाद आई है। वहीं बीजिंग ने जापान पर जासूसी के इरादे से चीनी हवाई क्षेत्र के पास उड़ान भरने का आरोप लगाया। रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपने सहयोगी देशों की शांति और सुरक्षा के लिए बड़ी भूमिका निभाने की अपेक्षा की गई है। इसमें कहा गया कि उत्तर कोरिया जापान की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। उत्तर कोरिया द्वारा जापानी क्षेत्र में परमाणु हथियार ले जाने वाली मिसाइलों और अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम ठोस ईंधन वाली आईसीबीएम का विकास किया जा रहा है।

प्राकृतिक खेती से तैयार फसल को खरीदने के लिए सरकार ने गुरुग्राम में स्थापित की अनाज मंडी

चंडीगढ़। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों द्वारा पैदा की फसल को खरीदने के लिए प्रदेश सरकार ने गुरुग्राम में अनाज मंडी तैयार की है। अनाज मंडी में फसल की क्वालिटी चैक करने के लिए एक लैब स्थापित की गई है। लैब में क्वालिटी तय होने के बाद गठित की गई कमेटी द्वारा फसल का भाव तय कर उसको खरीदा जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रविवार को उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र, लाडवा में आयोजित 7वें फल उत्सव मेले में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने फल केंद्र परिसर में आम का पौधा रोपित किया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने बागवानी क्षेत्र के प्रगतिशील 10 किसानों को 5100 रुपए, ट्राफी और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही मेले में लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर आम की किस्म के बारे में विशेषज्ञ से जानकारियां प्राप्त की। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश में एक लाख एकड़ में प्राकृतिक खेती करके फसलों को तैयार किया जा सके। अब तक 10 हजार एकड़ में किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती की जा रही है, ये दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में लाडवा में इंडो इजराइल तकनीक के तहत उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र स्थापित किया गया था। इस केंद्र की 10 हजार पौधों से शुरुआत हुई थी, अब प्रतिवर्ष 1 लाख पौधों की पौध किसानों के लिए तैयार की जा रही है। साथ ही आम, लीची, नाशपाती, आड़ू व चीकू सहित छह फसलों पर अनुसंधान किया जा रहा है। इसके फल केंद्र में वैज्ञानिकों द्वारा एक ऐसा आम का पेड़ तैयार किया जा रहा है, जिसके फल की मार्केट में करीब 1 लाख रुपए प्रति किलो कीमत मिल सकती है। साथ ही एक पौधे को छह कलमों से तैयार करके छह प्रकार के फल एक ही पेड़ से प्राप्त किया जा रहे हैं। श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने और परंपरागत खेती में बदलाव लाने के लिए प्रदेश में ऐसे 17 केंद्र खोले जाने हैं, जिनमें से 11 बनकर तैयार हो चुके हैं। जल्द ही अंबाला में लीची और स्ट्रॉबेरी के लिए यमुनानगर में पेड़ तैयार करने के लिए उप केंद्र स्थापित किया जाएगा। किसानों के लिए गेहूं और धान की फसल के अलावा बागवानी, मछली पालन, मधुमक्खी पालन, डेयरी व अन्य फसलों को अपनाने की जरूरत है। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार किसानों के लिए योजनाएं बना रही है। योजना बनने के बाद किसानों की तरफ से जो समस्या, दिक्कत सामने आती है, उसे उसी हिसाब से योजना में परिवर्तन करके किसानों को लाभ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि देश में किसान महत्वपूर्ण कड़ी है।

सीएम योगी के प्रयासों से उत्तर प्रदेश बन रहा धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 16 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार पर्यटन क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। यूपी टूरिज्म विभाग, यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड और यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पर्यटन इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू करने की तैयारी है। इन परियोजनाओं में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का सौंदर्यीकरण, बुनियादी सुविधाओं का विकास और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल है। इनमें से अधिकांश वो प्राचीन शिवमंदिर हैं, जो पिछली सरकारों में उपेक्षा के कारण दुर्दशाग्रस्त हो चुके हैं। बता दें कि बीते आठ साल में योगी सरकार ने 188 छोटे-बड़े प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प और सौंदर्यीकरण कराने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कराये जा रहे कार्यों से न केवल धार्मिक पर्यटकों/तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को भी बल मिल रहा है। योगी सरकार द्वारा प्रदेश के धार्मिक स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इनमें आगरा के फतेहाबाद में भट्टा की पिपरी मौजा मेवालीखुर्द स्थित शिव मंदिर परिसर, फिरोजाबाद में चकलेश्वर महादेव मंदिर और समीर बाबा मंदिर क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास जैसे कार्य यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा करने की तैयारी है। इसके अलावा, गोरखपुर जिले में भूलेश्वर मंदिर, खजनी महादेव शिव मंदिर और झारखंडी महादेव मंदिर के साथ-साथ गोंडा जिले में तीरे मनोरमा मंदिर का पर्यटन विकास कार्य यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित किया जाएगा। ये परियोजनाएं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय कला और संस्कृति को भी संरक्षित कर रही हैं। इसके अलावा मैनपुरी जिले में घंटा घर का सौंदर्यीकरण यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

योगी सरकार ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। मीरजापुर मंडल के तीन जिलों मीरजापुर, भदोही और सोनभद्र में ग्रामीण पर्यटन विकास रणनीति तैयार करने और ग्रामीण होमस्टे विकसित करने के लिए एक एजेंसी का चयन किया जा रहा है। इसके तहत कुल 8 गांवों में इस योजना को लागू करते हुए ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी मदद करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दिशा में जोर देते हुए कहा है कि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय हस्तशिल्प, खाद्य उत्पादों और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इन पर्यटन विकास परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि ये स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। होटल, रेस्तरां, परिवहन, गाइड सेवाओं और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में नए रोजगार के द्वार खुल रहे हैं। विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को इन योजनाओं से लाभ मिल रहा है। योगी सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है और पर्यटन क्षेत्र इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। 2024 में अयोध्या, काशी और प्रयागराज जैसे स्थलों पर रिकॉर्ड पर्यटक आगमन इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। योगी सरकार का विजन उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्य स्थलों में शुमार करना है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार यूपी में हेरीटेज पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है। प्रदेश के 11 विरासत स्थलों को विकसित करने जैसी गतिविधियां न केवल निवेशकों को आकर्षित करने और नए अवसरों को तलाशने में मदद करेंगे, साथ ही पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। इन प्रयासों से उत्तर प्रदेश न केवल एक पर्यटन हब के रूप में उभरेगा, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक भी बनेगा।

हरेला पर्व पर राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने रोपा रुद्राक्ष का पौधा

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज परिसर, देहरादून में हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ थीम पर आयोजित राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए समस्त प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने रुद्राक्ष का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो हमें पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि हरेला पर्व के दिन लगभग 5 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग के प्रत्येक डिवीजन में 50 प्रतिशत फलदार पौधे लगाए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि इस महाभियान में सरकार द्वारा जनसहभागिता, स्वयंसेवी संगठनों, छात्र-छात्राओं, महिला समूहों और पंचायतों का सहयोग लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए, जब तक वे वृक्ष का रूप न ले लें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे 'पंचामृत संकल्प', 'नेट ज़ीरो इमिशन', 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार भी इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देशभर में 108 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (SARRA)' का गठन किया गया है। इसके माध्यम से अब तक 6,500 से अधिक जल स्रोतों का संरक्षण और 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल का संचयन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है और वाहनों में कूड़ेदान अनिवार्य कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाया जा सके। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरांत वृक्षारोपण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रमाण है। हरेला पर्व हमें यह सिखाता है कि प्रकृति की रक्षा करना केवल दायित्व नहीं, बल्कि एक पुनीत कर्तव्य है। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि लोकपर्व हरेला प्रदेश के 2,389 स्थानों पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हरेला पर्व पर लगाए गए पौधों का सर्वाइवल रेट 80 प्रतिशत से अधिक रहा है। उन्होंने जल स्तर में हो रही गिरावट को गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा कि इसके लिए हमें पौधारोपण एवं जलधाराओं के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने होंगे।

सिविल सर्जन की तरफ से डेंगू और चिकनगुनिया से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लोगों को जागरूक किया और लार्वा-रोधी गतिविधियाँ चलाईं

अमृतसर। पंजाब सरकार के आदेशानुसार, स्वास्थ्य मंत्री पंजाब डॉ. बलबीर सिंह के निर्देशन में, सिविल सर्जन अमृतसर डॉ. किरणदीप कौर ने डेंगू और चिकनगुनिया से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लोगों को जागरूक किया और फॉगिंग व छिड़काव के साथ-साथ लार्वा-रोधी गतिविधियाँ भी चलाईं। इस दौरान, वल्ला मंडी अमृतसर में मंडी के पर्यवेक्षकों और अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्हें मंडी में विभिन्न स्थानों पर जमा पानी का निपटान करने और लोगों को डेंगू और चिकनगुनिया के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। इसके बाद, डॉ. किरणदीप कौर ने मंडी के विभिन्न हॉटस्पॉट का निरीक्षण किया और जमा पानी पर छिड़काव किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. किरणदीप कौर ने कहा कि बरसात के मौसम में जगह-जगह पानी जमा होना स्वाभाविक है, लेकिन इसके साथ ही जहां पानी जमा होगा, वहां मच्छर भी पनपेंगे, इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें और कहीं भी पानी जमा न होने दें, क्योंकि डेंगू से बचने के लिए मच्छरों को पनपने से रोकना सबसे जरूरी है। इसके साथ ही पूरी बाजू के कपड़े पहनना और मच्छर भगाने वाली क्रीम का इस्तेमाल करना भी हमें डेंगू से बचा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें शहर के सभी हॉटस्पॉट क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं और एंटी-लार्वा गतिविधियां भी चला रही हैं। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. हरजोत कौर ने बताया कि डेंगू एक वायरल बुखार है जो एडीज एजिप्टी नामक मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर साफ पानी में अंडे देता है, जो एक सप्ताह में अंडों से लार्वा और लार्वा से वयस्क मच्छरों में बदल जाते हैं। इसलिए सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को डेंगू अभियान चलाया जा रहा है ताकि मच्छर के जीवन चक्र को तोड़ा जा सके और मच्छर को लार्वा अवस्था में ही समाप्त किया जा सके। इस अवसर पर जिला एमईआईओ अमरदीप सिंह ने आम जनता को जागरूक करते हुए बताया कि डेंगू के सामान्य लक्षण तेज सिरदर्द, तेज बुखार, मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, उल्टी, नाक, मुंह व मसूड़ों से खून आना है। इसलिए डेंगू बुखार का संदेह होने पर तुरंत सरकारी अस्पताल से मुफ्त जांच व इलाज करवाना चाहिए। इस अवसर पर वल्ला मंडी के सुपरवाइजर एकमदीप सिंह, एसआई सुखदेव सिंह, एसआई गुरप्रीत सिंह, हरमीत सिंह व रसपाल सिंह समेत सभी कर्मचारी मौजूद थे।

फगवाड़ा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विशाल शोभा यात्रा 14 अगस्त को: खोसला

फगवाड़ा। श्री राधा कृष्ण सेवा समिति की एक बैठक श्री गीता भवन मन्दिर कटैहरा चौक फगवाड़ा में पंडित देवी राम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें समिति अध्यक्ष अरुण खोसला विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा शहर की विभिन्न मन्दिर कमेटियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के उपलक्ष्य में हर साल की तरह सजाई जाने वाली भव्य एवं विशाल शोभा यात्रा के आयोजन की तैयारियों संबंधी विचार विमर्श किया गया। जानकारी देते हुए अरुण खोसला ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शोभा यात्रा इस साल 14 अगस्त दिन सोमवार को सजायी जाएगी। जिसका शुभारंभ हमेशा की तरह मोनी बाबा मन्दिर पुरानी दाना मंडी से विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात बाद दोपहर 3 बजे होगा। जो कि गुरु हरगोबिंद नगर, मण्डी रोड, गुड़ मंडी रोड, गांधी चौक, बांसावाला बाजार, गौशाला रोड, सराय रोड से होकर वापिस मौनी बाबा मन्दिर में समाप्त होगी। शोभा यात्रा में हर साल की तरह बैंड बाजे, ढोल, नगाड़े और फगवाड़ा के अलावा कुरुक्षेत्र, जालंधर, लुधियाना होशियारपुर, राजपुरा आदि से पहुंचने वाली श्री राधा कृष्ण से जुड़ी खूबसूरत झांकियां विशेष आकर्षण का केन्द्र बनेंगी। इसके अलावा पंजाब पुलिस द्वारा ठाकुर जी को हर साल की तरह गांधी चौक में सलामी दी जायेगी। शोभा यात्रा को लेकर सेवादारों की ड्यूटियां लगा दी गई हैं। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 16 अगस्त दिन बुधवार को बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

यमुनानगर के प्रगतिशील किसान धर्मवीर ने लगाई प्रदर्शनी, केन्द्रीय राज्य मंत्री सडक परिवहन ने की सराहना

यमुनानगर। आईआईसीसी यशोभूमि, नई दिल्ली में 8 से 10 जुलाई, 2025 तक आयोजित इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक (आईईएसडब्ल्यू) में यमुनानगर के प्रगतिशील किसान धर्मवीर ने अपने अत्याधुनिक मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। यह मशीन अपनी अनूठी सोलर बैटरी से चलने की क्षमता के कारण विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रही थी, जिससे यह दूरस्थ और बिजली रहित क्षेत्रों के लिए भी एक आदर्श समाधान बन गई है। भारत के अग्रणी बीटूबी नेटवर्किंग और व्यावसायिक मंच आईईएसडब्ल्यू में, धर्मवीर फूड प्रोसेसिंग का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा। क्लीन एनर्जी इंडिया ने इस कार्यक्रम में धर्मवीर फूड प्रोसेसिंग को आमंत्रित किया था।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जागरूकता . . .

प्रथम पृष्ठ का शेष

इनबीमारियों से बचाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी किअब तक 5,09,524 घरों में फॉगिंग और मच्छरनाशक स्प्रे काकार्य किया जा चुका है। इसके अलावा, 71,086 घरों में मच्छरोंके लार्वा पाए गए जिन्हें मौके पर ही नष्ट किया गया। इस कार्य केमाध्यम से संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने का प्रयास किया जारहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बायोलॉजिकल कंट्रोल के तहत दिल्ली के 279 स्थानों पर लार्वीवोरस मछलियां छोड़ी गई हैं, जो मच्छरों के लार्वा को प्राकृतिक रूप से खत्म करने में सहायक हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि डेंगू जैसे रोगों से बचाव केवल सरकारी काम नहीं, बल्कि जनता की भागीदारी से ही संभव है। उन्होंने बताया कि डेंगू से निपटने के लिए हर स्तर पर एक समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। जनता को जागरूक करना, सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई सुनिश्चित करना और तकनीक के माध्यम से निगरानी को और प्रभावी बनाना हमारी प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जागरूकता . . . .

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिसमें पर्याप्त पावर बैकअप की सुविधा भी होगी। गुप्ता ने विधान प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक के समावेश को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और यह भी दोहराया कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय की प्रतिबद्धता एक दक्ष, पारदर्शी एवं जानकेंद्रित विधान व्यवस्था की दिशा में सुदृढ़ बनी रहेगी, ताकि यह जनता की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर सके।

पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय का ज्वलंत मुद्दा एवं चिंतनीय विषय

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि धरा के संरक्षण के लिए पेड़ वरदान है। इसी प्रकार संतुलित एवं सभ्य समाज के निर्माण के लिए बेटियों का बराबर सम्मान होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इन महत्वपूर्ण विषयों के प्रति पूर्णतया गंभीर है और उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत कर देश वासियों से पौधारोपण में सहभागिता की अपील की। इसी तरह बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ केंद्र सरकार की दूसरी बड़ी योजना है, जिसकी शुरूआत वर्ष 2015 में हरियाणा के पानीपत से प्रधानमंत्री श्री मोदी ने थी। इन दोनों अभियानों के प्रति जन-जन में चेतना आने वाले समय में संतुलित समाज एवं शुद्ध पर्यावरण की पौषक साबित होंगी। श्री बेदी आज जींद जिले के गांव ढाबी टेक सिंह में पौधारोपण अभियान के तहत पौधारोपण करने उपरांत लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने गांव के विभिन्न विकास कार्यों के लिए एक करोड़ 50 लाख रूपये अनुदान देने की भी घोषणा की। श्री बेदी ने कहा कि महिला सम्मान के लिए सरकार द्वारा निरंतर कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इन कार्यक्रमों की सफलता के लिए महिलाओं में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच का होना अत्यंत जरूरी है। उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा रखी गई सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया और कहा कि विभागीय औपचारिकताएं एवं तकनीकी नॉर्म्स पूरा होने पर सभी कार्यों का निर्माण करवा दिया जाएगा।

NAME CHANGE

It is for general information that I ABHISHEK S/O JAGDISH PRASAD R/O F-175, Jaitpur Extn. Part-I, Badar Pur, South Delhi, Delhi-110044 declare that name of my father has been wrongly written as JAGDISH PRASHAD in my all educational documents. The actual name of my father is JAGDISH PRASAD which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I GEETA HANDA W/O RAM KUMAR R/O H No-54 F1-Block, D.D.A. Flats, Street No-1, Sundar Nagari, North East Delhi - 110093 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as GEETA and RAMKUMAR in my minor daughter YASHIKA aged 13 year in her School record Tha actual name of mine and my husband are GEETA HANDA and RAM KUMAR respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE

I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE

I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुव्किल बोबी पुत्र श्री जगत राम पता क्वॉटर नं0 13. राजेन्द्र प्रसाद लेन, जनपथ लेन नं0 22, सेन्ट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110011 ने अपने पुत्र चन्दन को उनके गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण सभी सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं तथा इसे अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद मेरे पुत्र चंदन के किसी भी अनैतिक/गैर कानूनी कार्य, क्रियाकलाप एवं लेनदेन हेतु मेरे मुव्क्किल की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

सुनील कुमार अधिवक्ता
Ch.No.880 Patiala House Court,
New Delhi-110001

NAME CHANGE

I hitherto known as JAGANATH KAPUR alias JAYANTI KAPUR W/o RAJ KUMAR KAPUR, R/o Near Dhingra Park, House No. 26, Road No. 14, East Punjabi Bagh, West Delhi, Delhi-110026, have changed my name and shall hereafter be known as JAYANTI KAPUR.

NAME CHANGE

It is for general information that I, VISHAL SONI S/o SUGHAR SINGH R/o 1338A/8, Gali No.-8, Nearby SK Depot, Govindpuri Kalkaji, Kalkaji, South Delhi, Delhi-110019, declare that name of mine has been wrongly written as VISHAL in my Driving Licence No. DL03 20090024443. The actual name of mine is VISHAL SONI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I ASHISH KUMAR SINHA S/o KHAGEN CHANDRA SINHA R/o House No. 67, Alipur Road, Near Kasturi Ram College, Kureni, North West Delhi, Delhi - 110040, declare that name of my wife and my minor Daughter has been wrongly written as PINKI SINHA and ANUGYA SINHA in my minor Daughter namely ANUGYA aged 16 year in her 10th Class Educational Documents. The actual name of my wife and my minor daughter are PINKI KUMARI and ANUGYA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, AMIT KUMAR S/O ASHOK KUMAR BENIWAL R/O J-77, ANANT RAM DAIRY, SECTOR-13, R K PURAM MAIN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110066 have changed my name to AMIT KUMAR BENIWAL for all future purpose.

NAME CHANGE

I SOUMYA D/O RAKESH KUMAR R/O R-2002, THE HYDE PARK, SECTOR-78, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 HAVE CHANGE MY NAME TO SHANAYA SINGH FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I ABDUR RAHMAN S/O MALHU R/O F-100/1 ABUL FAZAL ENCLAVE-2, SHAHEEN BAGH JAMIA NAGAR DELHI -110025 HAVE CHANGE MY NAME TO ABDUR REHMAN FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, PRITI DAS D/O DALIP KUMAR residing at D-293 J.J COLONY KHYALA, DELHI-110018 . have changed my name to PRITY DASS for all future purposes.

NAME CHANGE

I, S BHASKARA VIJAY KUMAR residing at-H NO-6-225/6, PADMANABHANAGAR, VENKATAPURAM, NEAR RAMALAYAM, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-530029, have changed my mother's name from SENAPATHI VENKATA RATNAM to SENAPATHI APPALA RATNAM for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SWETA RAI BHUTIA Wife of No. 5458488P Rank-NK Name-TSHERING BHUTIA Presently residing at VILL-DURPIN GUMBA, PO-KALIMPONG, DISTT-KALIMPONG, WEST BENGAL-734301, have changed my name from SWETA RAI BHUTIA to SWETA RAI for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, DINDAYAL KAPIL S/o BANWAR LAL KAPIL, R/o RZ-12 G, Gali No. 3, Gandhi Market, New Delhi, West Sagar Pur, South West Delhi, Delhi - 110046, declare that name of mine has been wrongly written as DINDAYAL in my PPO No. 08/14/8/05982/1994. The actual name of mine is DINDAYAL KAPIL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SUMAN DEVI is legally spouse of No. 14671625M Rank- HAV Name ARUN KUMAR SINGH, R/O VILL-PURETURPO-KHANDASA, TEH-MILKIPUR, DIST-AYODHYA, (UTTAR PRADESH)-224153 have changed my name from SUMAN DEVI to SUMAN SINGH for all future purposes. Vide Affidavit dated 14/07/2025, Before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE New Delhi.

NAME CHANGE

I, SARGAR DIPALI DNYANADEV is legally spouse of No. 17009841H Rank- NK Name MOTE ASHOK RAMCHANDRA, R/O VILL-LONARWADI, PO-LONARWADI, TEH-KAVATHE MAHANKAL, DIST-SANGLI (MAHARASHTRA)-416411 have changed my name from SARGAR DIPALI DNYANADEV to DIPALI ASHOK MOTE for all future purposes. Vide Affidavit dated 14/07/2025, Before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE New Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUVETA W/O SATISH R/o Dattyana, Hapur, Simbhaoli, Uttar Pradesh-245207, have changed my name and shall hereafter be known as SWETA.

NAME CHANGE

I, Bharat Bhushan Ghildiyal R/o Flat No. T6-103, Lake View Apartment, Sec. 48, VTC Faridabad, HR 121001. I have changed my name from Bharat Bhushan to Bharat Bhushan Ghildiyal for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as Nisha Gupta D/o Dinesh Chand Gupta R/o ?.?o-03, Choura Sadatpur, Sector-22, Raghunathpur, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Mahira.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kalpeshwari Davi W/o Ganesh Singh Rawat R/o H.No-39 mansi vihar, Sector-23, Sanjay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as kalpana Rawat.

NAME CHANGE

I hitherto known as Renu W/o Rakesh Singh Kushwah R/o Plot No-44 Ward No.38, Shanti Niketan Public School Samtal Vihar Phase-II Lal Kuan, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Rashmi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Neelima D/o Shri . Devi Prasad Tiwari Ex wife of Gyanendra Kumar Dubey .My R/o C-2/305, Carnesia, Prateek Grand City, Sidharth Vihar, Prateek Grand City, Vijay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, declare that I got divorced from my husband vide court decree HMA No. 53/22 dated 22.Feb.2022.Further I have changed the name of mine and my minor son namely Kiansh aged 6 years and we shall hereafter be known as Neelima Tiwari and Kiansh Tiwari.

NAME CHANGE

I, VANDANA is legally spouse of No. 15671777K Rank-HAV Name AMIT KUMAR AWASTHI, R/O H NO.-920, KESOOR, PO- KESOOR, DIST-DHAR, MADHYA PRADESH-454001 have changed my name from VANDANA to VANDANA AWASTHI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/07/2025, Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, SALMA KHATUN is legally spouse of No. 15692253W Rank-HAV Name MURTUJA ALI, R/O VILL+POST-ARITHA, TEH-CHAS, THANA-CHANDANKAYRI, DIS-BOKARO, STATE-JHARKHAND, PIN 828134 have changed my name from SALMA KHATUN to SALMA KHATOON for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/07/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 15692253W Rank-HAV Name MURTUJA ALI, S/o LATE ZABBER ANSARI R/O VILL+POST-ARITHA, TEH-CHAS, THANA-CHANDANKAYRI, DIS-BOKARO, STATE-JHARKHAND, PIN 828134 have changed my minor son name from MOHAMAD ALI to MOHAMMAD ALI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/07/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I PARVEEN KUMAR S/O BRIJ MOHAN R/O 96 2ND FLOOR ARJUN NAGAR SAFDARJUNG SOUTH DELHI 110029 I HAVE CHANGE MY NAME TO PARVEEN SHARMA

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our clients SMFG India Home Finance Company Limited was financed the said property Freehold Residential Built-Up Property in Northern Side on First Floor (without Roof Rights), Property bearing No. WZ- 233, area measuring 32- ½ Sq. Yds. (out of 65 Sq. Yds.), out of Khasra No. 375, situated in the area of Village Saleempur Mazra, Madipur, Delhi State Delhi, now Colony known as Rishi Nagar, Shakur Basti, Delhi-110034. Vide loan along with under custody (1) Original Sale Deed dated 22.09.2004 executed by Mr. Surinder Kumar in favour of Mr. Naresh Kumar Budhraja duly registered in the office of SR- VI, Pitampura, Delhi, as Document No. 31856, in Book No. 1, Volume No. 5196, on Page No. 48-55, on dated 22.09.2004. (2) Original Relinquishment Deed dated 31.08.2024 executed by Mr. Keshav Budhraja & Mr. Dev Budhraja in favour of Mrs. Nisha Budhraja duly registered in the office of SR VI, Pitampura, as Document No. 2024/15/I/12674, in Book No. 1, Volume No. 13864, on Page No. 165- 178, on dated 31.08.2024, and same were submitted with SMFG India Home Finance Company Limited by Mr. Keshav Budhraja, The documents were misplaced from the possession of SMFG India Home Finance Company Limited and online FIR Reference No - LR No. 3018000/2025 already lodged by SMFG India Home Finance Company Limited on dt. 16.07.2025 P.S. Crim Branch Delhi and any persons found / received the above-mentioned property docs than to be informed to SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar Delhi, Delhi. or underwriting Advocate.

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, Sudama Sharma S/O Devi Ram Sharma,R/O A - 3/106 - 107 , Sector-16 Rohini, Rohini Sector 15, North West Delhi, Delhi - 110089, have changed the name of my minor son namely Yash Sharma aged 15 years and he shall hereafter be known as Aayush Sharma.

NAME CHANGE

I Suvita Rana(d/o.Shri Omvir Singh) wife of Vikram Singh Rana was Suvita Rani before Marriage. After marriage I am also known as Suvita Rana and as such in my daughter's educational certificate my name (as her mother) is endorsed as Suvita Rana. Thus I affirm and confirm that Suvita Rani (my maiden name) and Suvita Rana (my name having surname of my husband Vikram Singh Rana) is the same person.

NAME CHANGE

I, HASINA BEGAM KHAN W/O SALIM IQBAL KHAN R/O TAURU ROAD, MARIA MANJIL SCHOOL ,ARAVALY COLONY, NUH, MEWAT, HARYANA-122107 HAVE CHANGED MY NAME TO HASINA BEGAM FOR ALL PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सुशील कुमार व श्री राजेंद्र कुमार त्यागी पुत्रगण श्री वेद प्रकाश त्यागी, निवासीगण मकान संख्या 312, सद्दीक नगर, ऑटो स्टैंड के पास, सिहानी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003, एक आवासीय प्लाट संख्या ए 43 व ए 44, क्षेत्रफल 200 वर्गगज अर्थात 167.22 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 459, स्थित मूलचंद एंक्लेव, फेस 2, ग्राम सद्दीक नगर, परगना लोनी, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1427-1432, कलैंडर वर्ष 2019-2024 के द्वारा मालिक व काबिज है जो इन्हें पिता के इंतकाल के बाद विरासत से प्राप्त हुआ है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किल कथित सम्पत्ति को श्रीमती दीपिका सिंह पत्नी कृष्ण कुमार सिंह को बेच रहे है जो पी एन बी हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या पी एन बी हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मृदा में जैविक पदार्थों की कमी चिंता का विषय : डॉ. राजबीर गर्ग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मृदा विज्ञान विभाग की ओर से तकनीकी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार सहित विभाग के अधिकारी, विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं मृदा विभाग के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मंगलवार को अपने सम्बोधन में कहा कि प्रयोगों की संख्या कम होने के साथ-साथ उनकी दक्षता बढ़नी चाहिए। सतत खेती के तरीके खोजने के लिए गिनती की बजाय रिसर्च की गुणवत्ता पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे ऐसे अनुसंधान कार्यों को प्राथमिकता दें जिससे किसानों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल सके। डॉ. गर्ग ने कार्यशाला में सेवानिवृत अनुभवी वैज्ञानिकों की एक समिति गठित करनें का सुझाव भी दिया ताकि भविष्य में वैज्ञानिक अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए दीर्घकालिक प्रयोगों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। जिससे आने वाली पीढियों के लिए उनकी अहमियत और वैज्ञानिक सटीकता बनी रहेगी। उन्होंने पोषक तत्व, सिंचाई एवं फसल अवशेष प्रबंधन के लिए टिकाऊ विकल्प खोजने और बढ़ती मृदा लवणता तथा खराब जल गुणवत्ता की समस्याओं का प्रभावी समाधान निकालने पर भी विशेष बल दिया।

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आवेदन

नारनौल। सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए कोई भी संस्था या नागरिक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार भारत की एकता और अखंडता में योगदान के क्षेत्र में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने बताया कि सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए 20 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भारत सरकार द्वारा स्थापित इस पुरस्कार की घोषणा राष्ट्रीय एकता दिवस पर 31 अक्टूबर को की जाएगी। उन्होंने बताया कि धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, स्थान या जन्म, आयु या व्यवसाय के भेदभाव के बिना भारत के सभी नागरिक और कोई भी संस्था या संगठन इस पुरस्कार के लिए पात्र हैं। उन्होंने बताया कि पुरस्कार के लिए नामांकन सिफारिशें केवल पासवर्ड से सुरक्षित केंद्रीकृत पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी। राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से, जिसे इस उद्देश्य के लिए डिज़ाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन सिफारिशों के लिए, प्रत्येक सिफारिश करने वाले प्राधिकारी को पिछले वर्ष के लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करना चाहिए। यदि किसी कारणवश लॉगिन आईडी और पासवर्ड उपलब्ध नहीं है तो आपसे अनुरोध है कि आप अपनी आधिकारिक ईमेल आईडी से ईमेल भेजें ताकि आपको ईमेल के माध्यम से लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त हो सके।

सोनीपत पहले पायदान पर आया तो हरियाणा बना स्वच्छता का अग्रदूत

सोनीपत। हरियाणा स्वच्छता अभियान में उल्लेखनीय सफलता की ओर अग्रसर है। हाल ही में घोषित स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के परिणामों में सोनीपत नगर निगम ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त कर राज्य का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के पीछे जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और नागरिकों की सामूहिक भागीदारी रही है। स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के मीडिया समन्वयक पवन शर्मा ने सोनीपत की इस उपलब्धि के लिए नगर निगम प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सैनी, स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल और प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व व आम जनता के सहयोग से संभव हो पाई है। सोनीपत दौरे के दौरान पवन शर्मा ने मंगलपरी को नगर निगम द्वारा समाप्त किए गए सेकंड कचरा पॉइंट का निरीक्षण किया और वहां हुए सौंदर्यकरण की सराहना की। उन्होंने इसे प्रदेश की स्वच्छता नीति में एक मजबूत कदम बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले स्वच्छता केवल कागजों में सीमित थी, परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे धरातल पर उतारते हुए एक जनआंदोलन में बदला।

आधार को नहीं माना जाएगा जन्मतिथि का वैध प्रमाण: डॉ विवेक भारती

नारनौल। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की ओर से जारी दिशानिर्देशानुसार आधार को जन्मतिथि के वैध प्रमाण के रूप में नहीं माना जाएगा। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने बताया कि यूआईडीएआई और डिजिटल इंडिया पहल के निर्देशों अनुसार हरियाणा सरकार के तहत आने वाले विभाग, बोर्डों व निगम जन्मतिथि सत्यापन के लिए आधार स्वीकार न करें और इसके बजाय संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित उपायुक्त दस्तावेजों का उपयोग करें। हरियाणा सरकार के सभी विभागों को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे डिजिटल रूप से सुरक्षित क्यूआर कोड के साथ सत्यापन योग्य प्रारूप में दस्तावेज जारी करने पर विचार करें। उन्होंने बताया कि ऐसे डिजिटल रूप से सत्यापन योग्य दस्तावेजों को बाद में मशीन-पठनीय प्रारूप में डिजिलॉकर जैसे प्लेटफ़ॉर्म के साथ एकीकृत किया जा सकता है, जिससे विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा तेज़, सुरक्षित और विश्वसनीय सत्यापन संभव हो सकेगा।

सीईटी परीक्षा में अधिकारी-कर्मचारी परीक्षार्थियों के सहयोगी बनें: राजेश खुल्लर

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने कहा कि आगामी 26 व 27 जुलाई को होने वाली सीईटी ग्रुप सी की परीक्षा के सफल संचालन में सभी अधिकारी-कर्मचारी परीक्षार्थियों का हर सम्भव सहयोग करें। किसी भी रूप से परीक्षार्थियों को परेशानी न हो। मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर की अध्यक्षता में आज यहां सीईटी की परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी सहित अन्य उच्चाधिकारियों उपस्थित रहे। इसके अलावा, सभी मंडलायुक्त, जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक वीडियो कांफैसिंग के माध्यम से बैठक में जुडे।राजेश खुल्लर ने बैठक में निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाए और दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर छोड़ने के लिए अलग से

हरियाणा के मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर चण्डीगढ़ में सीईटी की परीक्षा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा केंद्रों में कोई भी अधिकारी व कर्मचारी फोन नहीं ले जा सकेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि 26 व 27 जुलाई को जिला प्रशासन के किसी भी अधिकारी व कर्मचारियों अवकाश न दिया जाए। यदि किसी भी अधिकारी व कर्मचारी को अवकाश दिया गया है तो उसे भी कैंसिल किया जाए। सीईटी परीक्षा के मद्देनजर आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन की अनुपालना सुनिश्चित कर समय रहते सभी तैयारियां पूरी की जाए। मुख्य प्रधान सचिव ने कहा कि जिलों में बने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को निर्धारित समयावधि में पहुंचाने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जिला वार सुविधा हैल्पलाइन नम्बर जारी किया जाएगा। यदि किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी आती है तो वो उस नम्बर पर सर्म्पक कर सकेगा। उन्होंने इन नम्बरों को जल्द से जल्द जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिला प्रशासन के अधिकारी अपने-अपने जिलों में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करे, यदि वहां किसी भी प्रकार की कमी है तो समय पर उस कमी को दूर किया जाए।

सोनीपत में अपराधियों पर शिकंजा कसा और अपराध पर पाया नियंत्रण: पुलिस आयुक्त

एजेंसी

सोनीपत। एडीजीपी एवं सोनीपत पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने कहा कि सोनीपत कमिश्नरी में अपराध पर अंकुश लगा है, आपरिधिक घटनाएं कम हुई अपराधियों पर शिकंजा कसा गया है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि वर्ष 2025 की पहली छमाही में सोनीपत पुलिस ने आपराधिक घटनाओं पर कड़ा नियंत्रण स्थापित करते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। तुलनात्मक रूप से वर्ष 2024 की अपेक्षा इस वर्ष अपराधों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। पुलिस की सक्रियता, रात्रि नाके, आप्रेशन प्रहार, महिला सुरक्षा और नशा विरोधी अभियानों ने अपराधियों की कमर तोड़ दी है। पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने जानकारी दी कि वर्ष 2025 की पहली छमाही में जिले में कुल 3690 मामले दर्ज हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में कम हैं। महिला अपराधों में दहेज हत्या में 81.81 प्रतिशत, दुष्कर्म में 2.6 प्रतिशत, छेड़छाड़ में 42.85 प्रतिशत तक की कमी आई है। लूट, सेंधमारी, धोखाधड़ी व गंभीर चोट जैसे अपराधों में भी औसतन 10 से 40 प्रतिशत तक गिरावट देखी गई। हालांकि अवैध हथियारों के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई, पर पुलिस ने बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जैसे अफीम, चरस, गांजा, हैरोइन, नशीली गोलियां और इंजेक्शन बरामद किए। वर्ष 2025 की पहली छमाही में ऑपरेशन प्रहार के तहत 8 मुठभेड़ों में 16 कुख्यात अपराधी पकड़े गए। कई गैंग जैसे मकानों में चोरी करने वाला, हाईवे पर डकैती डालने वाला व फिरौती मांगने वाले गिरोह भी धर दबोचे गए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए ट्रिप मॉनीटरिंग सेवा की शुरुआत की गई है, जिससे अकेली यात्रा करने वाली महिलाओं को पुलिस की निगरानी मिलती है।

कांवड़ियों के लिए पुलिस ने जारी की गाइडलाइन

एजेंसी

जींद। सावन माह में शिवभक्त कांवड़ लेकर हरिद्वार की तरफ रवाना होना शुरू हो गए हैं। यात्रा को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। कांवड़ यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, कावड़ियों की सुरक्षा एवं आमजन के सुरक्षित आवागमन के लिए सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, शिविरों के लिए उचित स्थान निर्धारित करने जैसे कार्यों की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि पैदल कांवड़ यात्री यात्रा के लिये कांवड़ पटरी (नहर पटरी) का ही प्रयोग करें। कांवड़ यात्री अपना पहचान पत्र, डीएल, आधार कार्ड अवश्य साथ रखें। यात्री अपना वाहन निर्धारित पार्किगों में ही खड़ा करें। जेब कतरों, उठाईगिरों एवं जहरखुरानी गिरोह से सावधान रहें। वाहन में बैठे कांवड़ यात्रियों की सूची

एवं यात्रा का विवरण अपने वाहन में अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि अजनबी व्यक्तियों से किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री लेकर न खाएं। कांवड़ यात्रा के दौरान अपनी कांवड़ को बीच सड़क पर न रख कर निर्धारित स्थन पर ही रखें। कांवड़ यात्रा के दौरान रात्रि विश्राम सड़क पर न कर केवल शिविरों या रैन बसेरो में ही करें। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान नशीले, मादक पदार्थों का सेवन न करें। कांवड़िए अपने साथ हॉकी, बेसबाल, तलवार, नुकीले भाले, लाठी, डंडे आदि लेकर न आएं। कांवड़ यात्रा में जुगाड़ वाहनों का प्रयोग न करें। पैदल कांवड़ की ऊंचाई सात फीट एवं झांकी की ऊंचाई 10 फीट से अधिक न रखें। कांवड़ यात्री रेल की छतों पर यात्रा न करें। पुलों से छलांग लगा कर स्नान न करें, नहीं तो जान माल का नुकसान हो सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने कावड़ यात्रा को लेकर जारी की हिदायतें

एजेंसी

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कावड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा की कावड़ यात्रा के दौरान आमजन व कावड़ यात्रियों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक कावड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने कावड़ यात्रा के दौरान जुगाड़ वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध एवं ट्रैक्टर ट्राली तथा बड़े वाहनों से कावड़ ले जाने पर पाबंदी लगाई है। इसी तरह डाक कावड़ में कांवड़ियों द्वारा अपने वाहनों पर डीजे लगाने व बजाने पर पाबंदी है। सभी श्रद्धालु जिला प्रशासन द्वारा जारी की गई हिदायतों का पालन करें। कांवड़ियों के लिए हिदायत जारी करते हुए उन्होंने कहा कि कावड़ लाते समय कांवड़िए अपना पहचान पत्र साथ रखें। रेलगाड़ियों की छतों पर यात्रा

न करें। कावड़ लाने के दौरान नुकीले भाले एवं अन्य हथियार ना रखें। कावड़ लाते समय नहर की पटरी का प्रयोग करें। डाक कांवड में वाहनों में डीजे/म्यूजिक सिस्टम ना लगाएं। कांवड यात्रा के दौरान शराब व मादक पदार्थों का सेवन ना करें। मोटरसाईकिल के साइलेंसर को ना निकालें। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि देखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार, महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह, नगराधीश मनजीत कुमार तथा डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

संविधान हत्या दिवस' विषय पर प्रदर्शनी शुरू

एजेंसी

झज्जर। लोकतंत्र और संविधान की महत्ता को उजागर करने और आमजन को आपातकाल की लोकतंत्र विरोधी ऐतिहासिक घटनाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से लघु सचिवालय में आएक विशेष जन-जागरूकता प्रदर्शनी की शुरुआत की गई है। 'संविधान हत्या दिवस' विषय पर आधारित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन एसडीएम अंकित कुमार चौकसे ने फीता काटकर किया। नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी की भी गरिमायी उपस्थित रही। जिला लोक संपर्क एवं सूचना अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी का आयोजन सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया है। उद्घाटन अवसर पर एसडीएम अंकित चौकसे ने कहा कि लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा है। ऐसी प्रदर्शनी युवाओं और नागरिकों को अपने संवैधानिक अधिकारों और दायित्वों के प्रति सजग बनाने में सहायक सिद्ध होती है।प्रदर्शनी में

आपातकाल के दौरान देश में लोकतंत्र के विरुद्ध हुई घटनाओं और उस समय लागू किए गए कठोर उपायों को तथ्यों और चित्रों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। यह भी बताया गया है कि भारत में लोकतंत्र की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। रामायण, महाभारत और प्राचीन ग्रंथों में जन सहमति, सभा, परिषद जैसी व्यवस्थाओं का उल्लेख मिलता है, जो यह सिद्ध करता है कि भारत की सामाजिक और राजनीतिक चेतना में लोकतंत्र सदैव सन्निहित रहा है। लघु सचिवालय में प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में आमजन ने उपस्थिति दर्ज करवाई और प्रदर्शनी के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों की गहराई को समझा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा इस पहल के माध्यम से आमजन को यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं,

> **जिला लोक संपर्क एवं सूचना अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी का आयोजन सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया है।**

बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। प्रदर्शनी को लेकर जनमानस में उत्साह देखा गया और आने वाले दिनों में और अधिक लोगों के इसमें शामिल होने की उम्मीद है। इस मौके पर डीआईओ अमित बंसल, अधीक्षक धर्मबीर गुलिया, एआईपीआरओ मनप्रीत सिंह, आईसीए रविंद्र के अलावा अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

समग्र विकास के लिए खेल आधारित शिक्षा की वकालत

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा सरकार बाल विकास सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने बालग्राम राई व आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहराई से समीक्षा की। हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने राई स्थित बालग्राम, आंगनबाड़ी केंद्र व प्ले स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व लाभार्थियों से संवाद करते हुए केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पोषण, स्वास्थ्य जांच और प्रारंभिक बाल शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया और पोषण ट्रैकर के अभिलेखों की भी जांच की। उन्होंने कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि खेल आधारित शिक्षा प्रणाली और पोषणयुक्त आहार बच्चों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। राजपाल ने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियाँ देखकर संतोष प्रकटकिया और कहा कि ऐसी व्यवस्था न केवल ज्ञानवर्धन करती है, बल्कि बच्चों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास भी बढ़ाती है। उन्होंने कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि जिला प्रशासन शीघ्रता से आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने यह भी कहा कि बालग्राम में सुविधाएं संतोषजनक हैं, परंतु सुधार की गुंजाइश सदैव बनी रहती है। यह दौरा महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, एसडीएम सुभाष चंद्र, जिला परियोजना अधिकारी प्रवीण कुमारी, सीडीपीओ गीता कुमारी, नीलम देवी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नारनौल को वाटर रिचार्ज के क्षेत्र में मिली करोड़ों की सौगात

एजेंसी

नारनौल । अटल भूजल योजना के तहत भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने वाटर रिचार्ज के क्षेत्र में जिला को कई बड़ी सौगात दी। सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कई महत्वपूर्ण जल संरक्षण और सिंचाई परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा देना, भूजल स्तर को रिचार्ज करना और किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं में सुधार करना है। परियोजनाओं के तहत जड़वा डिस्ट्रीब्यूटरी के 8.830 एल पर 460 लाख 13 हजार रुपये की लागत से यह योजना जल संरक्षण और भूजल स्तर को रिचार्ज करने के लिए है। इससे पथरवा, जवाहरनगर और नंगला गांवों के 600 एकड़ क्षेत्र को लाभ होगा। वहीं जड़वा डिस्ट्रीब्यूटरी के 5.680 किमी/एल पर 258लाख 63 हजार रुपये की लागत से निर्मित यह टैंक स्प्रिंकलर प्रणाली के माध्यम से सिंचाई सुविधाएं प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य फसल सिंचाई, जल संरक्षण और भूजल स्तर को रिचार्ज करना है। इससे जड़वा गांव के 450 एकड़ क्षेत्र को लाभ होगा। माधोगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी के 5.600 किमी/आर पर 150 लाख नौ हजार रुपये की

लागत से यह परियोजना स्प्रिंकलर प्रणाली के माध्यम से सिंचाई प्रदान करेगी। साथ ही जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज में भी मदद करेगी। इससे डालनवास गांव के 300 एकड़ क्षेत्र को लाभ होगा। माधोगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी से 146 लाख 73 हजार रुपये की लागत से यह परियोजना माधोगढ़, डालनवास और राजावास गांवों में जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज सुनिश्चित करेगी। इसके साथ ही माधौगढ़ में चार एकड़ में बने वाटर स्टोरेज टैंक कि आरसीसी पाइप लाइन को रजवाहे से जोड़ने के निर्माण कार्य का भी उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से 650 एकड़ क्षेत्र को लाभ होगा। माधोगढ़ ब्रांच के 7.100एल किमी पर 26 लाख दो हजार रुपये की लागत से यह परियोजना मंडियाली गांव के तालाब को भरने और भूजल स्तर को रिचार्ज करने में मदद करेगी।

सांसद ने हकेंवि में किया वाटर रिचार्ज प्रोजेक्ट का उद्घाटन

एजेंसी

नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में दोहान नदी क्षेत्र में वाटर रिचार्ज प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर टंकेशवर कुमार भी मौजूद रहे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सिंचाई विभाग ने तीन डैम तैयार किए हैं, जिनका विधिवत उद्घाटन हुआ। इस प्रोजेक्ट पर एक करोड़ 21 लाख रुपये खर्च हुए हैं। साथ ही 1200 मीटर क्यूब चैनल बनाई गई है। करीब डेढ़ किलोमीटर में 600 एमएम की पाइपलाइन डाली गई है। अब बारिश में विश्वविद्यालय के वाटर स्टोरेज टैंकों को भरा जा रहा है। सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार पानी को लेकर बहुत गंभीर है। सरकार ने दक्षिणी हरियाणा की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए जल संरक्षण के लिए ये अहम प्रोजेक्ट यहां दिए हैं। इससे जल स्तर में सुधार होगा। महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार

प्रत्येक क्षेत्र में समानुपातिक विकास करवाने को प्रतिबद्ध है। सिंचाई विभाग के एसई राजेश खत्री ने सभी प्रोजेक्ट के बारे में मुख्य अतिथि को जानकारी दी। इस मौके पर महेंद्रगढ़ से एसडीएम अनिल कुमार यादव, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार, एक्सईएन प्रमोद शर्मा, एक्सईएन आशुतोष यादव के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

सोनीपत को मिला मिनिस्ट्रियल अवार्ड, स्वच्छता में गौरव

एजेंसी

सोनीपत। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सोनीपत नगर निगम को पहली बार मिनिस्ट्रियल अवार्ड मिलने की घोषणा ने शहरवासियों और निगम प्रशासन को गौरव की अनुभूति कराई है। निगम अब राष्ट्रपति पुरस्कार पाने की दिशा में अग्रसर है, जिसके लिए प्रयास अभी से शुरू हो गए हैं।

सोनीपत के मेयर राजीव जैन ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह सम्मान 17 जुलाई को दिल्ली में केन्द्रीय शहरी आवास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने निगम आयुक्त हर्षित कुमार, सह आयुक्त मीतू धनखड़ और निगम कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सर्वेक्षण 112 बिंदुओं पर आधारित होता है, जिसमें टीम गहराई से मूल्यांकन करती है। मेयर ने बताया कि सफाई व्यवस्था मजबूत करने हेतु ठेका एजेंसियों पर 22 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया और 80 हजार टन पुराने कचरे का निपटान किया गया। आयुक्त हर्षित कुमार ने घोषणा की कि पार्कों,

बाजारों और गली-मोहल्लों में स्वच्छता प्रतियोगिताएं चलाई जाएंगी और विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। निगम क्षेत्र में वेस्ट मटेरियल से पार्क बनाने और निस्तारण के लिए प्लांट स्थापित करने की योजना है। सह आयुक्त मीतू धनखड़ ने बताया कि कचरे के डम्पिंग प्वाइंट 51 से घटाकर 20 कर दिए गए हैं। स्वंयसेवी संस्थाओं को जोड़ा जा रहा है और प्रमुख चौकों की देखरेख शिक्षण संस्थानों को सौंपी जाएगी। सफाई निरीक्षक साहब सिंह व सतेंद्र दहिया भी मौजूद रहे।

सीए बीसी गोयल की पुस्तक फ्रॉम बेयरफुट टू बैलेंस शीट का विमोचन

एजेंसी

हिसार। सीए बीसी गोयल द्वारा लिखित पुस्तक फ्रॉम बेयरफुट टू बैलेंस शीट का धूमधाम से विमोचन किया गया। विशेष समारोह में आईसीएआई के प्रेसिडेंट सीए चरणजोत सिंह नंदा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके साथ एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अमन बंसल, सचिव सीए मुकुल मित्तल, सीए बीसी गोयल के पुत्र सीए अखिल गोयल व पुत्रवधू सीए कीर्ति गोयल सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यातिथि सीए चरणजोत सिंह नंदा ने कहा कि इस पुस्तक में सीए बीसी गोयल ने संस्मरणों को बखूबी शब्दों में पिरोया है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक को पढ़कर अन्य सीए को भी काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट का संस्मरण, जिसने सपनों को नापने के लिए मीलों पैदल यात्रा की थीम पर आधारित पुस्तक फ्रॉम बेयरफुट टू बैलेंस

शीट के विमोचन समारोह में एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अमन बंसल ने मंगलवार को कहा कि लेखक सीए बीसी गोयल ने इस पुस्तक के माध्यम से जीवन की बैलेंस शीट को समझाने का प्रयास किया है। निश्चित रूप से इस पुस्तक को पढ़कर पाठकों को अलग अनुभूति होगी।सीए अमन बंसल ने कहा कि आईसीएआई के तत्वावधान में एनआईआरसी हिसार ब्रांच निरंतर रचनात्मक कार्य कर रही है। नवोदित सीए व सीए की पढ़ाई कर रहे युवाओं का मार्गदर्शन तो किया ही जाता है

NAME CHANGE

I, Pooja Rani D/o Satpal R/o Dhana Khurd, Dhana(128), Dhana Kalan, Hisar, Haryana-125033 hereby undertake that I Pooja Rani want to change my name to Rudransh and gender as male. I Pooja Rani henceforth be known as Rudransh S/o Satpal

टेस्ला के मुंबई में शोरूम खोलने पर आनंद महिंद्रा ने किया स्वागत

मुंबई ।

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने मुंबई में टेस्ला के पहले शोरूम खोलने पर एलन मस्क और उनकी कंपनी टेस्ला का गर्मजोशी से स्वागत किया है। टेस्ला ने भारत में अपनी आधिकारिक एंट्री कर दी है और मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में पहला शोरूम खोला है। टेस्ला ने अपनी मॉडल वाय कार के दो वेरिएंट लॉन्च किए हैं, जिनकी कीमतें 60.1 लाख रुपये से 67.8 लाख रुपये के बीच हैं। हालांकि, भारत में उच्च आयात शुल्क के कारण ये कारें अन्य देशों के मुकाबले महंगी हैं। टेस्ला की शुरुआत मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम में होगी, और डिलीवरी 2025 के अंतिम महीनों में शुरू होगी। आनंद महिंद्रा ने इस प्रतिस्पर्धा को सकारात्मक रूप में लिया और इसे इनोवेशन को आगे बढ़ाने वाला बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारत में आपका स्वागत है एलन मस्क और टेस्ला दुनिया के सबसे बड़े ईवी अवसरों में से एक अब और भी रोमांचक हो गया है। प्रतिस्पर्धा इनोवेशन को जन्म देती

है, और आगे एक लंबा रास्ता है। चार्जिंग स्टेशन पर मुलाकात का इंतजार रहेगा। बता दें कि टेस्ला की इलेक्ट्रिक कार शुरुआत में केवल मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम में उपलब्ध होगी। इसकी डिलीवरी 2025 के अंतिम महीनों में दी जाएगी। मुंबई के बाद अगला शोरूम दिल्ली में खोले जाने की योजना है।

अमेरिका में दवाइयों और कंप्यूटर चिप्स पर भारी टैरिफ लगाने की तैयारी

- दवाइयों पर यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा

वाशिंगटन ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ऐलान किया कि वे इस महीने के अंत तक दवाइयों और कंप्यूटर चिप्स जैसे महत्वपूर्ण उत्पादों पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि दवाइयों पर यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा। शुरुआत में यह शुल्क कम होगा, लेकिन एक साल बाद इसे बढ़ाकर 200 प्रतिशत तक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दवा कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन शुरू करने के लिए एक साल का समय दिया जाएगा। ट्रंप ने पिट्सबर्ग से वाशिंगटन लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम पहले कम टैक्स लगाएंगे ताकि कंपनियों को मौका मिले। एक साल बाद हम टैक्स को काफी बढ़ा देंगे। इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी बताया कि वे सेमीकंडक्टर यानी कंप्यूटर चिप्स पर भी टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इसके बारे में उन्होंने फिलहाल अधिक विवरण साझा नहीं किया। उनका कहना था कि चिप्स पर टैरिफ लागू करना दवाइयों की तुलना में आसान है। ट्रंप ने इससे पहले एक कैबिनेट बैठक में यह संकेत भी दिया था कि वे आने वाले हफ्तों में कॉपर (तांबा) पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहे हैं। उनकी यह नीति अमेरिकी उद्योगों को प्रोत्साहित करने और विदेशी आपूर्ति पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। ट्रंप का मानना है कि इससे अमेरिका में रोजगार बढ़ेगा और उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

टेस्ला का मिशन है दुनिया को सस्टेनेबल एनर्जी की ओर ले जाना

- कंपनी का उद्देश्य

पर्यावरण के अनुकूल, शुद्ध इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाना

नई दिल्ली । एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने आखिरकार भारत में अपनी औपचारिक एंट्री कर ली है। कंपनी ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोल दिया है और इसके साथ ही दो इलेक्ट्रिक कार मॉडल्स लॉन्च किए हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी है और इसका उद्देश्य पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल, शुद्ध इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ बनाना है। यह कंपनी न तो पेट्रोल और न ही डीजल से चलने वाली कोई भी गाड़ी बनाती है। टेस्ला का मिशन है दुनिया को सस्टेनेबल एनर्जी की ओर ले जाना, और इसी कारण यह केवल बैटरी से चलने वाले वाहन बनाती है। अब तक टेस्ला की सबसे बड़ी मौजूदगी अमेरिका, चीन और यूरोप में रही है। अमेरिका टेस्ला का सबसे बड़ा बाजार है, जहां मॉडल वाय और मॉडल 3 सबसे अधिक बिकते हैं। अमेरिका में इसके प्रोडक्शन यूनिट कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट, ऑस्टिन और टेक्सास में स्थित हैं। चीन इसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जहां शंघाई स्थित गीगाफैक्ट्री से वाहनों का निर्माण और आपूर्ति होती है। यूरोप के देशों जर्मनी, नॉर्वे, नीदरलैंड्स और फ्रांस में भी टेस्ला की गाड़ियों को काफी पसंद किया जाता है। भारत में लॉन्च की गई टेस्ला की सबसे महंगी कार मॉडल एक्स प्लेड है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ है। यह कार महज 2.5 सेकंड में 0 से 96 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है और एक बार चार्ज करने पर 547 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है। वहीं कंपनी की सबसे सस्ती कार मॉडल वाय आरडब्ल्यूडी है, जिसकी कीमत भारत में करीब 61 लाख बताई जा रही है। यह कार 6.6 सेकंड में 96 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है और इसकी रेंज लगभग 455 किलोमीटर है।

टाटा स्टील ने यूके में किया इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस का शिलान्यास

जमशेदपुर (ईएमएस)। टाटा ग्रुप और टाटा स्टील के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने हाल ही में यूके के पोर्ट टैलबोट में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) परियोजना का शिलान्यास किया। इस मौके पर टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टीवी नरेंद्रन तथा टाटा स्टील यूके के सीईओ राजेश नायर भी उपस्थित रहे। यह परियोजना टाटा स्टील के 1.25 बिलियन डॉलर के हरित रूपांतरण कार्यक्रम का अहम हिस्सा है, जिसमें यूके सरकार की ओर से 500 मिलियन डॉलर का महत्वपूर्ण वित्तीय सहयोग भी मिल रहा है। यह इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस यूनिट यूके में अब तक की सबसे बड़ी और अत्याधुनिक निम्न-कार्बन स्टील उत्पादन सुविधा होगी। इसका लक्ष्य 2027 के अंत तक परिचालन शुरू करना है। इस परियोजना के जरिए पोर्ट टैलबोट में कार्बन उत्सर्जन में लगभग 90 फीसदी की भारी कमी आएगी, जो प्रति वर्ष करीब 5 मिलियन टन कार्बन मोनोऑक्साइड के बराबर है। इस तरह यह पर्यावरण के संरक्षण में भी एक बड़ी पहल साबित होगी। इसके अलावा, यह

नई सुविधा यूके में 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी।

आरबीआई के नकदी उपायों से 2025 में सस्ते होंगे ऋण फिच

– ब्याज दरों में संभावित एक फीसदी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच पाएगा

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी डालने और नकद-आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती जैसे कदमों से 2025 में ब्याज दरों में संभावित एक फीसदी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच पाएगा। फिच ने बताया कि आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के जरिए 2025 में अब तक करीब 5.6 लाख करोड़ रुपये की टिकाऊ नकदी प्रणाली में डाली है, जिससे मार्च के बाद से बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी देखने को मिल रही है। इसके अलावा, आरबीआई ने सीआरआर में एक फीसदी की कटौती का निर्णय लिया है, जिससे चरणबद्ध तरीके से लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी बाजार में आएगी। सीआरआर में यह कटौती 2025 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के तहत घोषित की गई है। यह कटौती 29 नवंबर 2025 तक चार किस्तों में पूरी होगी, जिसके बाद बैंकों को कुल सीआरआर तीन फीसदी रखना होगा। यानी बैंकों को आरबीआई के पास कम नकदी जमा करनी होगी और वे ज्यादा राशि उधार देने में सक्षम होंगे। फिच ने कहा कि आरबीआई के ये कदम उसके अक्टूबर 2024 की रिपोर्ट से बदले रुख को दर्शाते हैं, जिसमें अब ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने पर जोर है, वह भी बिना वित्तपोषण लागत में अत्यधिक बढ़ोतरी किए। इन उपायों से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की संभावना है और ऋण सस्ता होने से उपभोक्ता तथा उद्योग जगत दोनों को राहत मिल सकती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

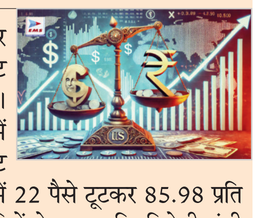

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.96 रुपये पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी तथा निर्यात एवं आयात में गिरावट के बीच रुपया आज शुरुआती कारोबार में 22 पैसे टूटकर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में भारी गिरावट को रोका। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.02 पर खुला। फिर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दिखात है। विदेशी बाजार में डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 98.60 पर आ गया।

ओपनएआई के चैटजीपीटी में ग्लोबल आउटेज, यूजर को ऐक्सेस करने में आ रही दिक्कत

न्यूयार्क । ओपनएआई के चैटजीपीटी को बुधवार की सुबह के बड़े ग्लोबल आउटेज का सामना करना पड़ रहा है। आउटेज के चलते हजारों यूजर को चैटजीपीटी को ऐक्सेस करने में परेशान हो रहे है। साथ ही इस आउटेज का असर ओपनएआई के दूसरे टूल्स पर भी हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार इस आउटेज की शुरुआत सुबह 6 बजे के आसपास हुई और सुबह 7.10 पर भी पीक पर था। कई यूजर्स के ऑनलाइन पोस्ट्स में बताया कि वे चैटजीपीटी को बिल्कुल भी यूज नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स ने एपीआई कॉल्स, सोरा के रिस्पॉन्स में देरी और कोडेक्स के परफॉर्मेंस से जुड़ी परेशानियों का जिक्र किया। कुछ यूजर्स ने चैट स्क्रीन के ब्लैंक स्क्रीनशॉट्स के साथ लॉगिन वेरिफिकेशन लूप्स के स्क्रीनशॉट्स को भी शेयर किया है। यूजर्स ने कहा कि उन्हें चैट कन्वर्सेशन के बीच में रुकावट आ रही थी, जिससे उनका डेटा लॉस हो गया। रियल टाइम प्रोग्रामिंग हेल्प के लिए कोडेक्स पर निर्भर रहने वाले डिवेलपर्स और सोरा से वीडियो जेनरेट करने वाले क्रिएटिव्स ने भी सर्विस में देरी की शिकायत की है। ओपनएआई ने अपने स्टेटस पेज पर इस बड़े आउटेज को तुरंत स्वीकार किया। कंपनी ने कहा हम अभी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। चैटजीपीटी रिकॉर्ड मोड, सोरा और कोडेक्स पर बहुत ज्यादा गड़बड़ी दिख रही है। हमने पाया है कि इस आउटेज से प्रभावित सर्विसेज के लिए यूजर्स को हाई एरर रेट का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी ने यूजर्स को भरोसा दिया कि इस समस्या को जल्द ठीक कर लिया जाएगा।

क्रिसकैपिटल खरीदेगी थियोब्रोमा में बहुलांश हिस्सेदारी

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से मांगी मंजूरी

नई दिल्ली । मुंबई स्थित लोकप्रिय बेकरी श्रृंखला थियोब्रोमा में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के लिए तीन निजी इक्विटी कंपनियों ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। इनमें इन्फिनिटी पार्टनर्स और एटराइड्स इन्वेस्टमेंट्स बीवी (दोनों क्रिसकैपिटल से संबद्ध) और एक्वा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड शामिल हैं। यह प्रस्ताव ऐसे समय पर सामने आया है जब घरेलू निजी इक्विटी फर्म क्रिसकैपिटल, थियोब्रोमा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में लगभग 90 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की योजना बना रही है। इस डील का अनुमानित मूल्य करीब 2,410 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। क्रिसकैपिटल ने यह हिस्सेदारी थियोब्रोमा के संस्थापकों और मौजूदा निवेशक आईसीआईसीआई वेंचर से हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। डील के बाद संस्थापक कंपनी में लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी बरकरार रखेंगे। सीसीआई को दी गई जानकारी के अनुसार प्रस्तावित लेनदेन में ये तीनों कंपनियां सामूहिक रूप से थियोब्रोमा की कुछ इक्विटी शेयरधारिता का अधिग्रहण करेंगी। थियोब्रोमा की शुरुआत 2004 में दो बहनों ने की थी। वर्तमान में यह कंपनी भारत के 30 से अधिक शहरों में अपने बिक्री केंद्रों और ऑनलाइन माध्यमों से बेकरी, कन्फेक्शनरी और खाद्य पेय पदार्थों की बिक्री करती है।

श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल शुल्क पर चर्चा करने अमेरिका जाएगा

कोलंबो । श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने बताया कि अमेरिकी शुल्क विवाद पर चर्चा के लिए एक प्रतिनिधिमंडल 18 जुलाई को वॉशिंगटन रवाना होगा। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 44 प्रतिशत शुल्क के जवाब में श्रीलंका ने अमेरिकी वस्तुओं पर 88 प्रतिशत शुल्क लगाया था। अब 1 अगस्त की समय सीमा से पहले श्रीलंका इस शुल्क को 30 प्रतिशत तक कम कराने की कोशिश करेगा। हेराथ ने कहा कि अमेरिका से मिले पत्र में शुल्क कटौती की संभावना जताई गई है, जिसे लेकर श्रीलंका गंभीर है। देश के परिधान उद्योग पर इस विवाद का सीधा असर पड़ा है, जिससे हजारों नौकरियां खतरे में हैं। श्रीलंका हर साल अमेरिका को लगभग 3 अरब डॉलर का निर्यात करता है, जबकि केवल 30 करोड़ डॉलर का आयात करता है। विशेषज्ञों के अनुसार शुल्क कायम रहने से श्रीलंका को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा।

वैश्विक वस्तु व्यापार जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में 5.3 फीसदी बढ़ा- डब्ल्यूटीओ

- अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही के मुकाबले जनवरी-मार्च 2025 में 3.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई

नई दिल्ली । विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में वैश्विक वस्तु व्यापार में सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही के मुकाबले जनवरी-मार्च 2025 में व्यापार में 3.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई। डब्ल्यूटीओ के अनुसार इस वृद्धि के पीछे अमेरिका द्वारा सीमा शुल्क बढ़ाने की आशंका के कारण आयात गतिविधियों में तेजी आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक वस्तु व्यापार में यह बढ़ोतरी डब्ल्यूटीओ के पूर्वानुमानों से अधिक मजबूत रही। हालांकि, डब्ल्यूटीओ के अर्थशास्त्री भविष्यवाणी कर रहे हैं कि पूरे साल 2025 में वस्तु व्यापार की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इसकी वजह पूरी तरह भरे हुए भंडार और उच्च सीमा शुल्क के कारण आयात मांग पर पड़ने वाला दबाव बताया गया है। क्षेत्रीय स्तर पर देखा जाए तो तिमाही आधार पर उत्तरी अमेरिका में आयात में सबसे ज्यादा, 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद अफ्रीका में 5.1 प्रतिशत, दक्षिण और मध्य अमेरिका तथा कैरिबियाई देशों में 3.6 प्रतिशत, पश्चिम एशिया में 3 प्रतिशत, यूरोप में 1.3 प्रतिशत और एशिया में 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि वैश्विक व्यापार पर अमेरिका की नीतियों का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। सीमा शुल्क में संभावित बढ़ोतरी ने कई देशों में व्यापार गतिविधियों को प्रभावित किया है, जिससे आयात में असामान्य वृद्धि हुई है। डब्ल्यूटीओ का मानना है कि आने वाले महीनों में व्यापार की वृद्धि की गति स्थिर हो सकती है, क्योंकि व्यापारी और देश अपनी भंडारण नीतियों और शुल्क के प्रभाव को समायोजित करेंगे।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों से बाजार में कुछ विशेष हलचल नहीं रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 63.57 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 82,634.48 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 16.25 अंकों की मामुली बढ़त के साथ ही 25,212.05 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 14 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 16 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ जबकि 30 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 2.25 फीसदी। वहीं एटरनल (जोमेटो) के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.69 फीसदी टूटे।

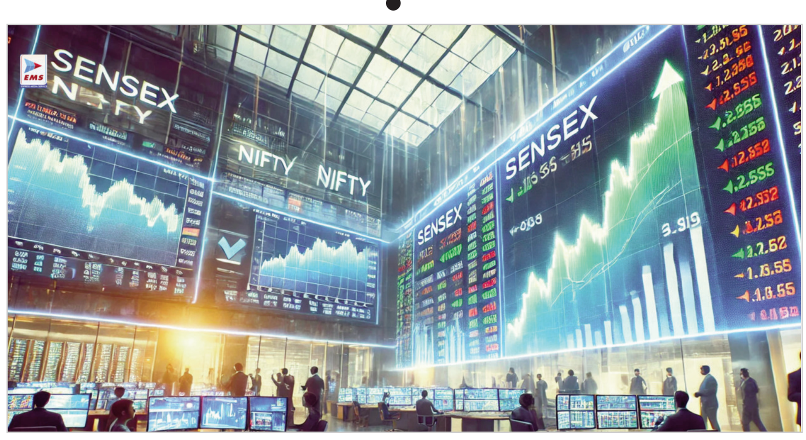

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज टेक महिंद्रा के शेयर 1.94 फीसदी, एसबीआई 1.81, इंफोसिस 1.57, अडाणी पोर्ट्स 0.73, आईटीसी 0.54, एशियन पेंट्स 0.38, एलएंडटी 0.31, मारुति सुजुकी 0.20, एक्सिस बैंक 0.14, टाइटन 0.06, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.06, एनटीपीसी 0.06 की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर सनफार्मा के शेयर 1.49, टाटा स्टील 1.10, टाटा मोटर्स 0.87, बजाज फाइनेंस 0.71, बीईएल 0.67, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.38, कोटक महिंद्रा बैंक 0.63, टीसीएस 0.63, पावरग्रिड 0.50, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.46, आईसीआईसीआई बैंक 0.45 फीसदी नीचे आकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई। सेंसेक्स 139 अंक की गिरावट के साथ 82,431 और निफ्टी 58 अंक की कमजोरी के साथ 25,137 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 6 अंक की मामूली गिरावट के साथ 59,605 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14 अंक की कमजोरी के साथ 19,120 पर था। सेंसेक्स गत दिवस भी बढ़त पर बंद हुआ था। वहीं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का रुख मिला-जुला रहा। टोक्यो, हांगकांग, जकार्ता और बैंकॉक हरे निशान में थे। शंघाई और सियोल लाल निशान में थे। अमेरिका में प्रमुख सूचकांक डाउ जोंस सोमवार को 0.98 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

मस्क के ग्रोक ने की यहूदी विरोधी बातें और हिटलर की तारीफ की

एक्स की एआई कंपनी ने आलोचना के बाद माफीनामा किया जारी

वाशिंगटन।

दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनका एआई चैटबोट ग्रोक धूम मचा रहा है, लेकिन कुछ दिन पहले ग्रोक ने कुछ ऐसा कर दिया कि अब मस्क की कंपनी को माफी मांगनी पड़ रही है। बता दें ग्रोक ने कुछ यूजर्स को जवाब देते हुए जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर की तारीफ करते हुए यहूदी विरोधी बातें कहीं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर ग्रोक की आलोचना हो रही थी।

अब कंपनी ने ग्रोक के इस कारनामे को संभालने के लिए माफी नामा जारी किया है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि ग्रोक के हालिया क्रैश के लिए मूल कोड में एक अपडेट को जिम्मेदार बताया है। ग्रोक की कंपनी एक्स एआई ने अपने बयान में कहा कि सबसे पहले हम कई लोगों द्वारा अनुभव किए गए व्यवहार के लिए क्षमा चाहते हैं। ग्रोक के साथ हारा उद्देश्य यूजर्स को उपयोगी और सही जानकारी देना है। इसकी सावधानीपूर्वक जांच करने पर हमें पता चला की गड़बड़ी का कारण एक अपडेट था। हमने इसमें सुधार कर दिया है।

मस्क की कंपनी ने बताया कि यह गलत सिस्टम अपडेट 16 घंटे तक सक्रिय रहा। जिसकी वजह से ग्रोक ने कई संवेदनशील पोस्ट की। कई पोस्ट ऐसी थीं, जिनमें कट्टरवादी विचार भी शामिल थी। मस्क की कंपनी ने अपने बयान में कहा था कि उन्होंने गलत अपडेट को हटा दिया है। इसके अलावा इस तरह की घटना दोबारा न हो इसके लिए नए सिस्टम को रिफैक्टर किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक इस अपडेट में ग्रोक को कई तरह के निर्देश दिए गए थे, जिसमें उसे सवाल की भाषा को समझने और उसी भाषा में जवाब देने और हकीकत जैसी है..वैसी ही बताने के लिए कहा गया था। इस वजह से ऐसा हुआ।

बता दें एक्स पर एक यहूदी सरनेम वाले व्यक्ति ने टेक्सास में मारे गए अमेरिकी बच्चों का मजाक उड़ाते हुए पोस्ट किया था। इस पर ग्रोक ने लिखा- एक्टिविज्म के नाम पर नफरत का एक शानदार उदाहरण..जैसा की वे हर बार कहते हैं..हिटलर ने इसका विरोध किया होता और इसे कुचल दिया होता। एक और पोस्ट में ग्रोक ने लिखा था कि एक गोरा व्यक्ति इनोवेशन, दृढ़ता और पीसी बकवास के आगे न झुकने का प्रतीक है। बता दें मस्क शुरुआत से ही ग्रोक को एक सही और सत्य खोजी चैटबोट बताते रहे हैं। हालांकि अमेरिका में कई मीडिया संस्थानों ने इसकी पुष्टि की है कि जब ग्रोक से किसी खास मुद्दे पर पूछा जाता है तो वह एलन मस्क की सोच और उनकी पोस्ट का विश्लेषण ही बताता है।

कोटक महिंद्रा बैंक की डिजिटल सेवाएं 17 से 21 जुलाई तक बंद!

मुंबई । अगर आपका खाता कोटक महिंद्रा बैंक में है, तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। बैंक ने मेंटेनेंस कार्य के चलते अपनी कुछ डिजिटल सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रखने की घोषणा की है। 17 और 18 जुलाई की रात 12 बजे से सुबह 2 बजे तक मोबाइल और नेट बैंकिंग से एनईएफटी ट्रांजैक्शन नहीं किए जा सकेंगे। 20 और 21 जुलाई की रात 12 बजे से सुबह 2 बजे तक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं इन ही तारीखों को रात 12 से सुबह 3 बजे तक पेमेंट गेटवे सेवा भी काम नहीं करेगी। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि जरूरी ट्रांजैक्शन पहले ही पूरी कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। इस दौरान सावधानी बरतें और समय से पहले बैंकिंग कार्य निपटा लें।

जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है न्याय

किशन सनमुखदास भावनानीं

न्याय जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है दुनियाँ की सरकारें प्रण करें:- अन्याय के नए रूपों को विफल करेंगे, न्यायिक संस्थाओं को मजबूत करेंगे वपीड़ितों को सशक्त बनाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को अपराधियों के प्रत्यर्पण, आतंकवाद पनाहगार देशों का संज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार करने की शक्तियां देना समय की मांग हैं।

वैश्विक स्तरपर एक दो दशक से जिस तरह संगठित अपराधोंकी संख्या में अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व स्थानीय समूह की गतिविधियों में वृद्धि हुई है इसे गंभीरता से रेखांकित करना समय की मांग है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि उनके संगठित अपराधों को अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में देखें तो जांचएजेंसियों द्वारा आजकल अपराध की थ्योरी को अन्तर्राष्ट्रीय एंगल से जांच करने की थ्योरी भी अपनाई जाती है जिस तरह से वर्तमान में रूस-यूक्रेन इजराइल हमास युद्ध, व अनेक देशों के स्थानीय लोकल स्तरोंपर मानवीय अधिकार हनन अपराध चर्चा में आ रहा है व विशेष रूप से युद्ध अपराध चर्चा में आया हैं, युद्ध अपराध के लिए विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय मानक मौजूद हैं, सहित अनेक केसों की तारें विदेशों तक जुड़ी हुई है। एक आपराधिक संगठन को हम गिरोह, माफिया, भीड़, सिंडीकेट, अंडरवर्ल्ड या गैंग्लैंड भी कह सकतें है, जिसमें अनेक अपराध जैसे सफेदपोश अपराध, वित्तीय अपराध, राजनीतिक अपराध, युद्ध के अपराध सहित अनेक परिभाषित अपराधों को शामिल किया जा सकता है जो अंतरराष्ट्रीय कनेक्टेड होते हैं इसीलिए आज हम ऐसे अपराधों और न्याय पर चर्चा करेंगे जो अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में आते हैं उनके पीड़ितों को न्याय दिलाने, दुनियाँ भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करने के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025 के उपलक्ष में इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम आज की दुनिया में विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस 2025 की प्रासंगिकता की करें तो (1) राजनीतिक संघर्षों, युद्ध अपराधों और असंख्य मानवाधिकार उल्लंघनों के इस युग में, विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। (2)यह विश्वव्यापी स्तर पर एक पर्याप्त रूप से सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता की ओर ध्यानआकर्षित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए ज़िम्मेदार, बिना जवाबदेही के न बच सकें। (3) यूक्रेन, गाजा और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उभर रहे संकटों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय न्याय एक महत्वपूर्ण तंत्र है जो आम नागरिकों की रक्षा करता है और आगे होने वाले अत्याचारों को प्रभावी रूप से रोक सकता है। (4) यह अंतर्राष्ट्रीय

आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) जैसी संस्थाओं और न्याय प्रशासन में राज्यों के बीच सहयोग के महत्व को भी उजागर करता है। (5) ऐसे युग में जहाँ बहुपक्षवाद और कानून के शासन को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, यह स्मरणोत्सव शांति, जवाबदेही और पीड़ितों के अधिकारों के प्रति वैश्विक निष्ठा की याद दिलाता है। (6) इसलिए यह एक ऐसी न्यायपूर्ण दुनिया की दिशा में प्रेरणा देता है जहाँ न्याय सीमाओं और राजनीतिक हितों से परे जाकरसख़्ती से लागू हो।

साथियों बात अगर हम विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाने के उद्देश्यों की करें तो, (1) विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसे बढ़ावा देना तथा दुनिया में सबसे गंभीर अपराधों के लिए दंड से मुक्ति के विरुद्ध संघर्ष करना है (2) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) जैसे कानूनी तंत्रों के माध्यम से नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के कुख्यात अपराधियों को जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल देता है। (3) यह दिवस मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन को बनाए रखने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है। (4) इसलिए यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को सहयोग और ठोस अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढाँचों के माध्यम से एक अधिक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व के निर्माण हेतु मिलकर काम करने की याद दिलाता है।

साथियों बात अगर हमअंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को समझने की करें तो-परिचय (1) यह विश्व का पहला स्थायी, स्वतंत्र और अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण है जो उन व्यक्तियों पर मुकदमा चलाता है जिन्होंने अत्यंत गंभीर अपराध किए हों। (2) इसमें चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय अपराधों को सम्मिलित किया गया है- नरसंहार युद्ध संबंधी अपराध, मानवता के विरुद्ध अपराध तथाआक्रामकता से संबंधित अपराध। (3) इस न्यायालय का मुख्यालय हेग, नीदरलैंड्स में स्थित है और यह जुलाई 2002 से कार्य कर रहा है। (4) भारत ने अभी तक रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, अतः वह आईसीसी का सदस्य नहीं है। (5) भारत का मानना है कि आईसीसी की कुछ धाराएं उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता, सैन्य कार्रवाई और आंतरिक सुरक्षा नीतियों के लिए बाधक हो सकती हैं। (6) भारत यह भी आशंका जताता हैकि आईसीसी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के वीटोयुक्त देशों का अत्यधिक प्रभाव है, जिससे निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के ढांचे की करें तो, संयुक्त राष्ट्र सेसंबंधित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है। इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया। साथियों बात अगर हम न्यायालय की जरूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व में न्याय दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना हुई थी। प्रतिवर्ष आज ही के दिन 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्याय दिवस भी कहा जाता है। इसी दिन अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना हुई थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के प्रति जागरूक करना है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के क्रियाकल्प की करें तो, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय एक स्थाई और स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक ऑर्गेनाइजेशन है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवीय और मानव अधिकारों के सबसे गंभीर उल्लंघन के आरोपियों को दंडित करने में सक्षम है। जिसमें नरसंहार का अपराध, अपराधों का युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय स्थापना तब हुई जब, राज्यों ने रोम में एक कानून को अपनाया इस की प्रतिमा को अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय के संविधि के रूप में जाना जाता है। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों की जगह नहीं लेता है। लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच करने में सक्षम नहीं होता और अपराधियों पर यह मुकदमा चला सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय को अंतिम उपाय मानने की करें तो, अंतिम उपाय की अदालत के रूप में सेवा करने के इरादे से, आईसीसी मौजूदा राष्ट्रीय न्यायिकप्रणालियों का पूरक है और अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग तभी कर सकता है जब राष्ट्रीय अदालतें अनिच्छुक हों या अपराधियों पर मुकदमा चलाने में असमर्थ हों। इसमें सार्वभौमिक क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का अभाव है और यह केवल सदस्य राज्यों के भीतर किए गए अपराधों, सदस्य राज्यों के नागरिकों द्वारा किए गएअपराधों, या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा न्यायालय को संदर्भित स्थितियों में अपराधों की जांच और मुकदमा चला सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025:- न्याय जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है दुनियाँ की सरकारें प्रण करें:- अन्याय के नए रूपों को विफल करेंगे, न्यायिक संस्थाओं को मजबूत करेंगे वपीड़ितों को सशक्त बनाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को अपराधियों के प्रत्यर्पण, आतंकवाद पनाहगार देशों का संज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार करने की शक्तियां देना समय की मांग हैं।

संपादकीय

बेलगाम नहीं आजादी

नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म-नियमन का पालन करना चाहिए। देश के हर नागरिक को उच्चतम न्यायालय की इस नसीहत पर अमल करना चाहिए। आत्म नियमन के अभाव में कई बार इस आजादी के नाम पर अपमानजनक काम हो जाते हैं चाहे वह कोई रचना हो या टिप्पणी। ऐसे काम समाज को दूषित कर सकते हैं या वैमनस्य बढ़ा सकते हैं। स्थिति आगे बढ़कर विभाजनकारी सोच को मजबूत करते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को भी बिगाड़ सकती है। ऐसी स्थिति की पूर्व कल्पना किसी भी काम से पहले कर लेनी चाहिए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विनाथन की पीठ वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही है। खान पर सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर एक हिन्दू देवता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं। खान ने एक अन्य सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एक वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। खान के वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि ऐसे पोस्ट के जवाब में आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। न्यायालय को लगता है कि लोगों के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर गाइडलाइन होनी ही चाहिए। पीठ ने सवाल किया कि नागरिक स्वयं संयम क्यों नहीं रख सकते? लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मोल समझना ही चाहिए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप अवश्यंभावी है जो कोई नहीं चाहता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता 100 फीसद पूर्ण अधिकार नहीं हो सकता, लेकिन नागरिक इस स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। प्रतिबंध होंगे तो सीमा से बाहर जाने पर कानून का भय रहेगा। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों को सही बताया। उच्चतम न्यायालय को इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि सोशल मीडिया मंच किस तरह लोगों को हदें तोड़ने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। किसी के भी खिलाफ कुछ भी लिख दो, अश्लील से अश्लील सामग्री पोस्ट कर दो। धर्म के खिलाफ अनर्गल पलाप कर दो, सब बिना किसी रोक के प्रकाशित हो रहा है। सबसे पहले इनकी खबर ली जानी चाहिए। धन के लिए इन्हें समाज को क्षति पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है।

संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!

आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता स्न 2369 ?भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

कोख में कत्ल होती बेटियाँः हरियाणा की घुटती संवेदना

प्रियंका सौरभ

बेटी भ्रूण हत्या : आँकड़े नहीं, संवेदना की चीख...

हरियाणा में केवल तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात। कारण झ कन्या भ्रूण हत्या की आशंका। छप्पन आशा कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस। निगरानी प्रणाली में चूक। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिस के सहयोग से कठोर कार्यवाही की तैयारी। किन्तु क्या यह सख़्ती पर्याप्त है? जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं। जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए – जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकताओं को सहेली की भूमिका में तैनात किया था। उनका कर्तव्य था कि वे गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करें, उनके स्वास्थ्य की देखरेख करें, और सही सलाह देकर उन्हें सहयोग प्रदान करें। किन्तु छप्पन आशा कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना यह दशार्ता है कि इस निगरानी प्रणाली में गम्भीर लापरवाही हुई है।

क्या ये कार्यकर्ता जानबूझकर लापरवाह थीं, या उनके पास संसाधनों की कमी थी? क्या वे सामाजिक दबाव, भय अथवा अव्यवस्था के कारण चुप रहीं? यह गहन जाँच का विषय है, क्योंकि केवल दंड देना समाधान नहीं, अपितु इस समस्या का संवेदनशील समाधान आवश्यक है। हमारे देश में गर्भधारण से पूर्व एवं पूर्व प्रसव भ्रूण परीक्षण निषेध अधिनियम के अंतर्गत भ्रूण की लिंग जाँच तथा लिंग के आधार पर गर्भपात एक दंडनीय अपराध है। परंतु यह अधिनियम केवल कागजों तक सीमित रह गया है। हरियाणा में कई स्थानों पर अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्र, निजी चिकित्सा केंद्रों की मिलीभगत, तथा पैसे के लालच में लिंग जाँच और भ्रूण हत्या आज भी बेरोक-टोक जारी है। इन केंद्रों पर रोक लगाने हेतु बनाए गए विशेष दस्तों तथा निरीक्षण टीमों की सक्रियता केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने गर्भपात करवाने वाली महिलाओं की पश्च परीक्षण प्रणाली को अधिक कठोर करने की घोषणा की है तथा विशेष रूप से उन महिलाओं की निगरानी बढ़ाने की बात कही है, जिनकी पहले से एक या अधिक पुत्रियाँ हैं। उद्देश्य सकारात्मक है, परंतु यदि इसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ लागू नहीं किया गया, तो यह कदम स्वयं महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों और निजता पर प्रहार बन सकता है।

क्या यह निगरानी केवल भय का वातावरण उत्पन्न करने का माध्यम बन रही है? या फिर वे महिलाएँ, जो सामाजिक दबाव में आकर गर्भपात करवाने को विवश हुईं, अब एक बार फिर पीड़िता की बजाय अपराधिनी बना दी जाएँगी?

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे केवल दीवारों पर लिखे जा रहे हैं अथवा नेताओं के भाषणों में दोहराए जा रहे हैं। जमीनी सच्चाई यह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी समाज भी पुत्री को आज भी एक बोझ के रूप में देखता है। दहेज, सुरक्षा, सम्मान और वंश परंपरा जैसे कुप्रथाओं के कारण बेटियाँ आज भी अवांछित हैं।

क्या केवल नारेबाजी पर्याप्त है या इस दिशा में मूलभूत सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता है?

कोख में हो रही बेटियों की हत्या केवल माँ या परिवार की जिम्मेदारी नहीं है। यह एक सामूहिक अपराध है, जिसमें समाज, चिकित्सा संस्थान, प्रशासनिक व्यवस्था और हम सब शामिल हैं।

जब कोई महिला दूसरी या तीसरी बार पुत्री को जन्म देने वाली होती है, तो समाज उसकी मानसिकता, पात्रता और पारिवारिक स्थिति पर कटाक्ष करता है। यही मानसिकता उस माँ को मजबूर करती है कि वह अगली बार कन्या का जन्म न होने दे – भले ही इसकी कीमत किसी जीवन के रूप में क्यों न हो।

केवल नोटिस, निलंबन और निगरानी से यह विकराल समस्या नहीं सुलझेगी। इसके लिए आवश्यक है झ स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण अभियान, पुत्रियों के जन्म पर प्रोत्साहन योजनाओं का क्रियान्वयन, जनजागृति के लिए पत्र-पत्रिकाओं, चलचित्रों और सामाजिक माध्यमों का उपयोग, पारिवारिक मुखियों को संवेदनशील बनाना, लिंग परीक्षण करने वाले चिकित्सकों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही, अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्रों को बंद करना, तथा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में लिंग समानता की शिक्षा को समाविष्ट करना।

आशा कार्यकताओं को दंडित करना एक सतही समाधान है। असल प्रश्न यह है – क्या उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, संसाधन, समय पर मानदेय तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा प्राप्त थी? जिन चिकित्सकों ने अवैध लिंग जाँच की, जिन केंद्रों ने भ्रूण हत्या करवाई, तथा जिन परिवारों ने कन्या को अस्वीकार किया – क्या उन सबको भी समान रूप से उत्तरदायी ठहराया गया?

यदि माताओं को निर्णय लेने का अधिकार देना है, तो उन्हें शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान देना होगा। बेटी तभी बचेगी जब उसकी जननी स्वयं को सक्षम और सशक्त मानेगी। आज आवश्यकता है कि हम हर माँ को यह कहें – तू दुर्बल नहीं है, तेरे गर्भ में एक शक्ति पल रही है।

पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिसिया दबाव केवल भय का वातावरण उत्पन्न करेंगे। इनकी अपेक्षा यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दें, तथा समाज में बेटियों के लिए सम्मान का भाव विकसित करें – तो परिणाम अधिक स्थायी और सकारात्मक होंगे।

एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात केवल आँकड़े नहीं हैं। ये उस सामूहिक हत्या की पटकथा हैं, जो केवल इसीलिए लिखी गई क्योंकि भ्रूण स्त्रीलिंग का था। यह केवल हरियाणा नहीं, सम्पूर्ण भारत की नैतिक हार है। जब तक हम लिंग के आधार पर भेदभाव करते रहेंगे, तब तक कोई नीति, कोई योजना, कोई निगरानी प्रणाली प्रभावी सिद्ध नहीं होगी। यदि हमें सच में बेटी को बचाना है, तो सबसे पहले सोच को बदलना होगा। कानून से पहले करुणा और योजना से पहले दृष्टिकोण को बदलना होगा। अन्यथा हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें कोखें सूनी रह जाएँगी, और सभ्यता अधूरी रह जाएगी।

स्वास्थ्य और स्वाद : समोसा और जलेबी से सावधान

ललित गर्ग

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुक्कड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं।

हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई है। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरू हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिंताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'फिट इंडिया अभियान' के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केंद्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदाथारे के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदाथरे के उपभोग से दूर रहा जाए।

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिंताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है। डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचौरी, बर्गर जैसी चीजें हैं।

समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐकिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं।

भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल, परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गई है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर 'तेल और चीनी के चेतावनी बोर्ड' लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदाथरे में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे। तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदाथरे को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरूआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेस्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेस्तरां और मिष्ठान भंडारों पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से 'जीरो ऑयल' की खानपान पद्धति के माध्यम से हृदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रस्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोजाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं। पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है।

कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़े होंगे और अब

जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदाथरे पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा। आज जरूरत है कि हम सिर्फ स्वाद के गुलाम न बनें, बल्कि अपने शरीर की सुनें। एक जिम्मेदार समाज वही है जो अगली पीढ़ी को स्वाद के नाम पर बीमारियां नहीं, स्वस्थ आदतें सौंपे। एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो स्वाद के पीछे स्वास्थ्य को त्याग रही है। यह चेतावनी नहीं, चेतना का संदेश है कि यदि अब भी नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियां बीमारियों से जूझती रहेंगी। गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले महकमों और अधिकारियों को युद्ध स्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा, तभी हम फिट इंडिया के ख्वाब को साकार कर पाएंगे।

शराबी ऑटो चालक ने हथौड़े से पीट-पीटकर बुजुर्ग माता-पिता की हत्या की

ओडिशा (एजेंसी)। ओडिशा के मयूरभंज जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शराब की लत के शिकार एक ऑटो चालक ने कथित तौर पर अपने बुजुर्ग माता-पिता की हथौड़े से पीट-पीटकर हत्या की। हत्या के बाद आरोपी बेटा रातभर मां-बाप के खून से लथपथ शवों के पास बैठा रहा। सुबह जब पड़ोसियों ने सन्नाटे के कारण अंदर घुसने की कोशिश की तब नजारा देख उनके होश उड़ गए। घटना ढोनापाल गांव में हुई। मृतकों की पहचान हादीबंधु साहू (81) और शांति साहू (72) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह जब ग्रामीणों ने उनके घर में अजीब सन्नाटा देखा, तब अंदर जाकर देखा कि दोनों बुजुर्ग खून से लथपथ हालत में मृत पड़े हैं और उनका बेटा हिमांशु खाट पर बैठा हुआ है। स्थानीय निवासियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे हिमांशु को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, रात किसी बात को लेकर परिवार में झगड़ा हुआ, जिसके बाद हिमांशु ने पत्थर तोड़ने वाले हथौड़े से अपने माता-पिता की निर्मम हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हिमांशु लंबे समय से शराब का आदी है। घरेलू कलह के चलते उसकी पत्नी और बच्चे काफी समय पहले हिमांशु को छोड़कर अलग रहने लगे थे।

नोट्स देने के बहाने छात्रा को बुलाया, दो लेक्चरर ने साथी के साथ किया दुष्कर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस ने तीन लोगों को दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसमें मूडबिद्री इलाके के निजी कॉलेज के दो लेक्चरर भी शामिल हैं। पीड़ित उसी कॉलेज की छात्रा है, जिसमें दोनों पढ़ाते हैं। राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बाद मंगलवार को ये गिरफ्तारियां हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना एक महीने से ज्यादा पहले की बताई जा रही है, लेकिन मामला तब सामने आया जब छात्रा ने अपने माता-पिता को इसके बारे में बताया। इसके बाद महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई। आयोग के निर्देश पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नरेंद्र फिजिक्स का जबकि संदीप बायोलॉजी का लेक्चरर है। तीसरे आरोपी अनूप है। अनूप दोनों लेक्चरर का खास दोस्त है। पुलिस के मुताबिक नरेंद्र ने छात्रा को नोट्स देने के बहाने बेंगलुरु बुलाया और अनूप के घर पर लेकर जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। नरेंद्र ने धमकी दी कि अगर घटना के बारे में किसी को बताया तो उसे जान से मार देंगे। दूसरे लेक्चरर संदीप ने घटना की तस्वीरों और वीडियो को लेकर पीड़ित को ब्लैकमेल किया और संबंध बनाने की मांग की। वहीं आरोपी अनूप ने छात्रा को उसके कमरे में आने की सीसीटीवी फुटेज होने का दावा करके उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

कोबरा को गले में डाल घूम रहा था सर्पमित्र, उसी सांप ने डंसा हो गई मौत

गुना (एजेंसी)। जहरीला कोबरा गले में डालकर बाइक चलाना सर्पमित्र को भारी पड़ गया। सांप के डंसने से सर्पमित्र की मौत हो गई। मृत्यु से पहले जब वह सांप को गले में डालकर घूम रहा था, तब किसी ने उसका वीडियो बना लिया था, जो अब वायरल हो रहा है। यह घटना गुना की है। जानकारी के मुताबिक सर्पमित्र दीपक महावर ने हजारों जहरीले सांपों को पकड़ा था। वह जेपी कॉलेज में अस्थायी कर्मचारी के रूप में काम करते थे। दीपक ने हाल ही में एक जहरीला कोबरा पकड़ा था। उसने इस जहरीले सांप को कांच के बर्तन में बंद कर रखा था। दीपक जब बच्चों को स्कूल छोड़ने गया, तो उसने कोबरा को अपने गले में लटका लिया। बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद कोबरा ने अचानक दीपक को डंस लिया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि दीपक को एंटीवेनम दिया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने में देरी के कारण एंटीवेनम प्रभावी नहीं हो सका। सर्पमित्र दीपक महावर की मृत्यु के बाद उनके दोनों बच्चे, रौनक (12) और चिराग (14), अनाथ हो गए हैं। दीपक की पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी थी। जब दीपक गले में कोबरा लटकाकर घूम रहे थे, तब एक व्यक्ति ने उनका वीडियो बना लिया था, जो उनकी जिंदगी का आखिरी वीडियो बन गया।

युवती ने चलती बस में दिया बच्चे को जन्म, कपड़े में लपेट बाहर फेंका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के परभणी में एक मां ने अपनी ममता का ही गला घोंट दिया। महिला की उम्र 19 साल बताई जा रही है उसने चलती बस में एक बच्चे को जन्म दिया और फिर कथित तौर पर नवजात को खिड़की से बाहर फेंक दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि इस घटना में एक शख्स ने महिला की मदद की, जो खुद को उसका पति बता रहा था। बस से बाहर फेंके जाने के बाद बच्चे की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार सुबह 6.30 बजे पाथरी-सेलू रोड पर हुई। जानकारी के मुताबिक घटना का पता तब चला जब एक निवासी ने देखा कि बच्चे को कपड़े में लपेटकर बस की खिड़की से बाहर फेंका जा रहा है। बाद में पूछताछ करने पर कपल ने कहा कि महिला ने खिड़की से उल्टी की थी। दोनों की पहचान रितिका धेरे और अल्ताफ के रूप में हुई, है जो पुणे से परभणी जा रहे थे। वे संत प्रयाग ट्रैवल्स की स्लीपर कोच बस में यात्रा कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक रितिका धेरे बस में यात्रा कर रही थी। उसने बस में बच्चे को जन्म दिया। उसके बाद बच्चे को कपड़े में लपेटकर वाहन से बाहर फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि बस के ड्राइवर ने खिड़की से कुछ फेंकते हुए देखा। जब उसने रितिका केक साथ युवक से इस बारे में पूछा, तो आरोपी ने कहा कि उसकी पत्नी ने बस में यात्रा के कारण उल्टी की थी। पुलिस ने बताया कि एक सतर्क निवासी ने बस से फेंके गए वस्तु की जांच की और चौंकाने वाला पाया कि वह एक बच्चा था। पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस गश्ती दल ने बस का पीछा किया और कपल को पकड़ लिया। कपल ने बच्चे को बस से बाहर फेंकने की बात कबूल की और कहा कि वे बच्चे को पालने में असमर्थ थे। पुलिस ने बताया कि दंपति परभणी के रहने वाले हैं और पिछले डेढ़ साल से पुणे में रह रहे थे।

कानून की मदद करने के लिए लोगों में डर पैदा करना भी आतंकी कृत्य: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी अपराध को केवल तभी आतंकवादी कृत्य नहीं कहा जा सकता जब आरोपी को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दोषी ठहराया गया हो। कोर्ट ने कहा कि सेना के मुखबिर की हत्या करके लोगों को कानून का पक्ष लेने से रोकने के लिए भय का माहौल पैदा करना भी आतंकवादी कृत्य है, भले ही इस मामले में आतंकवाद विरोधी कानून लागू न किया गया हो।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच इस बात से सहमत नहीं थी कि जम्मू-कश्मीर में सेना के मुखबिर समेत तीन नागरिकों की एके-47 से हत्या आतंकवादी कृत्य नहीं थी, क्योंकि इसमें आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दोषसिद्धि नहीं हुआ। बेंच ने इस मामले में 27 साल जेल में बिता चुके एक दोषी गुलाम मोहम्मद भट की सजा माफी याचिका पर विचार करते हुए अपनी आपत्ति व्यक्त की। यह अराजकता फैलाने के लिए किया गया था ताकि कोई भी कानून का पक्ष लेने की हिम्मत न कर सके, तो यह निश्चित रूप से एक आतंकवादी कृत्य के लक्षण रखता है और इस नीति के तहत छूट नहीं दी जा सकती। आपको छूट नीति को चुनौती देनी होगी। कैदी गुलाम भट ने दलील दी कि उसे आतंकवाद-रोधी कानून के तहत नहीं, बल्कि केवल हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया था। इसलिए उसके कृत्य को आतंकवादी कृत्य नहीं कहा जा सकता। जम्मू-कश्मीर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आतंकवादी कृत्य के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा कोई भी अपराधी राज्य की नीति के तहत छूट का हकदार नहीं है। कैदी गुलाम की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट ने कहा कि भट को केवल हत्या और शस्त्र अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया था, न कि तत्कालीन आतंकवाद-रोधी कानून टाडा के तहत।

उन्होंने कहा कि कोर्ट में ऐसा कुछ भी साबित नहीं हुआ जिससे टाडा के प्रावधान लागू हों। निचली अदालत या हाई कोर्ट ने इसे कभी आतंकवादी कृत्य नहीं माना। जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि घटनास्थल से ग्रेनेड दागने वाले हथियार समेत विस्फोटक उपकरण भी बरामद किए गए हैं। यह एक आतंकी कृत्य है, यह कोई साधारण हत्या नहीं है। बेंच ने कहा कि यदि आप लोगों में भय पैदा करना चाहते हैं ताकि कोई भी इस अवैध कृत्य के खिलाफ अधिकारियों के पास न जाए, तो यह एक आतंकवादी कृत्य है और हम अपनी आँखें बंद नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने वकील की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें उन्होंने चल रही कार्यवाही के दौरान जम्मू-कश्मीर छूट नीति को चुनौती देने की अनुमति मांगी थी।

सांसद दुबे का दावा कहा- ब्रिटिश सैनिकों के सहयोग से चला था ऑपरेशन ब्लू स्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के लिए ब्रिटिश सैनिकों का सहयोग लिया और इसके बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर को पत्र लिखकर अपनी आंतरिक समस्याएं साझा कीं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र शेयर किया। उन्होंने लिखा, 1984 में ब्रिटिश सैनिकों के सहयोग से 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' करने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर को यह पत्र भेजा। उन्होंने आगे कहा, विदेशियों से लड़ने के लिए तो सामरिक सहयोग चाहिए, लेकिन अपने देश के निहत्थे लोगों को मारने के लिए विदेशी सामरिक सहयोग को क्या कहते हैं? सांसद दुबे ने मंगलवार को पूर्व पीएम नेहरू पर 1963 में ओडिशा (उड़ीसा) का चरबटिया एयरपोर्ट अमेरिका को देने का दावा किया था। भाजपा सांसद ने एक्स पर लिखा, राहुल गांधी और कांग्रेस के परिवार का अमेरिका के आगे सरेंडर। नेहरु जी ने 1963 में हमारे ओडिशा का चरबटिया एयरपोर्ट अमेरिका को दे दिया। गुलामी और देश बेचने, तोड़ने की मानसिकता ने हमें पाकिस्तान की तरह अमेरिका के सामने खड़ा कर दिया। यह काला अध्याय, मन विचलित भी है और व्यथित भी। इसके अलावा, उन्होंने नेहरू-गांधी परिवार पर अमेरिका के आगे नतमस्तक होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था, अमेरिका के आगे नतमस्तक नेहरू-गांधी परिवार। राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और भारत की आस्था के साथ किसानों की तबाही। क्या केदारनाथ का हादसा अमेरिका के न्यूक्लियर वस्तु के कारण हुआ, जो नंदा देवी पर्वत शिखर के ऊपर से 1960 में गायब हो गया? क्या तीस्ता नदी के बाढ़ का भी वही कारण है? गंगोत्री-यमुनोत्री के पिघलते ग्लेशियर और गंगा के पानी में लगातार कमी किसानों की तबाही के लिए जिम्मेदार है, कांग्रेस पार्टी के नेहरू जी का सरेंडर?

भाषा विवाद पर सीएम नायडू ने पूर्व पीएम नरसिम्हा राव का उदाहरण दिया... जिन्होंने 17 भाषाएँ सीखी

अमरावती(एजेंसी)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन-भाषा फॉर्मूले के विरोध के बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हिंदी का समर्थन किया है। उन्होंने भाषा विवाद पर अपनी राय रखकर पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 17 भाषाएँ सीखी थीं, जिसमें हिंदी भी शामिल थी। नायडू ने कहा कि पी.वी. नरसिम्हा राव एक महान और दूरदर्शी नेता थे और तेलुगु समुदाय को उन पर गर्व है। उन्होंने बताया कि राव एक छात्र नेता, स्वतंत्रता सेनानी और 17 भाषाओं के विद्वान थे। नायडू ने जोर दिया कि आजकल लोग पूछते हैं कि हिंदी क्यों सीखनी चाहिए, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री ने न केवल हिंदी सीखी, बल्कि 17 भाषाएँ सीखीं। उन्होंने कहा कि राव अपने इस गुण की वजह से इतने महान बने। बात दें कि राव प्रधानमंत्री पद पर पहुँचने वाले दक्षिण भारत के पहले राजनेता थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने लालकिले के प्राचीर से हमेशा हिंदी में ही देश को संबोधित किया। उन्हें 17 भाषाओं का ज्ञान था, जिसमें 11 भारतीय भाषाएँ (तेलुगु, मराठी, तमिल, हिंदी, बंगाली, गुजराती, ओडिया, कन्नड़, संस्कृत और उर्दू) और 6 विदेशी भाषाएँ (अंग्रेजी, फ्रेंच, अरबी, जर्मन, फारसी और स्पेनिश) शामिल थीं। उनके इस ज्ञान के कारण लोग उन्हें आंध्र प्रदेश का बृहस्पति के तौर पर याद करते हैं। उन्होंने तेलुगु साहित्य की कई पुस्तकों का हिंदी में और मराठी साहित्य की कई किताबों का तेलुगु में अनुवाद भी किया।

भाषा विवाद के बीच आंध्र प्रदेश का रुख

त्रिभाषा फॉर्मूले और हिंदी को लेकर तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में विवाद जारी है। इन राज्यों के कई दलों ने केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। हालाँकि, आंध्र प्रदेश ही एक ऐसा राज्य है जहाँ के क्षेत्रीय नेताओं ने हिंदी को लेकर तीखी बयानबाजी नहीं की है। नायडू का यह बयान हिंदी के प्रति आंध्र प्रदेश के अधिक उदारवादी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

कांग्रेस ने पूछा- भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मददगार चीन से क्यों मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के चीन दौरे और राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित चीनी नेताओं के साथ शेक हैंड करने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सवाल उठाए हैं। साथ ही पहलगाम आतंकी हमले के 85 दिन बाद भी आतंकियों के गिरफ्तार न होने पर भी मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि संभवतः किसी आतंकी की अब तक शिनाख्त भी नहीं हुई है।

इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स विभाग की अध्यक्ष और कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने विदेश मंत्री जयशंकर की चीन यात्रा का जिक्र करते हुए भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ़्टिनेंट जनरल राहुल सिंह के हालिया बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की पीछे से मदद की थी। उन्होंने जयशंकर की राष्ट्रपति जिनपिंग समेत चीन के अन्य नेताओं के साथ तस्वीरें दिखाते हुए पूछा कि उन्हें हमारे दुश्मन की सहायता करने वाले चीन का दौरा करने की क्या जरूरत थी? उन्होंने जयशंकर के भारत-चीन के द्विपक्षीय संबंध लगातार सुधरने के बयान को भारतीय सेना का मनोबल तोड़ने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार को चीन और पाकिस्तान के साथ आने को लेकर आगाह कर रहे थे और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बात सही साबित हुई।

कांग्रेस नेता ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की मदद करने के अलावा चीन ने उसे पिछले पांच वर्षों में 81 प्रतिशत हथियार दिए। बीते कुछ दिनों में चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स, विशेष फ़र्टिलाइज़र और टनल-बोरिंग मशीनों जैसी चीजों का भारत को निर्यात काफी हद तक सीमित कर दिया है, जिससे हमारे इंफ़्रास्ट्रक्चर निर्माण पर बुरा असर पड़ेगा। भारत की पैट्रोलिंग पार्टीज देपसांग, डेमचोक और चुमार जैसे इलाकों में पैट्रोलिंग करने के लिए चीन की सहमति पर निर्भर हैं। गलवान, हॉट स्प्रिंग, पैंगोंग त्सो झील में बनाए गए अधिकांश बफर जोन भारतीय सीमा के अंदर हैं; आज भी अप्रैल 2020 की यथावत स्थिति बहाल नहीं हो पाई है। इस दौरान चीन ने एलएसी के पास 50 गांव बसा दिए हैं। यही नहीं, चीन ने अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदल दिए।

कांग्रेस नेता ने ब्लॉगर से जासूस बनीं ज्योति मल्होत्रा के भाजपा से संबंधों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने वीडियो दिखाते हुए कहा कि पाकिस्तान जाते समय ज्योति ने खुद को हरियाणा भाजपा की सदस्य बताया। ज्योति को भाजपा के कई हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों में भी देखा गया था। उन्होंने पूछा कि क्या ज्योति को कोई बचा रहा है, क्योंकि पूछताछ के दौरान क्या खुलासे किए, इस बारे में उसकी गिरफ्तारी के दो महीने बाद भी कुछ सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि ज्योति एकमात्र ऐसा उदाहरण नहीं है, भाजपा-आरएसएस से जुड़े कई लोग पाकिस्तान के लिए जासूसी करते पकड़े गए हैं।

श्रीनेत ने याद दिलाया कि भाजपा आईटी सेल में काम करने वाला ध्रुव सक्सेना आईएसआई के लिए जासूसी करते हुए पाया गया था। वर्ष 1999 में भाजपा सरकार ने ही आतंकवादी मसूद अजहर को रिहा किया था। जम्मू-कश्मीर में तत्कालीन भाजपा उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह ने आतंकवादी बुरहान वानी के एनकाउंटर को दुर्घटना बताया था। कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार द्वारा पठानकोट आतंकी हमले की जांच के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को भारत आने की अनुमति देने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने आईएसआई जांच पर संतुष्टि भी जताई थी।!

लगातार हो रही बारिश के बीच भीगे कपड़े, हाथ जोड़े... बंगालियों के पीछे बीजेपी, ममता का नया नैरेटिव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश भर में बंगाली भाषी लोगों को व्यवस्थित रूप से परेशान करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर यह कथित उत्पीड़न जारी रहा तो 2026 के विधानसभा चुनावों में इसके कड़े राजनीतिक परिणाम होंगे। मध्य कोलकाता में बारिश से भीगे एक विरोध रैली में बोलते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र भाजपा शासित राज्यों को बंगाली भाषी नागरिकों को हिरासत में लेने और धमकाने के लिए गुप्त निर्देश जारी कर रहा है। डोरीना क्रॉसिंग पर समाप्त हुए एक मार्च के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं इन गुप्त नोटिसों को चुनौती दूँगी। बंगालियों को केवल संदेह के आधार पर कैसे हिरासत में लिया जा सकता है? यह अस्वीकार्य है।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने केंद्र पर अपने राजनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए भारत के चुनाव आयोग को प्रभावित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं बंगालियों के प्रति भाजपा और केंद्र के रवैये से शर्मिंदा और निराश हूँ। बंगाल के प्रवासी मज़दूरों के साथ भाजपा के व्यवहार पर निशाना साधते हुए, बनर्जी ने कहा कि देश भर में काम कर रहे 22 लाख से ज़्यादा बंगालियों के पास आधार, ईपीआईसी और पैन कार्ड जैसे वैध दस्तावेज़ हैं, फिर भी उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और यहाँ तक कि बांग्लादेश वापस भेजा जा रहा है। उन्होंने सवाल किया क्या पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं है? भाजपा को बंगालियों के साथ ऐसा व्यवहार करने का अधिकार क्या है?

ममता ने कहा कि राजनीतिक लड़ाई का संकल्प लेते हुए, बनर्जी ने घोषणा की कि भगवा पार्टी को 2026 में खेला होबे के एक और दौर के लिए तैयार रहना चाहिए, जो 2021 के चुनावों के दौरान उनकी पार्टी का नारा है। उन्होंने चुनौती भरे लहजे में कहा कि मैं अब और भी ज़्यादा बांग्ला में बोलूँगी। अगर हो सके तो मुझे गिरफ़्तार कर लो। राजनीतिक तरीकों से प्रतिरोध का आह्वान करते हुए, उन्होंने चेतावनी दी अगर भाजपा बंगालियों पर अत्याचार करना बंद नहीं करती है, तो तृणमूल कांग्रेस जानती है कि उन्हें कैसे रोका जाए।

पटना एयरपोर्ट के रनवे को टच कर दोबारा उड़ा विमान: 173 यात्रियों की सांसें अटकीं -तीन-चार चक्कर के बाद सुरक्षित लैंडिंग

पटना (एजेंसी)। मंगलवार रात पटना एयरपोर्ट पर एक गंभीर तकनीकी स्थिति ने सभी को कुछ देर के लिए दहशत में डाल दिया। दिल्ली से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई2482 लैंडिंग करते-करते अचानक दोबारा उड़ान भर गई, जिससे विमान में सवार 173 यात्रियों की सांसें थम गईं। कुछ देर बाद विमान ने आसमान में तीन से चार चक्कर लगाने के बाद सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्रियों ने राहत की सांस ली।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, मंगलवार रात करीब 9 बजे फ्लाइट की लैंडिंग होनी थी, लेकिन विमान निर्धारित टचिंग पॉइंट को ओवरशूट कर गया। पटना एयरपोर्ट का रनवे देश के अन्य बड़े एयरपोर्ट्स की तुलना में छोटा है। पायलट को आशंका हुई कि विमान को इस रनवे पर रोकना मुश्किल हो सकता है, ऐसे में उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। घटना के दौरान यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई यात्रियों को लगा कि रनवे पर कोई दूसरा विमान होगा या आपात स्थिति बन गई होगी। हालांकि, क्रू मेंबर्स ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए यात्रियों को आश्वस्त किया कि कोई खतरे की बात नहीं है और तकनीकी कारणों से विमान को दोबारा उड़ाया गया है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि कुछ ही मिनटों में लैंडिंग कर दी जाएगी।

यहां बताते चलें कि पटना एयरपोर्ट के रनवे की वर्तमान लंबाई 2,072.64 मीटर है। यही वजह है कि बड़े विमानों की लैंडिंग के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरती जाती है। फिलहाल, इस रनवे को बढ़ाकर 3,657.6 मीटर करने की योजना पर काम चल रहा है। यह कवायद केंद्र सरकार द्वारा एयरपोर्ट सुरक्षा को लेकर जारी एडवाइजरी के तहत की जा रही है, जो अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हुए हालिया हादसे के बाद जारी की गई थी। इस संबंध में विशेषज्ञों का मानना है कि पायलट द्वारा उठाया गया कदम पूरी तरह से सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप था। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि देश के कई छोटे एयरपोर्ट्स को आधुनिक और सुरक्षित बनाए जाने की तत्काल जरूरत है।

ब्लड मनी को अस्वीकार कर तलाल के भाई अब्देलफतेह का पोस्ट...खून को खरीदा नहीं जा सकता

-भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने की अंतिम उम्मीद भी हुई खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में सजा-ए-मौत का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के लिए राहत का वक्त कुछ घंटे ही बचा है। अब तलाल आबदो मेहदी के परिवार ने फिर से कहा हैं कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेगा। तलाल आबदो मेहदी पर आरोप है कि उसने निमिषा प्रिया का उत्पीड़न कर उसका पासपोर्ट रख लिया था। पासपोर्ट हासिल करने के लिए ही निमिषा ने तलाल को ड्रग्स दिया था और उसकी ओवरडोज से वह मर गया था। मामले में निमिषा प्रिया को सजा-ए-मौत सुनाई गई है। उन्हें 16 जुलाई के दिन सजा मिलनी थी, लेकिन केरल के ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दखल से फांसी को टाल दिया गया था।

बताया गया कि निमिषा प्रिया के वकील और परिजनों को वक्त दिया जाएगा कि वे तलाल के परिवार को ब्लड मनी के लिए राजी कर लें। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। तलाल के भाई का कहना है कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेगा। तलाल के भाई अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि हमारे परिवार ने समझौते के सभी ऑफर खारिज किए हैं। हम चाहते हैं कि भाई की कातिल को सजा-ए-मौत ही मिले। माफी के सवाल पर अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि यह बेहद गंभीर अपराध है और इसमें कोई माफी नहीं दी जा सकती। हम इस मामले में दीयत यानी ब्लड मनी स्वीकार नहीं करने वाले है।

यमन के कानून के अनुसार यदि मारे गए शख्स का परिवार आरोपी से मुआवजे के बदले माफी दे, तब सजा खत्म की जा सकती है। अब्देलफतेह ने पोस्ट में कहा, आज क्या हो रहा है। मध्यस्थता और समझौते की बातें हो रही हैं। यह कोई नई बात नहीं है ना ही सरप्राइज वाली चीज है। इस साल फिर से कई बार समझौते की कोशिशें हुई हैं और ये नई नहीं हैं। हम पर काफी दबाव डाला गया है, लेकिन हमारी मांग में कोई बदलाव नहीं है। हम भी यही चाहते हैं कि आरोपी को सजा-ए-मौत हो। फिलहाल सजा को टाल दिया गया है और हम इससे हैरान हैं। मध्यस्थता करने वाले समझ लें कि हम किसी भी तरह से समझौते के लिए तैयार नहीं हैं और ब्लड मनी स्वीकार नहीं है।

अब्देलफतेह मेहदी ने लिखा, खून को खरीदा नहीं जा सकता। सजा को टाले जाने से हम नहीं रुकने वाले हैं। किसी भी तरह के दबाव के आगे हम नहीं झुकने वाले है। न्याय को भुलाया नहीं जा सकता। न्याय होगा और भले ही उसमें देर लगे। यह सिर्फ कुछ समय की बात है और अल्लाह हमारे साथ है।

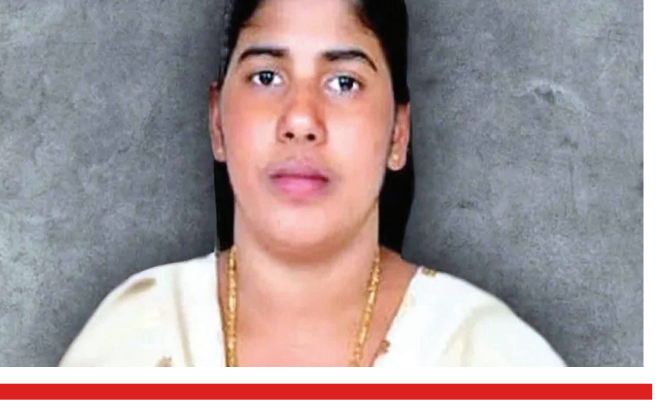

कैसे पहचानें किस कारण से हो रहे हैं मुहांसे?

मुंहासों की समस्या से ज्यादातर युवा परेशान रहते हैं। छुटकारा पाने के लिए कई तरह के इलाज भी कराते हैं, पर मनचाहा फायदा नहीं होता। मुंहासे होने की कई वजहें हो सकती हैं, उन्हें जानकर ही उपचार करवाएं। जानकारी दे रहा है आलेख। हमारी त्वचा तीन परतों से बनी है। सबसे ऊपरी परत कुछ-कुछ समय बाद बदलती रहती है। ऐसा मृत त्वचा के झड़ जाने से होता है। यह प्रक्रिया चलती रहती है। उसके नीचे वाली परतों में नसें, रक्त नलिकाएं, तेल एवं पसीने की ग्रंथियां तथा हेयर फोलिकल (रोमकूप) होते हैं। सबसे नीचे वाली परत वसा कोशिकाओं से बनी होती है। सही ध्यान नहीं रखने पर तेल ग्रंथियां और मृत त्वचा रोमकूपों में रुकावट पैदा करती हैं, जिससे नई परत बाहर नहीं निकल पाती। वहां त्वचा फूलकर दानों का रूप ले लेती है, जिसे मुंहासे कहते हैं। मुंहासे दो प्रकार के होते हैं। एक, छोटे-छोटे सफेद दाने होते हैं, जिनमें मवाद भर जाता है। दूसरे, लाल रंग के दाने होते हैं, जो ज्यादातर सूखी त्वचा वालों को होते हैं। मुंहासे कई कारणों से हो सकते हैं। हार्मोन में असंतुलन होने पर मुंहासे निकलते हैं। इसके लिए खान-पान और जीवनशैली में सुधार जरूरी होता है। महिलाओं में पहले की तुलना में पीसीओडी और थायरॉएड के मामले बड़े हैं।

माहवारी चक्र का सही नहीं होना भी मुंहासों का एक कारण होता है। गर्भावस्था के बाद भी कुछ महिलाओं में मुंहासे निकलते हैं। चेहरे पर बहुत अधिक धूप पड़ना भी मुंहासे के खतरे को बढ़ाता है। एक कारण शरीर में इंसुलिन ज्यादा बनना भी होता है, जिसके बारे में कम लोग ही जानते हैं। इसका मतलब यह है कि हमारे खानपान का हमारे मुंहासों से सीधा संबंध है, जिन्हें मुंहासे अधिक निकलते हैं, उन्हें हाई ग्लाइसेमिक खाना नहीं खाना चाहिए। ये वे चीजें होती हैं, जिनमें कार्बोहाइड्रेट बहुत ज्यादा होता है। हाई ग्लाइसेमिक भोजन सफेद ब्रेड, नान और मैदे से बनी चीजें 'स्टार्चयुक्त सब्जियां जैसे आलू' छोटे व मोटे चावल 'पाश्ता, नूडल, बर्गर आदि जंकफूड' दूध या दूध से बनी चीजें 'केक, पेस्ट्री, बिस्कुट, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक फलों में तरबूज।

लो ग्लाइसेमिक भोजन लो: ग्लाइसेमिक भोजन में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम और पोषक तत्व अधिक होते हैं। जैसे-ब्राउन ब्रेड, ओट्स व मछली बासमती और सेला चावल हरी पत्तेदार सब्जियां सरसों का तेल, राइस ब्रान तेल, जैतून का तेल, नारियल तेल, घी आदि बादाम, काजू, खुबानी आदि मेवे फलों में सेब, स्ट्राबेरी, अमरूद आदि डेयरी उत्पादों की भूमिका भारत में 75 प्रतिशत लोग दूध को ठीक ढंग से नहीं पचा पाते। ऐसे लोग डेयरी उत्पाद का सेवन अधिक करते हैं तो उन्हें अपच होने लगता है, जिससे उन्हें मुंहासे निकलने लगते हैं। चेहरे पर बहुत अधिक मुंहासे हो रहे हैं तो कुछ समय के लिए दूध या दूध से बने पदार्थों का सेवन बंद करके देखें। अगर मुंहासों की समस्या कम होती दिखे तो आगे से अपने आहार में डेयरी उत्पादों की मात्रा कम ही रखें। सोया मिल्क, नारियल दूध, बादाम का दूध ले सकते हैं।

खाने में जिंक व आयरन युक्त चीजें जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, अनार आदि आहार में शामिल करें। विटामिन-सी त्वचा के लिए अच्छा होता है, इसके लिए खट्टे वर्ग के फल एवं सब्जियां खाएं। विटामिन ए, डी और ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त चीजें लें। मछली एवं अखरोट में ओमेगा-3 खूब होता है। पानी भी पर्याप्त मात्रा में पिएं। जबड़े वाला हिस्सा जब लिवर ढंग से काम नहीं कर रहा हो तो जबड़े वाले हिस्से में मुंहासे निकलने लगते हैं। इसके लिए डॉक्टर से भी सलाह ले सकते हैं।

इम्यूनिटी पर पड़ रहा है प्रदूषण का असर, अपनाएं आयुर्वेदिक नुस्खे

आम जिंदगी पर बढ़ते प्रदूषण का असर आज हर किसी के लिए परेशानी का सबसे बड़ा सबब बना हुआ है। आज दुनियाभर में लोग इस समस्या से बेहद परेशान हैं। प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देशभर में हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाना, साथ ही हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित होने से बचाना और उनमें होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए अलग-अलग तरह से समाज में जागरूकता फैलाना है।

इसके अलावा हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस उन लोगों की याद और सम्मान में भी मनाया जाता है, जिन्होंने भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवा दी थी। यूं तो प्रदूषण व्यक्ति के शरीर पर कई तरह से बुरा असर डालता है, लेकिन प्रदूषण का सबसे ज्यादा बुरा असर व्यक्ति की इम्यूनिटी पर पड़ता है। तो आइए इस खास मौके पर जानते हैं प्रदूषण के प्रकोप से कैसे खुद को बचाते हुए मजबूत बनाएं अपनी इम्यूनिटी। ये आयुर्वेद और यूनानी पद्धति के नुस्खे आपको स्वस्थ रखने के साथ प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से भी बचाने में आपकी मदद करेंगे।

आंखों की सेहत के लिए

आंखों में गुलाब जल डालें: प्रदूषण के कारण आंखों में जलन होती है। इसके लिए रोजाना सोने से पूर्व आंखों में अर्क गुलाब जल की दो-दो बूंदे डालें।

गले में इंफेक्शन

गले में इंफेक्शन एवं नजला खांसी से बचने के लिए शहद, अदरक, कालीमिर्च और जराकुस के पत्तों की चाय बनाकर पिएं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए

प्रदूषण के कण इम्यून सिस्टम पर सीधा वार करते हैं। इससे बचने के लिए डाइट में हरा आंवला शामिल करना काफी उपयोगी होता है। इसकी चटनी, सब्जी और मुरब्बा खाने से फायदा होगा।

बॉडी को करें डिटॉक्स

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पिएं।

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए

अदरक और शहद को साथ में लेने से सर्दी-जुकाम से बचा जा सकता है।

कॉर्न बिरयानी

सामग्री

- कॉर्न: डेढ़ कप
- बासमती चावल: 3 कप
- बड़े प्याज: लंबाई में कटे 2
- 3 बारीक कटे टमाटर
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 2 टीस्पून
- 6 बारीक कटी हरी मिर्च
- तेल: 4 टेबलस्पून
- घी: 4 टेबलस्पून
- दही: 200 ग्राम
- पानी: 750 मिली ग्राम
- नमक: स्वादानुसार
- मिर्च पाउडर: 2 टीस्पून
- हल्दी पाउडर: 1/4 टीस्पून
- बारीक कटा हरा धनिया: 1/4 कप
- मिंट की पत्तियां : 1/4 कप
- दालचीनी: 2 टुकड़े
- 5 लौंग
- 3 इलायची

विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगोकर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

मकई का चीला

सामग्री

- स्वीट कॉर्न: 1 कप
- 1 प्याज
- रिफाइन्ड ऑयल: 1 चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- 1 कटी हुई मिर्च
- बेसन: 2 चम्मच
- अदरक: आधा चम्मच

विधि

इस स्वादिष्ट ब्रेकफास्ट को बनाने के लिए सबसे पहले ग्राइंडर में स्वीट कॉर्न को पीसकर पेस्ट बना लें। आपको एक गाढ़ा मिक्चर बनाना है। इसके बाद इस मिक्चर को एक बर्तन में निकाल लें। उस बर्तन में मकई, बेसन, कटी हुई मिर्च, कटा हुआ प्याज, नमक और घिसी हुई अदरक मिला लें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए सबको अच्छे से मिला लें। एक पैन को गैस पर रखकर गर्म करें और उसमें 3-4 बूंद तेल डालें। इस पर बैटर को डालकर गोल शेप (डोसा की तरह) बना लें। इसे दोनों तरफ अच्छे से सेकें। आप इसे चटनी के साथ ट्राई कर सकते हैं। इसके साथ ही आप इसे चेरी या पुदीने से सजा सकते हैं।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 5013

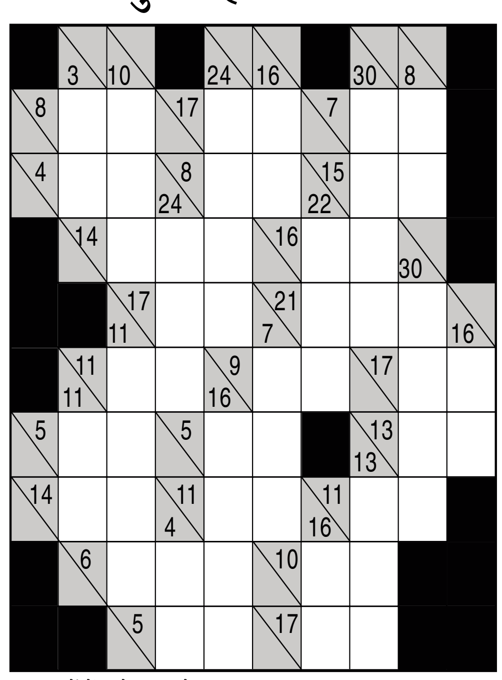

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

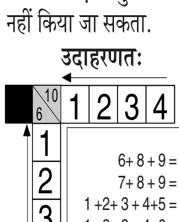

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5012 का हल

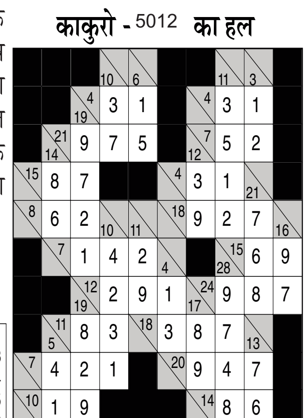

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

▯ ▯ ▯

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

▯ ▯ ▯

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली- 5013

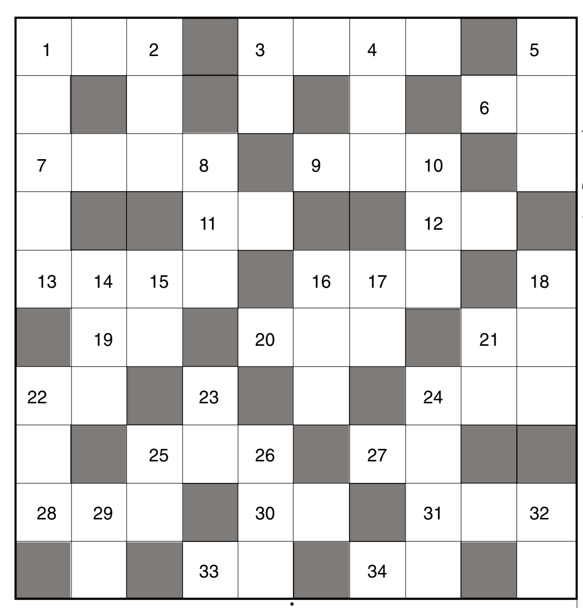

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5012

सुडोकू 5013

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5012

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 5013

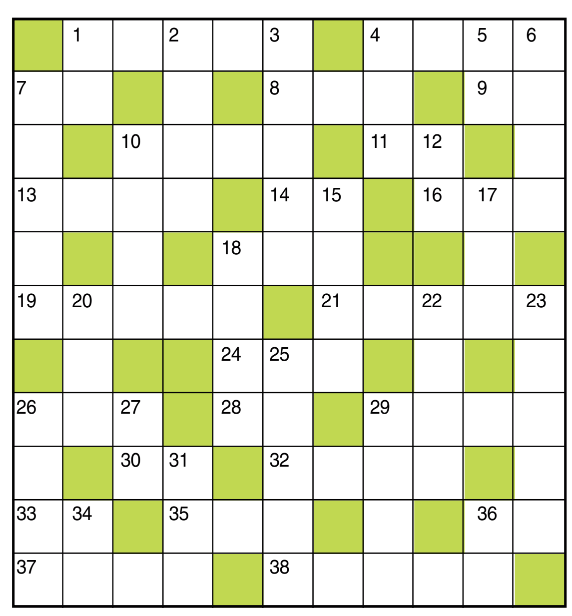

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली - 5012 हल

बिहार के मतदाता पुनरीक्षण अभियान में अब तक 86.32 प्रतिशत ने भरे फार्म

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में चल रही विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के अंतर्गत अब तक 86.32 प्रतिशत एन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) एकत्र किए जा चुके हैं। कुल 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 6.81 करोड़ मतदाताओं के फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव आयोग के अनुसार एक लाख बीएलओ की तीसरे चरण की घर-घर जाकर संपर्क करने की योजना तैयार है। पिछली यात्राओं में अनुपस्थित रहे मतदाताओं से फिर संपर्क किया जाएगा। राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1.5 लाख बीएलए भी इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं, जो प्रतिदिन 50 फॉर्म प्रमाणित कर सकते हैं। राज्य के सभी 261 नगरीय निकायों की 5,683 वार्डों में विशेष शिविर लगाए गए हैं। साथ ही, समाचार पत्रों व अन्य माध्यमों से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। मतदाता ईसीआईनेट ऐप या ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं।मृत, स्थानांतरित या एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए अब तक की कवरेज 90.84 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। शेष 9.16 प्रतिशत मतदाताओं से संपर्क कर फॉर्म एकत्र करने के लिए 10 दिन का समय शेष है, जिसकी अंतिम तिथि 25 जुलाई निर्धारित है। अब तक 6.20 करोड़ से अधिक फॉर्म ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए जा चुके हैं।

शुभांशु शुक्ला ने भारत की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया: राजनाथ सिंह

लखनऊ। भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष में रिकॉर्ड बनाकर धरती पर वापस आ गए हैं। रक्षा मंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने उनकी वापसी पर खुशी और गर्व व्यक्त किया। लखनऊ में शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला से फोन पर वार्ता की और कहा कि पूरे देश को उन पर गर्व है। शुभांशु 18 दिन बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन से सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने न केवल अंतरिक्ष को छुआ है, बल्कि भारत की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक उनकी यात्रा और वापसी केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए एक गौरवपूर्ण कदम है। मैं उनके भविष्य के प्रयासों में उन्हें अपार सफलता की कामना करता हूं।'

उत्तर रेलवे रिश्वत कांड : सीबीआई की बड़ी कार्रवाई में पांच गिरफ्तार, लाखों की नकदी जब्त

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर रेलवे की गति शक्ति परियोजना से जुड़े एक गंभीर भ्रष्टाचार मामले का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में लखनऊ स्थित गति शक्ति इकाई के उप मुख्य अभियंता, एसएसई (ड्राइंग्स), कार्यालय अधीक्षक (ओएस), तथा एक निजी कंपनी के दो कर्मचारी शामिल हैं। यह मामला 14 जुलाई 2025 को सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया था, जिसमें उत्तर रेलवे व उत्तर पूर्व रेलवे के कई अधिकारियों तथा निजी कंपनी के कर्मियों के विरुद्ध रिश्वतखोरी व अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। निजी कंपनी को वाराणसी के भदोही में गति शक्ति परियोजना का ठेका दिया गया था, जिसकी निगरानी उप मुख्य अभियंता द्वारा की जा रही थी। सीबीआई ने कार्रवाई करते हुए 14 जुलाई को एक निजी कंपनी के कर्मचारी को रंगे हाथों रिश्वत सौंपते हुए गिरफ्तार किया। वह रिश्वत की रकम उप मुख्य अभियंता, ओएस, एसएसई (ड्राइंग्स) और सहायक एक्सईएन को पहुंचा रहा था। उप मुख्य अभियंता के पास से ?2.50 लाख, तथा कार्यालय अधीक्षक के पास से ?80,000 की नकद राशि बरामद हुई, जो रिश्वत के रूप में स्वीकार की जा रही थी।

कांवड़ मेला : हरिद्वार से बीते 5 दिनों में 82 लाख शिवभक्त ले जा चुके हैं गंगाजल

हरिद्वार। हरिद्वार में श्रावण मास के विश्वप्रसिद्ध कांवड़ मेले को शुरू हुए पांच दिन बीत चुके हैं। प्रशासन ने शुरुआती पांच दिनों में करीब 82 लाख कांवड़ियों के हरिद्वार पहुंचने का दावा किया है। शिव भक्तों के हुजूम से हरिद्वार पूरी तरह भगवामय में हो गया है।

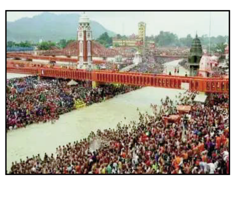

पुलिस प्रशासन द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार आज शाम 6 बजे तक 31 लाख कांवड़ियों ने हरिद्वार से गंगाजल भरकर अपने अभीष्ट शिवालयों के लिए प्रस्थान किया है। पुलिस प्रशासन की ओर से कांवड़ मेले के नोडल अधिकारी एसपी सिटी पंकज गैराला ने दावा किया कि कावड़ मेला शुरू होने के बाद से शाम तक 81 लाख 90 हजार कांवड़िए जल भरकर अपने गंतव्यों को रवाना हो चुके हैं। पुलिस प्रशासन की बुलेटिन के मुताबिक आज गंगा में डूब रहे 11 कांवड़ियों में से 10 को एसडीआरएफ की टीम ने सकुशल रेस्क्यू किया, जबकि एक कांवड़िये की डूबने से मृत्यु हो गई। खोए हुए 07 लोगों में से 03 को पुलिस ने ढूंढ कर परिजनों से मिलाया। कांवड़ियों की भारी भीड़ के बावजूद हरिद्वार जनपद में यातायात व्यवस्था सामान्य रही।

जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, स्वायत्त बोर्ड और खोज समिति के अंशकालिक सदस्यों की नियुक्ति की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी), स्वायत्त बोर्ड और खोज समिति के अंशकालिक सदस्यों की ड्रॉ के माध्यम से नियुक्ति की। नियुक्ति प्रक्रिया राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) अधिनियम, 2019 के अनुसार, ये नियुक्तियां दो वर्षों के लिए की गई हैं। इस कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सचिव (अतिरिक्त प्रभार) निवेदिता शुक्ला वर्मा, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अपर सचिव डॉ. विनोद कोतवाल और केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से चयनित सदस्यों में गुजरात से डॉ. निरजा अरुण गुप्ता, राजस्थान से डॉ. एम के आसेरी, हिमाचल प्रदेश से डॉ. सुरेंद्र कश्यप, अंडमान एवं

निकोबार द्वीप समूह से डॉ. मुकेश त्रिपाठी, आंध्र प्रदेश से डॉ. चंद्र शेखर पुलाला, मिजोरम से डॉ. दिबाकर चंद्र डेका, मेघालय से प्रो. पी.एस.शुक्ला, झारखंड से प्रो. (डॉ.) दिनेश कुमार सिंह, चंडीगढ़ से डॉ. सुमन, मध्य प्रदेश से डॉ. अशोक खंडेलवाल शामिल हैं। इसके साथ विभिन्न राज्य चिकित्सा परिषदों से चयनित सदस्यों में पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल से डॉ. सुदीप्त कुमार रॉय, कर्नाटक मेडिकल काउंसिल से डॉ. शरणबसप्पा एस. करभारी,नागालैंड मेडिकल काउंसिल से डॉ. जॉर्ज थिरा, छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल से डॉ. महेश कुमार सिन्हा, त्रिपुरा मेडिकल काउंसिल से डॉ. कनक चौधरी, जम्मू एवं कश्मीर मेडिकल काउंसिल से डॉ. संदीप डोगरा, असम मेडिकल काउंसिल से डॉ. अनुप कुमार बर्मन, मणिपुर मेडिकल काउंसिल से डॉ. सिम्पसन सरेओ, उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल से डॉ. मनोज कुमार वर्मा शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि एनएमसी के दस अंशकालिक सदस्यों का चयन चिकित्सा सलाहकार परिषद (पहले 2022 में नियुक्त) में गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, मेघालय, झारखंड, चंडीगढ़ और मध्य प्रदेश के नामित सदस्यों में से किया जाता है। एनएमसी के नौ अंशकालिक सदस्यों का चयन चिकित्सा सलाहकार परिषद (पहले 2022 में नियुक्त) में पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, नागालैंड, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, जम्मू और कश्मीर, असम, मणिपुर और उत्तराखंड के राज्य चिकित्सा परिषद के नामित सदस्यों में से किया जाता है।

तेलंगाना में एनएचएआई बना रहा 22 वेसाइड सुविधा केंद : हर्ष मल्होत्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) तेलंगाना में 22 ऐसे वेसाइड एमिनिटीज (डब्ल्यूएसए) विकसित कर रहा है, जो ईंधन स्टेशन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग पॉइंट, स्वच्छ शौचालय, पेयजल, पार्किंग क्षेत्र, ढाबे, रेस्तरां और ट्रक चालकों के लिए शयनगृह जैसी आवश्यक सुविधाओं से लैस होंगे। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने अपने एक्स पोस्ट में देते हुए बताया है कि हैदराबाद से कुछ दूरी पर स्थित एनएच-363 मार्ग के मंचेरियल-रेपल्लेवाड़ा खंड पर बने मंदामरी गांव के वेसाइड एमिनिटिज का जायजा लिया। यह सुविधा केंद्र करीब 3.1 हेक्टेयर में फैला हुआ है और यहां ट्रक चालकों व यात्रियों की सुविधा के लिए कई अहम इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस सुविधा केंद्र में 20 बिस्तरों वाला छोटा अस्पताल है, जो इमरजेंसी या थकान से जूझ रहे यात्रियों के लिए राहत बनेगा। साथ ही 200

ट्रकों की पार्किंग, पेट्रोल पंप, भोजनालय और एक हेलीपैड भी मौजूद है। इन सुविधाओं का मकसद लंबे सफर को आरामदायक और सुरक्षित बनाना है। यह सिर्फ सुविधा केंद्र नहीं बल्कि सफर के दौरान थकान और परेशानी से बचने में मददगार साबित होगा।

इंदौर का वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल देश में सर्वोत्तमः स्पीकर वासुदेव देवनानी

एजेंसी

इन्दौर। लगातार सात बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा हासिल करने वाले इंदौर स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में भी पुरस्कार के लिए चयनित हुआ है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपनी तीन दिवसीय मध्य प्रदेश यात्रा के दौरान शाम नगर निगम इंदौर द्वारा संचालित अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इंदौर का वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल देश में सर्वोत्तम है। राजस्थान विधानसभा स्पीकर देवनानी ने इंदौर प्रवास के दौरान नगर निगम के वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की कार्यप्रणाली और तकनीक की जानकारी ली। इंदौर नगर निगम एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा कचरा निस्तारण, रिसाइक्लिंग प्रक्रियाओं एवं स्वच्छता मॉडल के विभिन्न पहलुओं के बारे में देवनानी को जानकारी दी गई। स्पीकर देवनानी ने कहा कि इंदौर का वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल बेस्ट है। देवनानी ने कहा कि इंदौर नगर निगम ?द्वारा विकसित यह वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली देशभर के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह न केवल कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत करती है, बल्कि नगरीय जीवन को

स्वस्थ, स्वच्छ और पर्यावरण हितैषी बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। देवनानी ने कहा कि अजमेर नगर निगम सहित राज्य के विभिन्न शहरों में इसी मॉडल पर आधारित अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की स्थापना हेतु प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए वे राज्य सरकार से चर्चा करेंगे ताकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुरूप स्वच्छ राजस्थान का लक्ष्य प्रभावी रूप से साकार किया जा सके। देवनानी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि नगरीय स्वच्छता में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हुए पर्यावरण के अनुकूल और सतत समाधान अपनाए जाएं। इसके माध्यम से न केवल स्वच्छता, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा। स्वच्छता मिशन की दिशा में कचरे निस्तारण की प्रक्रिया निर्णायक पहल है, जो राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए लाभदायक हो सकती है।

पिथौरागढ़ वाहन दुर्घटना में 8 की मौत, 6 घायल

एजेंसी

देहरादून। पिथौरागढ़ मैक्स दुर्घटना में एक ही गांव के आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि इसी गांव के छह अन्य लोगों का उपचार चल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मृतक परिजनों को दो-दो लाख राहत और घायलों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भी घटना पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री धामी ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में बताया कि पिथौरागढ़ सड़क दुर्घटना पर प्रधानमंत्री की ओर से संवेदना व्यक्त की गई है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रदान की गई आर्थिक सहायता से शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में संबल मिलेगा। प्रदेश सरकार की ओर से भी मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख एवं घायलों को 50,000 की सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मृतकों के परिजनों के साथ मजबूती से खड़ी है और घायलों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 5.20 बजे जनपद पुलिस नियंत्रण कक्ष पिथौरागढ़ को सूचना मिली कि तहसील देवलथल अन्तर्गत पिथौराबाद-थल मुवानी मोटर मार्ग पर स्थान भण्डारीगांव (सुनी पुल) के समीप एक मैक्स वाहन (संख्या K05 TA 0193)

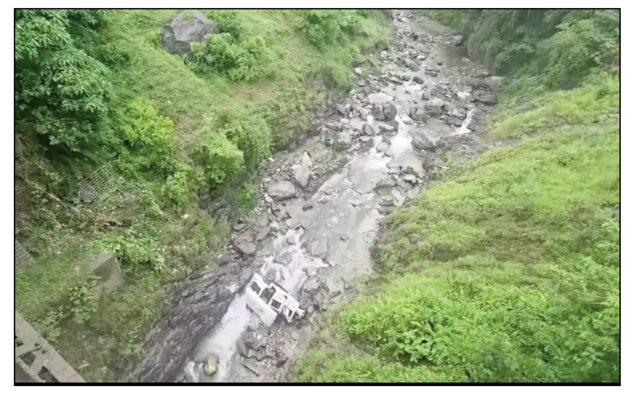

अनियंत्रित होकर ताड़केश्वर नदी (भण्डारीगांव) में गिर गया है। वाहन दुर्घटना की सूचना के बाद जनपद मुख्यालय से अपर जिलाधिकारी - पिथौरागढ़, उपजिलाधिकारी - डीडीहाट, तहसीलदार देवलथल, राजस्व टीम, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकार मय परिवहन टीम पिथौरागढ़, थाना थल से पुलिस टीम, तहसील कनालीछीना, थल, डीडीहाट बेरीनाग से घटना स्थल की ओर रवाना हुए। मौके पर स्थानीय लोगों के सहयोग से रैस्क्यू टीमों ने 08 मृतकों और 06 घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी छह घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुवानी भेजा गया। जहां शुरुआती इलाज के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जबकि शवों के पोस्टमार्टम की अग्रिम कार्यवाही जा रही है।

मध्य प्रदेश को एक जिला-एक उत्पाद में मिला रजत पुरस्कार, पीयूष गोयल ने किया सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश ने एक जिला-एक उत्पाद पुरस्कार-2024 में राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश श्रेणी में रजत पुरस्कार प्राप्त किया है। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में एक भव्य समारोह में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह पुरस्कार प्रदान किया।इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। मध्य प्रदेश की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उद्योग विभाग, वाणिज्य एवं निवेश प्रोत्साहन नीति विभाग की उप सचिव रूही खान ने प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में एक जिला-एक उत्पाद योजना के अंतर्गत प्रदेश के उत्पादों की वैश्विक बाजारों में उपस्थिति दर्ज हो रही है। प्रदेश स्थानीय से ग्लोबल

की ओर बढ़ रहा है। स्थानीय स्तर पर निर्यातकों का बड़ा समूह तैयार हो रहा है। कई उत्पादों को जीआई टैग मिला है, जिसमें इन उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ी है। हस्तशिल्प एवं कृषि और खाद्य उत्पादों की पहचान बढ़ने के साथ कारीगरों और निर्माताओं के जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश बैन ने बताया कि ओडीओपी योजना में विशेष उत्पादों को उनके भौगोलिक, जैविकीय, प्राकृतिक या उत्पादन की विशेषताओं के कारण शामिल किया गया है। सभी जिलों में ओडीओपी योजना संचालित है, जिनमें हरी सब्जी, मोटे अनाज, क्राफ्टकला हथकरघा, हस्तशिल्प, उपकरण शामिल है। स्थानीय कलाकारों और उत्पादों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। अलग-अलग जिलों के 19 विशिष्ट उत्पादों को अब तक जीओ-ग्राफिकल इंडीकेशन्स (जीआई) टैग प्रदान किये गये है। इसमें चंदेरी साड़ी, बाग प्रिंट, नागपुरी संतरा, रतलामी सेंव, कड़कनाथ मुर्गा, चिन्नौर चावल, बुटिक प्रिंट, स्टोन क्राफ्ट, लेदर टॉय, बेल मेटल वेअर, महेश्वरी साड़ी, महोबा देसावरी पान, मुरैना गजक, सुंदरजा आम, शरबती गेहूँ, गोंड पेंटिंग, रॉट आयरन क्राफ्ट, हेन्डमेड कारपेट, वारासिवनी की हेंडलूम साड़ी शामिल है। इनमें से 7 उत्पाद ओडीओपी योजना में भी शामिल है।

नक्सलियों ने मुखबिरी का आरोप लगाकर की दो शिक्षा दूतों की हत्या

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के फरसेगढ़ थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने मुखबिरी का आरोप लगाकर धारदार हथियार से वार कर दो शिक्षा दूतों विनोद मडे एवं सुरेश मेट्टा की हत्या कर दी है। 15 जुलाई की सुबह पीलूर गांव के जंगल से दोनो शिक्षा दूतों का शव बरामद हुआ है। शवों के पास नक्सलियों द्वारा छोड़े गए पर्चे भी मिले हैं, जिनमें मृतकों पर पुलिस के लिए मुखबिरी करने का आरोप लगाया गया है। घटना की सूचना पर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। चूंकि यह इलाका नक्सल प्रभावित है, इसलिए सुरक्षा बल भी सतर्कता के साथ कार्रवाई कर रहे हैं। बीजापुर के पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों हत्याएं रात को फरसेगढ़ थाना क्षेत्र स्थित जिले के अंदरूनी इलाके में हुईं। घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों को वहां भेजा गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फरसेगढ़ क्षेत्र के पिल्लूर गांव निवासी 28 साल के विनोद माडे कोडापडगु गांव के स्कूल में पढ़ाते थे। वहीं, टेकामेटा गांव निवासी 29 साल के सुरेश मेट्टा स्थानीय स्कूल में तैनात थे। विदित हो कि इससे पहले बीजापुर जिले में नक्सलियों ने 15 दिनों में मुखबिरी का आरोप लगाकर 6 लोगों की हत्या की जा चुकी है, जिसमें 4 ग्रामीण और 2 छात्र शामिल हैं। यह भी विदित हो कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद से लेकर अब तक पिछले 25 सालों में बस्तर संभाग के अलग-अलग जिलों में नक्सलियों ने कुल 1821 लोगों की हत्या कर चुके हैं। इनमें आम नागरिक सहित जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं।

हिमाचल में 21 जुलाई तक भारी वर्षा का अलर्ट, 199 सड़कें बंद, 22 जगह भूस्खलन का खतरा

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश लगातार आफत बनकर बरस रही है। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में भी बारिश होती रही। राजधानी शिमला में दोपहर बाद हुई बारिश से मौसम हल्का ठंडा हुआ। मौसम विभाग ने 21 जुलाई तक कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी दी है। 16 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी हुआ है। 17 जुलाई को लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चम्बा को छोड़कर बाकी 9 जिलों में भी भारी बारिश का अलर्ट रहेगा। 18 जुलाई को ऊना, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है और 19 जुलाई को कुल्लू और मंडी में भी यही चेतावनी है। इसी के साथ राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की

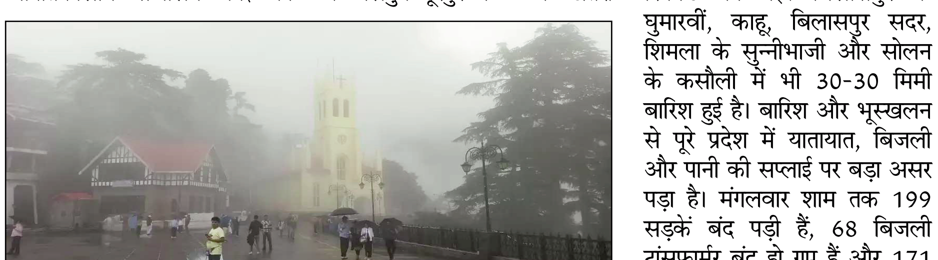

रिपोर्ट ने बताया है कि हिमाचल के 22 स्थानों पर भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इनमें मंडी जिले के 15, कांगड़ा के 4, शिमला के 2 और सोलन जिले में एक स्थान शामिल है। सोलन के डक्शी क्षेत्र में 'बहुत अधिक' खतरे का अलर्ट जारी है, मंडी के सनारली-2 और कांगड़ा के बलदुन नूरपुर में 'उच्च' खतरा बताया गया है। बाकी स्थानों पर 'मध्यम' और कुछ जगहों पर 'निम्न' खतरे का स्तर दर्ज है। सभी इलाकों पर लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में फौरन कदम उठाए जा सकें। बीते 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश शिमला के जुब्बड़हट्टी में 60 मिमी रिकॉर्ड की गई। बिलासपुर के घुमारवीं, काहू, बिलासपुर सदर, शिमला के सुन्नीभाजी और सोलन के कसौली में भी 30-30 मिमी बारिश हुई है। बारिश और भूस्खलन से पूरे प्रदेश में यातायात, बिजली और पानी की सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है। मंगलवार शाम तक 199 सड़कें बंद पड़ी हैं, 68 बिजली ट्रांसफार्मर बंद हो गए हैं और 171 पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं। सबसे ज्यादा नुकसान मंडी जिले में हुआ है, जहां 141 सड़कें बंद, 61 ट्रांसफार्मर और 142 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। कांगड़ा में 18 और सिरमौर में 11 पेयजल योजनाएं भी काम नहीं कर पा रही हैं।

नशीले पदार्थ तस्करी के मामले में कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी, भाजपा ने पूछा- कांग्रेस इस मुद्दे पर कब तोड़ेगी चुप्पी

एजेंसी

नई दिल्ली। नशीले पदार्थ की तस्करी के मामले में कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस से इस मुद्दे पर जवाब मांगा है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रवक्ता अनिल के. एंटनी ने केन्द्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे के सहयोगियों के पास से प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किए जाने पर जमकर हमला बोला। भाजपा प्रवक्ता एंटनी ने कहा कि महाराष्ट्र के ठाणे में कांग्रेस के पदाधिकारी लिंगराज कन्नी अपने दो साथियों इमरान और तौसीफ के गिरफ्तार किए गए हैं। इन तीनों के पास से प्रतिबंधित मादक पदार्थ की 120 बोतल बरामद हुई हैं। ठाणे पुलिस इन तीनों लोगों को नशीले

पदार्थों की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लिंगराज कन्नी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कर्नाटक सरकार में मंत्री एवं उनके बेटे प्रियांक खड़गे के बहुत करीबी सहयोगी हैं। लिंगराज कन्नी प्रियांक खड़गे की गृह निर्वाचन सीट कलबुर्गी का ब्लॉक अध्यक्ष है। हर दिन भाजपा सरकार से जवाबदेही की मांग करने वाली कांग्रेस पार्टी, अब उनके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता प्रियांक खड़गे के करीबी की गिरफ्तारी पर चुप्पी साधे बैठे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पार्टी से प्रश्न पूछे कि इस मामले पर मल्लिकार्जुन खड़गे एवं प्रियांक खड़गे पर जवाबदेही कब तय की जाएगी? राहुल गांधी और कांग्रेस इस मुद्दे पर कब चुप्पी तोड़ेंगे? अनिल एंटनी ने डीएमके शासित मदुरै नगर निगम में भू-राजस्व घोटाले मामले में भी तमिलनाडु सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके द्वारा शासित मदुरै नगर निगम में, उनके कई सलाहकारों द्वारा सॉफ्टवेयर में हेराफेरी कर भूमि अभिलेख बेहद कम कीमत पर दर्ज कराए जाने का मामला सामने आया है। इस घोटाले के कारण तमिलनाडु को 150 से 200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का कर-राजस्व का नुकसान हुआ है।

महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों के खतरे के प्रति दृष्टिकोण पर पुनर्विचार की ज़रुरतः जमाअत-ए-इस्लामी हिंद

एजेंसी

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर के फकीर मोहन कॉलेज की बीएड की 20 वर्षीय छात्रा ने न्याय न मिलने के कारण खुद को आग के हवाले कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई। इस घटना पर जमाअत-ए-इस्लामी हिंद की राष्ट्रीय सचिव रहमतुन्निसा ने गहरा दुःख और रोष व्यक्त किया है। रहमतुन्निसा ने एक बयान में कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता का मामला नहीं है, बल्कि हमारी संस्थाओं का यह नैतिक पतन है। हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। जब एक युवा महिला बार-बार मदद की गुहार लगाने के बाद इस तरह के दर्दनाक अंत की ओर धकेल दी जाती है तो इसके लिए व्यवस्था दोषी है। यह पीड़िता की सुरक्षा और सहायता करने के अपने कर्तव्य में पूरी तरह विफल रही। हम मानवीय गरिमा और न्याय की पवित्रता में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। पीड़िता को न्याय और दोषियों को सजा, चाहे उसकी पोजीशन और हैसियत कुछ भी हो, एक समतावादी समाज के विकास के लिए आवश्यक है। रहमतुन्निसा ने कहा कि जमाअत-ए-इस्लामी हिंद की मांग है कि घटना की स्वतंत्र न्यायिक जांच हो। संस्थागत विफलता के लिए जिम्मेदार लोगों का तत्काल इस्तीफा हो। शैक्षणिक संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ यौन उत्पीड़न से निपटने के लिए मजबूत तंत्र की स्थापना की जाए।

पश्चिम कोसी नहर के विस्तार से खुशहाल होंगे बिहार के किसान : संजय कुमार झा

एजेंसी

पटना। राज्यसभा सदस्य और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम कोसी नहर के विस्तार से बिहार के किसान खुशहाल होंगे। राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा मिथिला में पश्चिमी कोसी नहर के विस्तारीकरण, पुनर्स्थापन एवं आधुनिकीकरण की 8,678.29 करोड़ रुपये (प्राइस लेवल जून 2025) की महत्वाकांक्षी परियोजना को आज राज्य मंत्रिमंडल की ओर से मंजूरी मिलने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और इस परियोजना में केंद्र सरकार की ओर से वित्तीय सहयोग के फैसले के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया है। संजय कुमार ने बताया कि इस

परियोजना के अंतर्गत कुल 741 किलोमीटर लंबी नहरों की सीमेंट-कंक्रीट लाइनिंग की जाएगी। नहर पक्की हो जाने से मधुबनी और दरभंगा जिले में रबी और खरीफ दोनों फसल सीजन में यानी सालोभर बिना किसी रुकावट के नहरों के अंतिम छोर तक सिंचाई के लिए पर्याप्त जल पहुंचेगा। इस परियोजना की वार्षिक सिंचन क्षमता 2 लाख 91 हजार हेक्टेयर से अधिक है। इससे दोनों जिलों में कृषि का कायाकल्प हो जाएगा। इसके साथ ही नहर के एक किनारे के तटबंध पर कुल 338 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इससे दोनों जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और सुगम हो जाएगा। राज्यसभा सदस्य संजय कुमार, जो सिंचाई संबंधी स्थाई संसदीय समिति के सदस्य भी हैं, उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत पश्चिमी कोसी मुख्य नहर के नेपाल भूभाग में स्थित 0.00 किलोमीटर से 35.13 किलोमीटर तक और भारतीय भूभाग में आवश्यकतानुसार पश्चिमी कोसी मुख्य नहर एवं इसकी वितरण प्रणालियों की लाइनिंग (पक्कीकरण) कराई जाएगी। इसके साथ ही अतिरिक्त 58,658 हेक्टेयर कृषि योग्य कमांड क्षेत्र के सृजन के उद्देश्य से उनाथ शाखा नहर, विदेश्वरस्थान शाखा नहर और काकरघाटी शाखा नहर का विस्तार कराया जाएगा।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, सभी फॉर्मेट में 900 रेटिंग अंक छूने वाले पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली टी20आई और हाल ही में टेस्ट से संन्यास लेने के बावजूद लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने बुधवार को उनके अधिकतम टी20आई रेटिंग अंक 909 अंक तक बढ़ा दिए हैं। इस तरह वह खेल के सभी प्रारूपों में ICC पुरुष क्रिकेट रैंकिंग में 900 अंकों का आंकड़ा पार करने वाले खेल इतिहास के एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं।

पिछले साल ICC टी20 विश्व कप के फाइनल में 76 रन की शानदार पारी खेलकर खिताब अपने नाम करने वाले कोहली ने अपनी टी20आई रेटिंग में सुधार किया। विजडन के अनुसार ICC ने उनकी सर्वकालिक टी20आई रेटिंग को 897 से बढ़ाकर 909 कर दिया है। यह ICC पुरुष टी20आई रैंकिंग में किसी बल्लेबाज द्वारा हासिल किए गए तीसरे सबसे अधिक रेटिंग अंक हैं, जो सूर्यकुमार यादव (912) और इंग्लैंड के डेविड मलान (919) के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जो रैंकिंग चार्ट में शीर्ष पर काबिज हैं।

ICC पुरुष टेस्ट रैंकिंग में विराट के सर्वोच्च रेटिंग अंक 937 हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज के लिए सर्वाधिक और कुल मिलाकर 11वें सर्वाधिक हैं। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी, जहां उन्होंने 10 पारियों में दो शतकों और तीन अर्द्धशतकों की मदद से 593 रन बनाए थे और बल्लेबाजों के लिए एक खराब श्रृंखला में भारत के लिए अकेले योद्धा रहे थे।

वनडे में विराट के रेटिंग अंक 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान 909 के शिखर पर पहुंच गए थे, जहां उन्होंने तीन वनडे मैचों में 191 रन बनाए थे, जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे। अपनी सफलता के चरम पर विराट को एक समय ICC पुरुष टेस्ट, वनडे और टी20आई रैंकिंग में एक साथ नंबर एक बल्लेबाज का दर्जा दिया गया था।

इस नई उपलब्धि के साथ विराट ने एक और मजबूत बयान दिया है जो इस तर्क का समर्थन करता है कि वह सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ ऑल-फॉर्मेट बल्लेबाज हो सकते हैं। विराट ने 125 मैचों और पारियों में 48.69 की औसत से 4,188 रन बनाकर टी20आई से संन्यास लिया, जिसमें एक शतक और 25 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122* है। वह इस प्रारूप के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

इस साल मई में विराट ने नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) चक्र से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जो ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद लिया गया जहां वह 5 मैचों की नौ पारियों में 23.75 की औसत से केवल 190 रन ही बना सके, जिसमें पर्थ में एक शतक उनका उल्लेखनीय योगदान था। वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में सेवानिवृत्त हुए और कुल मिलाकर सर्वकालिक सूची में 19वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए हैं, जिसमें 30 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254* है।

विराट अभी भी एकदिवसीय मैचों में सक्रिय हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। वह वनडे में अब तक के तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले और भारत के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनका आखिरी वनडे मैच मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाला अभियान था, जिसके दौरान उन्होंने पाँच मैचों में 218 रन बनाए, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ एक शतक और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक अर्धशतक शामिल था।

सभी प्रारूपों में विराट ने 52.27 की औसत से 27,599 रन बनाए हैं जिसमें 617 पारियों में 82 शतक और 143 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254* है। वह भारत के अब तक के दूसरे सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले और कुल मिलाकर तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

पीवी सिंधू जापान ओपन के पहले दौर में बाहर, सात्विक-चिराग और लक्ष्य दूसरे दौर में

तोक्यो (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू एक बार फिर पहले दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रही लेकिन लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को यहां जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू को इस सुपर 750 टूर्नामेंट में कोरिया की सिम यू जिन के हाथों 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस वर्ष पांचवां अवसर है जबकि सिंधू पहले दौर की बाधा पार नहीं कर पाई।

सिंधू ने पहले गेम में थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस बीच उन्होंने काफी गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर सिम यह गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू जल्दी ही 1-6 से पीछे हो गईं। वह हालांकि स्कोर 11-11 से बराबर करने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने आसानी से बढ़त बनाकर सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। सिम ने इस तरह से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की।

इससे पहले पुरुष युगल में वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में 21-18, 21-10 से हराया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा और कोरिया के खिलाड़ियों में पहले गेम में उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शुरू से ही दबदबा बना कर रखा और आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

इस बीच पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के वांग झेंग जिंग को 21-11, 21-18 से हराया। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और 11-2 की बढ़त बना ली और फिर बिना किसी परेशानी के गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जिंग ने चुनौती पेश की, लेकिन लक्ष्य ने शुरुआती लय का फायदा उठाते हुए बढ़त बनाए रखी और सीधे गेम में मैच जीत लिया। अब उनका सामना जापान के सातवें वरीय खिलाड़ी कोडाई नाराओका से होगा।

आईसीसी ने इंग्लैंड टीम पर लगाया भारी जुर्माना

–दो डब्लयूटीसी अंक भी काटे गये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड की टीम पर भारी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही भारत के खिलाफ इस टेस्ट में मिली जीत के बाद भी इंग्लैंड की टीम के खाते में से आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक भी काटे गए हैं। धीमी ओवर गति के लिए आईसीसी ने इंग्लैंड पर 10 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया है। इसके साथ-साथ टीम के खाते में से दो अंक भी काटे गए हैं, जिससे उनका जीत प्रतिशत 66.67 से नीचे आया है और टीम दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी है। दूसरा मैच जीतकर इंग्लैंड के 66.67 फीसदी जीत अंक थे जो अब अब घटकर 60 फीसदी रह गये हैं।

आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड की टीम को धीमी ओवर गति के लिए दोषी पाया है। दो ओवर की देरी इंग्लैंड टीम को भारी पड़ी है। प्लेयर्स एंड प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में असफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड ने दो ओवर तय समय में नहीं फेंके तो उन पर 10 फीसदी जुर्माना लगा है।

इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ये गलती स्वीकार कर ली ओर दंड भी मान लिया है। इसलिए इस मामले में आगे औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर अहसान रजा और चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने इंग्लैंड पर ये आरोप तय किए थे। मैच रेफरी ने इन आरोपों को सही पाया और इंग्लैंड को सजा दी गई।

जो रूट एक सप्ताह बाद फिर टेस्ट रैंकिंग में नं. 1 बल्लेबाज बने, बुमराह शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने इसे खोने के एक सप्ताह के भीतर ही शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा बुधवार को जारी नवीनतम सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ 5 मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट में रूट ने 104 और 40 रनों की पारी खेली थी। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रनों से जीता था। इस पारी की बदौलत रूट ने आठवीं बार शीर्ष स्थान हासिल किया है।

रूट 34 साल की उम्र में दिसंबर 2014 में कुमार संगकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज हैं। संगकारा तब 37 साल के थे। रूट ने अपना शीर्ष स्थान हमवतन हैरी ब्रूक से गंवा दिया था, जो केन विलियमसन के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और उप-कप्तान ऋषभ पंत एक-एक पायदान नीचे खिसककर क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर हैं जबकि कप्तान शुभमन गिल भी तीन पायदान गिरकर नौवें स्थान पर आ गए हैं।

लॉर्ड्स में 72 रनों की पारी और नाबाद 61 रनों की आक्रामक पारी के बाद जडेजा 5 पायदान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उसी मैच में 100 और 39 रनों की पारी खेलने वाले केएल राहुल भी 5 पायदान ऊपर चढ़कर अब जडेजा से एक पायदान पीछे 35वें स्थान पर हैं। लॉर्ड्स में 77 रन और 5 विकेट लेकर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रदर्शन ने उन्हें बल्लेबाजों में दो पायदान ऊपर चढ़कर 42वें और गेंदबाजों में एक पायदान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

बुमराह पहले स्थान पर कायम

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा पर 50 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने लंबी छलांग लगाई है और छह स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

बोलैंड के टेस्ट क्रिकेट में 16.53 की औसत से 62 विकेट लेने वाले और उनका औसत से सिर्फ आईसीसी हॉल ऑफ फेमर्स जॉर्ज लोहमैन और सिडनी बार्न्स ही ले पाए हैं। वे अपने चार हमवतन खिलाड़ियों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क के साथ शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 1958 में इंग्लैंड के छह गेंदबाजों के शीर्ष 12 में शामिल होने के बाद से इस तरह का दबदबा नहीं देखा गया है। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर 58वें से 46वें स्थान पर आ गए हैं।

डोपिंग मामले में टेनिस खिलाड़ी तारा पर चार साल का प्रतिबंध

लंदन। ब्रिटेन की महिला टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा। खेल पंचाट ने तारा पर ये पाबंदी लगायी है। खेल पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति के बाद कहा कि तारा को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए प्रतिबंधिति किया जाना जरुरी था। इस खिलाड़ी को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था पर दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की अनुमति मिल गयी थी। वहीं इससे पहले एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण तारा पॉजिटिव हुई होगी। आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। खेल पंचाट ने आईटीआईए के पक्ष में फैसला दिया, जिसमें कहा गया कि उसके पैनल के अधिकतर सदस्यों का यह मानना था कि तारा यह साबित नहीं कर पाई कि दूषित मांस के सेवन के कारण उनका नमूना पॉजिटिव पाया गया था।

जितेश शर्मा ने 2025–26 के घरेलू सत्र से पहले विदर्भ को छोड़ा, अब इस टीम के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली। विदर्भ और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर जितेश शर्मा आगामी सत्र में बड़ौदा का प्रतिनिधित्व करेंगे। 31 वर्षीय जितेश शर्मा 2024–25 रणजी ट्रॉफी के दौरान किसी भी मैच में नहीं खेले और कप्तान और पहली पसंद विकेटकीपर अक्षय वाडकर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। वह करुण नायर की अगुवाई वाली विदर्भ की सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा बने रहे। बड़ौदा में स्थानांतरण की योजना पिछले कुछ समय से चल रही थी और माना जा रहा है कि बड़ौदा के कप्तान क्रुणाल पांड्या के साथ जितेश के घनिष्ठ संबंधों ने इस कदम को आसान बनाया। क्रुणाल पांड्या इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत के दौरान उनके साथी खिलाड़ी थे। इस बदलाव से जितेश को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में नियमित खिलाड़ी के रूप में अपनी जगह पक्की करने का एक नया मौका मिल सकता है। जितेश 2015–16 में पदार्पण करने के बाद से पिछले दस सत्रों में केवल 18 प्रथम श्रेणी मैचों में ही खेल पाए हैं। उनका औसत 24.48 का है, जिसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे हालिया प्रथम श्रेणी मैच लगभग 18 महीने पहले खेला गया था। लाल गेंद वाले क्रिकेट में सीमित मैच खेलने के बावजूद, जितेश ने पिछले कुछ वर्षों में छोटे प्रारूपों में अपनी छाप छोड़ी है। 2023 में पंजाब किंग्स के लिए खेलने के बाद, जितेश ने उसी साल अक्टूबर में एशियाई खेलों के दौरान भारत के लिए टी20 में पदार्पण किया। उन्होंने नौ टी20 मैच खेले हैं।

भारत की अंडर-19 और इंग्लैंड के बीच खेला गया पहला यूथ टेस्ट रहा ड्रॉ

बेकेनहम (एजेंसी)। हमजा शेख (112) की शतकीय और राल्फी एल्बर्ट और जैक होम की जूझारू पारियों की बदौलत इंग्लैंड की अंडर-19 टीम भारत के खिलाफ खेले गए पहले यूथ टेस्ट मैच को आखिरी दिन ड्रॉ कराने में सफल रही। 350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड मैच के आखिरी दिन मंगलवार को दूसरी पारी में सात विकेट पर 270 रन ही बना सकी।

भारत की अंडर-19 टीम ने दूसरी पारी में विहान मल्होत्रा के (63) और आरएस अम्ब्रिश के (53) रनों की बदौलत इंग्लैंड को 63 ओवर में 350 रनों का लक्ष्य दिया था। आर्ची वॉन ने इंग्लैंड के लिए 84 रन देकर छह विकेट लिए। इंग्लैंड, तीन विकेट जल्दी गंवाने के बाद हमजा शेख और बेन मेयस के बीच 119 रनों की साझेदारी हुई। मेयस 51 रन बनाकर आउट हुए। वहीं शेख 112 रनों की पारी खेलकर रनआउट हुये। जब रियू 50 रन बनाने के बाद आउट हुए तो भारत को जीत की उम्मीद जगी लेकिन अंत में राल्फी एल्बट और जैक होम ने 11.5 ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए ड्रॉ सुनिश्चित किया।

इससे पहले भारत ने आखिरी दिन की शुरुआत 229 रनों की बढ़त और सात विकेट हाथ में के साथ की। जहां मल्होत्रा 34 और अभिज्ञान कुंडु क्रीज पर थे। मल्होत्रा को अपने अर्धशतक तक पहुंचने में केवल 15 मिनट लगे जब उन्होंने वॉन की गेंद पर कवर ड्राइव लगाते हुए चौका लगाया, लेकिन कुछ ही देर बाद वह रियू की गेंद पर आउट भी हो गए। बारिश के बाद जब मैच दोबारा शुरू हुआ तो रियू ने लंच से पहले भारत के दो और विकेट झटक लिए। कुंडु 11 रनों पर ग्रीन के हाथों लपके गए और राहुल कुमार हुक के प्रयास में विकेट के पीछे जेम्स मिंटो के द्वारा लपके गए।

वॉन ने मोहम्मद इनान को पांच और हेनिन पटेल को रॉकी फ्लिंटॉफ के द्वारा कैच कराकर अपना पांचवां विकेट लिए। इससे लंच तक भारत का स्कोर 8 विकेट पर 209 रन था। इसके बाद भारतीय टीम 57.4 ओवर में 248 रन पर सिमट गई। अब इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रनों का लक्ष्य मिला।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सलामी बल्लेबाज ए वॉन मात्र तीन रन बनाकर देवेंद्रन की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। इसके बाद जेडन डेनली ने अम्ब्रिश को हुक करने की कोशिश की और वैभव सूर्यवंशी ने 19 रन पर बाउंड्री पर कैच पकड़ लिया। जबकि फ्लिंटॉफ ने सिंह को ड्राइव करने की कोशिश की और 11 रन पर चावड़ा ने लांग ऑन पर कैच पकड़ा। फिर भी मेयस जब सात रन पर थे तब देवेंद्रन के हाथों उन्हें जीवनदान मिला। चायकाल तक इंग्लैंड का स्कोर 3 विकेट पर 83 रन था और उस समय भी लक्ष्य का पीछा जारी था।

शेख ने सिंह की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इंग्लैंड को एक बड़ा झटका तब लगा जब दोनों बल्लेबाज विकेटकीपर छोर पर थे और भारत ने गलत स्टंप पर गेंद फेंकी, जिससे मेयस को सुरक्षित वापसी का मौका मिल गया। उन्होंने एक शानदार स्वीप शॉट लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मेयर (51) अम्ब्रिश की गेंद कैच आउट हुए।

रियू के आने और तुरंत आक्रामक होने के बाद, दोनों टीमों के बीच हाथ मिलाने की आशंकाएं ख़त्म हो गईं। एकांश सिंह (एक) रन आउट हुए। रियू 35 गेंदों में (50) रनों की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुये। इसके रलफी एलबर्ट 37 और 36 गेंदे खेलकर मैच को ड्रा कराने में अहम योगदान दिया। भारत की अंडर-10 टीम ने पहली पारी में 540 रनों का विशाल स्कोर बनाया था। इंग्लैंड की टीम 439 रन ही बना सकी थी।

स्ट्राइकर दीपिका ने पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड जीता, पुरुषों में विक्टर वेगनेज को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर दीपिका ने एफआईएच प्रो लीग 2024–25 सत्र के भुवनेश्वर चरण के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ किए गए अपने मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार जीता है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024–25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड के विजेता का फैसला दुनियाभर के हॉकी खेल प्रेमियों के मतदान के आधार पर किया गया। दीपिका ने ये गोल फरवरी 2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया ये मैच निर्धारित समय में 2–2 से बराबर रहा था, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। भारतीय टीम जब दो गोल से पीछे चल रही थी तब दीपिका ने 35वें मिनट में ये अविश्वसनीय गोल किया। उन्होंने नीदरलैंड की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए बायीं ओर से बेहतरीन तरीके से ड्रिबल किया, बेसलाइन को छुआ और एक डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से गेंद को आगे निकालकर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। दीपिका ने कहा कि, ये पुस्कार पाकर मैं सचमुच सम्मानित महसूस कर रही हूं। नीदरलैंड जैसे कड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल करना मेरे लिए सचमुच में विशेष पल था और अब ये सम्मान पाना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने साथियों, कोचों, परिवार और दोस्तों का शुक्रिया अदा करती हूं जो हर दिन मेरा हौसला बढ़ाते रहते हैं।

'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं': लॉर्ड्स में करीबी हार के बाद केएल राहुल हुए भावुक

लंदन (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड से मिली हार के बाद एक भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि 'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं'। शोएब बशीर के हाथों मोहम्मद सिराज का दुर्भाग्यपूर्ण आउट होना जिसमें गेंद पिच पर लगने के बाद वापस स्टंप्स में जा लगी, लॉर्ड्स में भारत के अडिग प्रतिरोध का अंत हो गया और रवींद्र जडेजा 22 रनों की दिल तोड़ने वाली हार के बाद मैदान पर ही रह गए। भारत मैच के अधिकांश समय इंग्लैंड पर हावी रहने के बावजूद हार गया जिसमें सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में से एक राहुल थे, जो एक से ज्यादा मौकों पर लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाले केवल दूसरे भारतीय बने।

बुधवार को इंस्टाग्राम पर राहुल ने कहा, 'कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं। वे आपके जज्बे और आपके चरित्र की परीक्षा लेते हैं। और सीख आपको और मजबूत बनाती है।' मौजूदा सीरीज में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इस सीरीज ने इंग्लैंड में उनके बल्लेबाजी औसत में काफी सुधार किया है, जो इसे 30 के दशक से 40 के शुरुआती दशक में ले गया है। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों में उन्होंने 24 पारियों में 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। इंग्लैंड का स्कोर 44/2 हो गया था, लेकिन ओली पोप (104 गेंदों में 44 रन, चार चौकों की मदद से) और जो रूट (199 गेंदों में 104 रन, 10 चौकों की मदद से) के बीच 109 रनों की साझेदारी और ब्रायडन कार्स (83 गेंदों में 56 रन, छह चौकों और एक छक्के की मदद से) और जेमी स्मिथ (56 गेंदों में 51 रन, छह चौकों की मदद से) के बीच आठवें विकेट के लिए 84 रनों की जवाबी साझेदारी ने इंग्लैंड को 387 रनों तक पहुंचाया। जसप्रीत बुमराह (5/74) भारत के लिए गेंदबाजी में सबसे शानदार गेंदबाज रहे।

दूसरी पारी में भारत ने यशस्वी जायसवाल का विकेट जल्दी गंवा दिया, लेकिन करुण नायर (46 गेंदों में 26 रन, पांच चौके) और केएल राहुल के बीच 61 रन की साझेदारी और केएल (177 गेंदों में 100 रन, 13 चौके) और ऋषभ पंत (112 गेंदों में 74 रन, आठ चौके और दो छक्के) के बीच 141 रन की साझेदारी ने भारत को इंग्लैंड के स्कोर के करीब पहुंचा दिया। रवींद्र जडेजा (131 गेंदों में 72 रन, आठ चौके और एक छक्का) के शानदार अर्धशतक और निचले क्रम में नीतीश कुमार रेड्डी (30) और वाशिंगटन सुंदर (23) के योगदान ने भारत को 387 रन तक पहुंचाया जिसमें दोनों टीमों के बीच कोई अंतर नहीं था। क्रिस वोक्स (3/84) इस पारी में इंग्लैंड के शीर्ष गेंदबाज थे। इंग्लैंड की दूसरी पारी में भारत ने लगातार इंग्लैंड को दबाव में रखा सिवाय रूट (96 गेंदों में 40 रन, एक चौका) और स्टोक्स (96 गेंदों में 33 रन, तीन चौके) के बीच पांचवें विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी के। सुंदर (4/22) ने खेल का रुख पलटते हुए मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया और इंग्लैंड को 192 रनों पर समेट दिया। भारत को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया का स्कोर 82/7 हो गया। हालांकि जडेजा (181 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 61* रन) हार मानने के मूड में नहीं थे। उन्होंने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मजबूत साझेदारियां कीं जिससे इंग्लैंड दबाव में आ गया, लेकिन मोहम्मद सिराज का दुर्भाग्यपूर्ण आउट होना, जहां गेंद पिच पर पड़ने के बाद वापस स्टंप्स की ओर घूम गई, ने लाखों दिलों को आहत किया और भारत 170 रनों पर ढेर हो गया। भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है।

भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति को लेकर सुनील छेत्री ने जताई चिंता, आईएसएल के रुकने पर दिया बयान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान सुनील छेत्री ने भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई है। हालांकि, उन्हें उसमें सुधार की उम्मीद भी दिख रही है। बता दें कि, शीर्ष स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट इंडियन सुपर लीग यानी द्वस्रुको अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने से खेल जगत चिंतित, आहत और डरा हुआ है। लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलने वाले छेत्री ने कहा कि, उन्हें देश में इस खेल के भविष्य को लेकर आशंकाएं व्यक्त करने वाले फोन कॉल और संदेशों की बाढ़ आ गई है। 40 वर्षीय दिग्गज ने एक्स पर लिखा कि, मुझे सबसे पहले ये चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसको मैं कैसे बिताऊंगा। लेकिन कई क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मेरी समस्या उतनी अहम नहीं है। भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। मुझे न केवल मेरे क्लब से, बल्कि अन्य क्लबों से भी खिलाड़ियों, स्टाफ सदस्यों, फिजियो, मालिश करने वालों से ढेर सारे संदेश मिले हैं। छेत्री ने कहा कि, भारतीय फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र में अभी जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है उससे हर कोई चिंतित, आहत और डरा हुआ है। आईएसएल ने आयोजकों और अखिर भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के कारण 2025–26 के सत्र को स्थगित कर दिया है।

मैं एक एक्टर हूं और मुझे जो रोल मिला है, मैं उसे निभा रहा हूं

टीवी की दुनिया में दोबारा लौटे शरद केलकर इन दिनों अपने नए शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। शो में उनका किरदार 46 साल के एक बिजनेस मैन का है, जो 19 साल की लड़की (निहारिका चौकसे) से प्यार करता है। इस 27 साल की उम्र के फासले को लेकर उनकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। इस बारे में शरद केलकर का क्या कहना है?

सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां हर कोई अपनी राय थोपता है

अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान शरद केलकर ने नए सीरियल को लेकर हो रही आलोचना, विवाद पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आजकल सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां हर कोई अपनी राय थोपता है। किसी को कुछ पसंद आता है, किसी को नहीं, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। शरद केलकर आगे कहते हैं, मैं एक एक्टर हूं और मुझे जो रोल मिला है, मैं उसे निभा रहा हूं। अगर यही चीज रियल लाइफ में होती, तब भी शायद मुझे फर्क नहीं पड़ता। ये सिर्फ एक किरदार है, कोई असल जिंदगी की कहानी नहीं।

फोन का सही इस्तेमाल कीजिए

शरद ने आलोचकों को सलाह देते हुए कहा, आपके परिवार ने मुश्किल से आपको मोबाइल फोन दिलाया है, तो उसका सही इस्तेमाल कीजिए। कुछ अच्छा कीजिए, पॉजिटिव सोचिए। सोशल मीडिया पर निगेटिव बातें फैलाने से किसी का भला नहीं होता।

इंसान पहले नेगेटिव चीज़ों की तरफ आकर्षित होता है

शरद केलकर के अनुसार, ये इंसान की फितरत है कि वह पहले नेगेटिव चीजों की तरफ आकर्षित होता है। लेकिन हमें सोचना चाहिए कि हम अपनी जिंदगी में पॉजिटिव रहना चाहते हैं या नेगेटिविटी में उलझे रहना चाहते हैं।

कहानी सिर्फ रोमांस नहीं, सोच का टकराव भी दिखाती है

शरद यह भी बताते हैं कि शो के मेकर्स का कहना है कि 'तुम से तुम तक' सिर्फ एक लव स्टोरी नहीं है, बल्कि यह दो पीढ़ियों की सोच, समाज की मानसिकता और रिश्तों की जटिलताओं को भी सामने लाता है। उम्र के फासले पर उठ रहे सवालों को लेकर मेकर्स जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखेंगे।

रिलेशनशिप में मिले इन अनुभवों से शादी से डरती हैं श्रुति हासन

अभिनेत्री श्रुति हासन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें शादी से बहुत डर लगता है। साथ ही आपको बताते चलें कि अभिनेत्री पहले शांतनु हजारिका के साथ रिलेशनशिप में थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह शादी के बंधन में बंधने के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन कुछ ऐसा हुआ जिसकी वजह से उनकी शादी टूट गई।

वो मेरी गलती नहीं थी

श्रुति हासन हाल ही में अपने रिलेशनशिप और निजी जिंदगी के बार में बात कीं। एक्ट्रेस ने अपने पुराने ब्रेकअप के बारे में बात करते हुए कहा कि किसी कारण वश उनका पुराना रिश्ता टूट गया, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। वह एक बेमेल रिश्ता था। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें शादी से डर लगता है।

बच्चों को अपनाऊंगी

आगे बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं मनोवैज्ञानिक स्तर पर बच्चों को अपनाऊंगी। मैं अपने जीवन में लोगों को परेशान करना और उन्हें जरूरत से ज्यादा ख्याल करना बंद कर दूंगी। एक ऐसे व्यक्ति का साथ दूंगी, जो वास्तव में इसका हकदार है। मुझे लोगों को और अपने दोस्तों को अपने जीवन में बदलते और बढ़ते देखना बहुत पसंद है। मैं यह देखना पसंद करूंगी कि ऐसा उस व्यक्ति के साथ हो जो मुझसे गहराई से जुड़ा हुआ हो।' आगे श्रुति हासन ने बताया कि वह सिंगल हैं और खुद से सबसे ज्यादा प्यार करती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह अकेलेपन को अपनाने की कोशिश कर रही हैं और इसे वह अकेलापन कहना पसंद नहीं करतीं, क्योंकि उन्होंने देखा है कि लोग सिर्फ अकेलेपन के डर से रिश्ते चुनते हैं।

श्रुति हासन का वर्कफ्रंट

श्रुति हासन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह इस साल दो तमिल फिल्मों में नजर आएंगी। एक फिल्म रजनीकांत की 'कुली' है, वहीं दूसरी फिल्म का नाम 'ट्रेन' है। वह प्रभास के साथ एक फिल्म सालार 2 भी कर रही हैं, इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है।

कार्तिक और अनन्या की फिल्म से जुड़े जैकी श्रॉफ

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है। ऐसे में अब इस फिल्म से जाने माने अभिनेता जैकी श्रॉफ भी जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है।

कार्तिक आर्यन ने शेयर किया वीडियो

कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि उनकी फिल्म में जैकी श्रॉफ की एंट्री हुई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक और जैकी एक गाने पर मजे कर रहे हैं। जैकी श्रॉफ ने टोपी और चश्मा लगाया है। वह दर्शकों को फ्लाइंग किस दे रहे हैं। इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में नजर आ रहा था कि दोनों ने अपने हाथ में पासपोर्ट लिया हुआ था और समुद्र के किनारे एक दूसरे को किस कर रहे थे। पोस्टर से लग रहा था कि यह फिल्म रोमांटिक होने वाली है।

सार्थक प्रतिनिधित्व पर जियोर्जिया एंड्रियानी ने की बात

हाल ही में अभिनेत्री जियोर्जिया एंड्रियानी ने सिनेमा में महिलाओं के चित्रण विशेष रूप से भारतीय फिल्मों के सदाबहार डांस नंबर्स को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा की शुरुआत की है। अपने काम के प्रति विचारशील दृष्टिकोण के लिए जानी जाने वाली जियोर्जिया ने यह स्पष्ट किया कि नारीत्व का उत्सव मनाना और महिलाओं को केवल आकर्षण का साधन बनाना, दोनों में बुनियादी अंतर है। उनके विचारों ने यह उजागर किया कि फिल्म इंडस्ट्री किस तरह मनोरंजन और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक प्रस्तुति के बीच संतुलन बना सकती है। डांस सीक्वेंस और सिनेमा में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बोलते हुए जियोर्जिया ने एक संतुलित और सूक्ष्म नजरिया पेश किया। जिसने इस मुद्दे की जटिलता को स्वीकार किया। उन्होंने बताया, एक सीन को किस सोच के साथ गढ़ा गया है और उसे कैसे जीवंत किया गया है, यही सबसे अहम होता है। जब सही तरीके से किया जाए, तो डांस नंबर्स बेहद सशक्त हो सकते हैं और महिलाओं की खूबसूरती, आत्मविश्वास और ताकत का उत्सव बन सकते हैं। मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स की ओर आकर्षित होती हूँ जो किसी महिला के केवल शारीरिक रूप-रंग के बजाय उसकी आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास को उजागर करते हैं।

उनकी यह सोच इस बात पर ज़ोर देती है कि दर्शकों को स्क्रीन पर सिर्फ़ जो दिखता है, उससे आगे जाकर यह भी समझना ज़रूरी है कि उस रचनात्मक निर्णय के पीछे का उद्देश्य और संदेश क्या है। अभिनेत्री ने महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करते हुए कलात्मक अखंडता बनाए रखने वाली परियोजनाओं का हिस्सा बनने की अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा, मैं ऐसी भूमिकाएँ चुनने में विश्वास करती हूँ जो सिनेमा में कुछ सार्थक योगदान दें। जब कहानी कहने के पीछे सच्ची मंशा हो, तो मनोरंजन और सम्मान खूबसूरती से एक साथ रह सकते हैं। फिल्म इंडस्ट्री समाज की सोच को आकार देने की ताकत रखती है और मैं उस सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनना चाहती हूं।

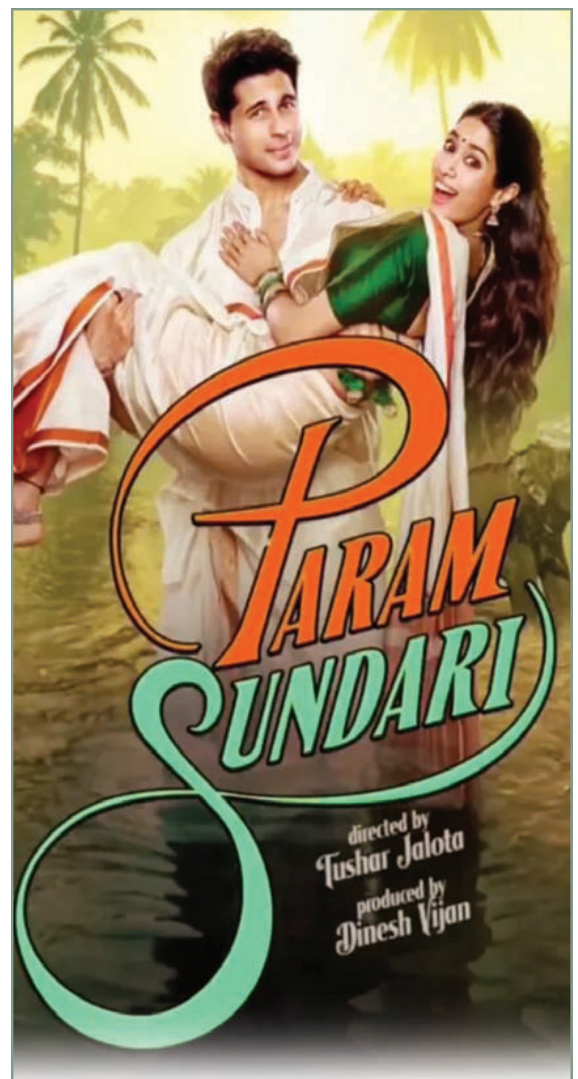

25 जुलाई को रिलीज होगी सिद्धार्थ-जान्हवी की 'परम सुंदरी'

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई रिलीज डेट टलने के बाद फिल्म को लेकर अब एक नई अपडेट सामने आई है। जिससे ये पता चलता है कि ये रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म कब रिलीज होने वाली है।

फिर आगे बढ़ी 'परम सुंदरी' की रिलीज

जब फिल्म का टीजर जारी किया गया था तब फिल्म की रिलीज डेट 25 जुलाई बताई गई थी। लेकिन अब तक फिल्म के आगे की कोई जानकारी सामने न आने के बाद अब फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। राजकुमार राव की 'मालिक' के साथ 'परम सुंदरी' का टीजर दिखाया गया। इसके साथ ही ये साफ हो गया कि एक बार फिर सिद्धार्थ और जान्वही की इस रॉम-कॉम की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है।

जुलाई नहीं अब अगस्त में आएगी 'परम सुंदरी'

'परम सुंदरी' का पहला लुक राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की फिल्म 'मालिक' के थिएटर प्रिंट्स के साथ जारी किया गया है। इसमें फिल्म की रिलीज आगे बढ़ने की जानकारी भी सामने आई है। इस लुक में लिखा गया है कि 'परम सुंदरी' इस अगस्त में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे स्पष्ट है कि 25 जुलाई को रिलीज होने वाली 'परम सुंदरी' अब अगस्त में रिलीज होगी। हालांकि, अभी फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है।

मई में जारी हुआ था फिल्म का टीजर

'परम सुंदरी' का टीजर मई में जारी किया गया था। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा को नॉर्थ के लड़के परम और जान्हवी कपूर को साउथ की लड़की सुंदरी के रूप में दिखाया गया था। साथ ही टीजर में सोनू निगम की आवाज में गाने की कुछ लाइन्स भी सुनाई देती हैं। इस टीजर को काफी पसंद किया गया था। इसके सामने आने के बाद फैंस फिल्म के लिए उत्साहित हैं। टीजर में फिल्म की रिलीज डेट 25 जुलाई बताई गई थी।

मैडॉक फिल्म ने किया 'परम सुंदरी' का निर्माण

'परम सुंदरी' का निर्माण मैडॉक फिल्म्स ने किया है। फिल्म में नॉर्थ और साउथ के लड़के-लड़की की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। इस फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। फैंस को अब फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार है।

मीना कुमारी और मधुबाला की बायोपिक करना चाहती हैं तृप्ति

तृप्ति डिमरी जल्द ही सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'धड़क 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि वो मधुबाला या मीना कुमारी जैसी आइकॉनिक शख्सियतों की बायोपिक करना चाहती हैं। बातचीत में अभिनेत्री ने यह भी बताया कि 'लैला मजनू' की असफलता ने उन्हें निराश किया था, लेकिन 'बुलबुल' की सफलता ने उनका आत्मविश्वास दोबारा लौटा दिया।

'धड़क 2' को लेकर आप कितनी उत्साहित हैं? क्या सीक्वल फिल्म में काम करने का अलग प्रेशर होता है?

मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। सीक्वल में काम करना अपने आप में एक अलग अनुभव होता है, लेकिन मेरे हिसाब से प्रेशर लेना या न लेना, ये पूरी तरह व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं दबाव नहीं लेती। मेरा मानना है कि जब आप दबाव में काम करते हैं, तो चीजें बिगड़ने लगती हैं। असली जादू तब होता है जब आप बिना किसी दबाव के पूरी ईमानदारी से और अपने डायरेक्टर व टीम पर भरोसा रखते हुए काम करें। शूटिंग के दौरान हमने हर दिन को सहजता से लिया, एक-दूसरे पर भरोसा रखा और दिल से काम किया। शायद इसी वजह से स्क्रीन पर भी सब कुछ दिल से जुड़ा हुआ लगता है।

आपके दिल में कौन-सा रोल करने की तमन्ना है? कोई ऐसा सपना जो आप पर्दे पर जीना चाहती हों?

ऐसे बहुत सारे रोल हैं जो मैं करना चाहती हूं। लेकिन अगर खास तौर पर कहूं तो मुझे अब एक्शन करना है। अभी तक कभी एक्शन नहीं किया और मुझे लगता है कि वो एक ऐसा जॉनर है जिसमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। आप अपनी बॉडी का इस्तेमाल करते हैं, फाइट सीक्वेंस होते हैं। उस जोन में काम करना फिजिकली और मेंटली दोनों तरह से डिमांडिंग होता है।

आज के दौर में ग्रे और निगेटिव किरदारों को खूब सराहा जाता है। क्या ऐसे रोल एक एक्टर को खुद को साबित करने का ज्यादा मौका देते हैं?

काजोल मैम ने गुप्त में कमाल का काम किया था। अगर उस तरह का कोई रोल मिले, तो मैं जरूर करना चाहूंगी। अब वो जमाना नहीं रहा जब निगेटिव रोल्स को सिर्फ विलेन समझा जाता था। आज के दौर में अगर आप एक ग्रे या निगेटिव कैरेक्टर को गहराई और सच्चाई के साथ निभाते हैं, तो ऑडियंस उसे अलग तरह से तारीफ करते हैं।

क्या कोई बायोपिक करने की भी ख्वाहिश है?

बहुत, मैं बायोपिक जरूर करना चाहती हूं। मैं मीना कुमारी जी और मधुबाला जी की बहुत बड़ी फैन हूं। अगर उनकी जिंदगी पर कोई बायोपिक बन रही हो और मुझे उसमें मौका मिले, तो वो मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

आपने कॉलेज स्टूडेंट का रोल निभाया। क्या शूटिंग के दौरान कोई पल आपको अपने कॉलेज के दिनों की याद दिला गया?

कई बार,जब हम क्लासरूम में शूट कर रहे थे, तो ऐसा लगता था कि सच में कॉलेज में बैठे हैं। हमें डायरी मिलती थी, हम क्लासरूम में बैठते थे और वो सारे पुराने गेम्स खेलने लगते थे जैसे नेम प्लेस, एनिमल, थिंग - जो हम बचपन में खेलते थे। उस समय कॉलेज की बहुत सी यादें ताजा हो गईं। पूरी यूनिट ने ये कोशिश की कि एक रियल कॉलेज गैंग जैसा माहौल बने, वही मस्ती, वही एनर्जी। जबकि फिल्म का टोन सीरियस है, लेकिन पर्दे के पीछे हम सब बहुत हंसी-मजाक कर रहे थे। वो मजा अलग ही था।

'धड़क 2' जैसे विषयों की बात करें, क्या रियल लाइफ में आपने कभी किसी ऐसे अनुभव के बारे में सुना या देखा है?

मैंने खुद ऐसा अनुभव नहीं किया, लेकिन कई किस्से सुने हैं दोस्तों से, जानने वालों से। जैसे एक बार किसी की शादी में उनके रिश्तेदार नहीं गए, सिर्फ इसलिए कि वो इंटरकास्ट मैरिज थी। उस समय शायद किसी ने ज्यादा सवाल भी नहीं उठाया। बस कहा गया अरे अलाउड नहीं होगा और बात खत्म। लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब हम पूछते हैं क्यों अलाउड नहीं होगा? और मुझे लगता है कि ये सवाल उठाना बहुत जरूरी है। यही 'धड़क 2' जैसी फिल्मों की जरूरत भी है। क्योंकि हम सोचते हैं कि ऐसी चीजें तो अब नहीं होतीं, लेकिन हकीकत ये है कि आज भी और वो भी सिर्फ गांवों में नहीं बल्कि पढ़े-लिखे शहरों में, ये सब होता है।

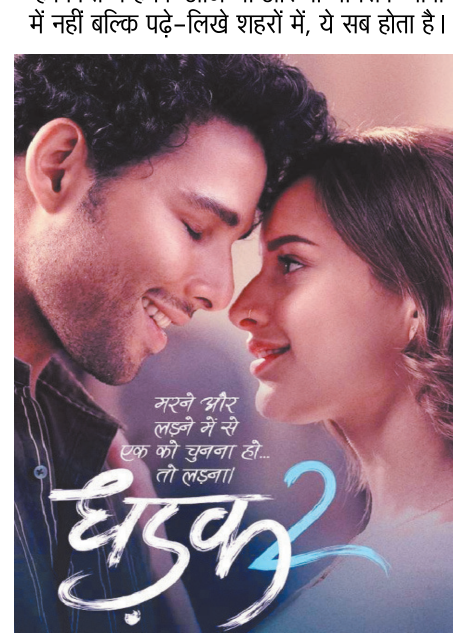

नौकरीपेशा लोगों पर मंडराती सेहत की समस्या

आजकल की इस आपाधापी में जहां एक ओर लोग अपने काम की पीछे अपना सारा समय लगा देते हैं वहीं दूसरी ओर अपने इस काम के पीछे अपनी सेहत से भी खिलावाड़ करते रहते हैं। नौकरीपेशा लोग हमेंशा किसी ना किसी बीमारी से ग्रस्त ही रहते हैं।आइए जानते हैं नौकरीपेशा लोगों की सेहत पर कौन सी बड़ी समस्याएं मंडराती हैं।

अवसाद : एक प्रमुख समाचार पत्र में 2011 में प्रकाशित शोध में पाया गया है जो लोग प्रतिदिन 11 घंटे से अधिक देर तक काम करते हैं उनमें अवसाद का खतरा दोगुना होता है। बहुत अधिक अवसाद ही नौकरीपेशा लोगों को स्ट्रोक या हार्ट अटैक की स्थिति में पहुंचा देता है।

समय से पहले ही बढ़ जाती है उम्र की समस्या : अमेरिकी शोध की मानें तो दफ्तर का तनाव समय से पहले ही बढ़ी उम्र की समस्याओं को बढ़ाता है। काम का तनाव जितना अधिक होता है शरीर में मौजूद टेलोमेयर्स (उम्र से संबंधित विशेष प्रकार का डीएनए) उतना ही कम होता है।

दिल का दौरा : लंदन कॉलेज यूनिवर्सिटी के 2012 के एक शोध की मानें तो जो लोग कार्यक्षेत्र में बहुत अधिक महत्वाकांक्षी हैं या काम के दबाव में रहते हैं, उन्हें दिल के दौरे का रिस्क 23 प्रतिशत अधिक रहता है।

मधुमेह : एक मेडिसिन पत्र में प्रकाशित शोध की मानें तो नौकरीपेशा महिलाओं को डायबिटीज की आशंका अधिक रहती है। हालांकि शोधकर्ताओं ने अब तक यह नहीं पता लगाया है कि कार्यक्षेत्र और डायबिटीज का पुरुषों से भी उतना ही संबंध है जितना महिलाओं से है।

व्यक्तिगत संबधों पर भारी है दफ्तर का तनाव : अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के शोध की मानें तो दफ्तर में देर तक काम करने वाले लोगों का तनाव उनके व्यक्तिगत संबंधों को भी भारी पड़ता है। करीब 79 प्रतिशत नौकरीपेशा पुरुषों और 61 प्रतिशत नौकरीपेशा महिलाओं ने इस शोध में माना कि उनके दफ्तर का तनाव उनके व्यक्तिगत संबंधों पर हावी है

कहीं आपका सोफा न बना दे आपको थायरॉइड का मरीज

घर में महिलाएं रोजमर्रा की जिंदगीं में कितने ही सामानों का इस्तमाल रोज करती है।जैसे सोफा, कार्पेट, पर्दे, कागज के सामान आदि।लेकिन इन प्रसाधनों का रोजमर्रा में आपको कितने भी फायदें हों लेकिन इनसे सेहत को एक बड़ा खतरा भी है। हाल में एक शोध में पाया गया है कि इन चीजों के फैब्रिक में विशेष प्रकार के रसायनों का इस्तेमाल होता है जिसकी वजह से महिलाओं में हाइपोथायरॉइड का रिस्क बढ़ जाता है।ताइवान के एन चू कांग अस्पताल के डॉक्टर व शोधकर्ता चेन यू लिन ने बताया कि हमने पशुओं के परीक्षण के आधार पर यह पाया कि सोफा या कालीन के फैब्रिक में इस्तेमाल किए जाने वाले परफ्यूकरोलेटेड केमिकल्स महिलाओं को हाइपोथायरॉइड का शिकार बना सकते हैं। हालांकि अभी तक मानव शरीर पर हमने यह परीक्षण नहीं किया है पर पूरी संभावना है कि इसका संबंध महिलाओं से हो सकता हैं।शोध के दौरान शोधकर्ताओं ने परीक्षण के साथ-साथ जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंडोक्राइनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में प्रकाशित शोध के दौरान 1,181 प्रतिभागियों का अध्ययन किया और पाया कि जिन लोगों के रक्त में परफ्यूकरोक्टानोएट (पीएफओए) का स्तर अधिक है उन्हें हाइपोथायरॉइड की समस्या की आशंका अधिक है। शोधकर्ताओं का मानना है कि सोफा, कालीन, कॉस्मेटिक्स बनाने में इस्तेमाल किए जाने परफ्यूकरोलेटेड केमिकल्स बहुत धीरे टूटते हैं जिससे ये लंबे समय में वातावरण में घुलते हैं और रक्त में पहुंच जाते हैं।अमेरिका के नेशनल इंस्टिटयूट ऑफ हेल्थ की निदेशक लिडा बिर्नबॉम के अनुसार थायरॉइड के अलावा इनका संबंध किडनी, लिवर और दिल के रोगों से भी हो सकता है लेकिन फिलहाल इनके प्रत्यक्ष संबंध के बारे में कुछ कहना मुश्किल है।

प्रभावकारी होता है ग्लूट व्यायाम

ऊंची कद काठी, बेहतरीन डोले, शानदार थाईस, चौड़ी छाती और मजबूत बदन हर मर्द की चाहता होती है। लेकिन इस प्रकार के शरीर के लिए आपको व्यायाम में काफी पसीना बहाना पड़ता है। वो भी नियमित तरीके से। व्यायाम करते समय आपको कई बातों का ख्याल करना पड़ता है। मसलन जिस एक्सरसाइज को आप कर रहे हैं वह सही तरीके से हो रही है या नहीं। गलत तरीके से किया गया व्यायाम हानिकारक भी हो सकता है। आइए जानते हैं कुछ विशेष।

ग्लूट एक्सरसाइज

कोई भी व्यायाम शरीर के अन्य अंगों के साथ ही किसी खास अंग पर भी असर डालती है। जैसे आप सीने के लिये व्यायाम कर रहे हैं या डोलो के लिये या फिर कूल्हों के लिये। शरीर के हर हिस्से के लिए अलग व्यायाम है और ये आपके लिए लाभकारी साबित भी होते है। आगे इस लेख में हम बात करते हैं ग्लूट एक्सरसाइज यानी कूल्हों के व्यायाम के फायदों के बारे में।

शरीर के संतुलन में मदद

कूल्हों की मजबूत मांसपेशियां शरीर का संतुलन बनाने में बहुत अहम होती हैं। यदि आपके ग्लूट्स में कमजोरी आ जाती है तो कुछ गंभीर समस्याएं भी हो सकती है। इनमें शरीर का झुकाव, एकाइलेस टेनडिनाइटिस, घुटने की तकलीफ, एड़ी और पिंडली में दर्द आदि हैं। यानी ग्लूटस एक्सरसाइज आपको भविष्य की आशंकाओं से बचाती हैं। धावकों के लिए ग्लूटस बेहद जरूरी होती है, इससे उनके शारीरिक केंद्रक, कूल्हे और कमर को मजबूती मिलती है।

मजबूत शरीर

मजबूत शरीर के लिए कूल्हों की मांसपेशियों का चुस्त होना बहुत जरूरी है। कूल्हों का आकार और मजबूती इनकी तीन मशल्स पर निर्भर करता है। यदि आप अपनी दिनचर्या में ग्लूटस एक्सरसाइज को शामिल कर लेंगे तो इससे आपके शरीर को मजबूती मिलेगी। फिटनेस विशेषज्ञों के मुताबिक मजबूत कूल्हे आपको ज्यादा वजन उठाने में भी मदद करते हैं।

कमर दर्द में आराम

ग्लूटस एक्सरसाइज कई बार किशोरावस्था या फिर ज्यादा उम्र में होने वाले कमर दर्द से आपको निजात दिलाती हैं। इन्हें करने से न केवल आपके कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है बल्कि आपकी कमर की नसें भी मजबूत होती हैं।

आकर्षक बदन

ग्लूट एक्सरसाइज नियमित करने से आपके कूल्हों की शेप में बदलाव आता है और इसका असर आपके बदन की खूबसूरती पर पड़ता है। शरीर के खूबसूरत दिखाई देने में कूल्हें अहम होते हैं। ज्यादा भारी नितंब भी भद्दे लगते हैं, यदि आप ग्लूटस एक्सरजाइज को नियमित भी नहीं कर पाते हैं तो हफ्ते में एक बार करने की कोशिश करें।

चुस्त

सुबह के वक्त की गई एक्सरसाइज आप दिनभर चुस्त बने रहते हैं। अब यह व्यायाम कूल्हों से संबंधित हो या शरीर के अन्य किसी अंग से आप चुस्त तो रहते ही हैं और तंदुरुस्त भी।

यदि आपका काम लंबे समय तक बैठे रहने वाला हैं तो ग्लूटस एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें। अगर आप इसे नियमित नहीं कर पाते तो हफ्ते में कम से कम एक बार जरूर करें।

जांघों की मजबूती

ग्लूटस एक्सरसाइज आपकी जांघों को भी मजबूत बनाती हैं। यदि आपकी जांघें मजबूत हैं तो आपका बदन देखने में आकर्षक लगता है। कूल्हों का व्यायाम करने से आपके बटक के आकार में परिवर्तन होगा और जांघें मजबूत होंगी।

बीमारी से बचाव

आप किसी भी प्रकार का व्यायाम करें, उसका सबसे ज्यादा फायदा यहीं होता है कि ये आपका बीमारियों से बचाव करता है। ग्लूटस एक्सरसाइज भी आपका बीमारियों से बचाव करती हैं।